बंगाल चुनाव से पहले 12
ममता का बड़ा...

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अलीजेह अग्निहोत्री 11
के साथ जमेगी...

वर्ष - 01, अंक - 335 | गाजियाबाद / सोमवार 09 मार्च 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण को लेकर साधा सरकार पर निशाना

- महासचिव जयराम रमेश ने एनएएक्यूएस की समीक्षा पर दिया जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने एक बार पीएम मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने बढ़ते प्रदूषण पर चिंता व्यक्त करते हुए 2009 के 'नेशनल एम्बिएंट एयर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स' (एनएएक्यूएस) की तत्काल समीक्षा और उन्नयन किए जाने की रविवार को मांग की और जोर देकर कहा कि इन्हें अधिक प्रभावी तरीके से लागू करना चाहिए। कांग्रेस के संचार मामलों के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा कि पीएम 56 इंच का पर्दाफाश हो गया है, पीएम 2.5 अब सच है। कांग्रेस नेता ने 'एक्स' पर लिखा कि पीएम2.5, यानी 2.5 माइक्रोमीटर या उससे कम व्यास वाला कण पदार्थ पूरे देश में गंभीर पर्यावरण-स्वास्थ्य संकट का कारण बन चुका है।

हर साल 17 लाख भारतीयों की हो जाती है मौत

उन्होंने कहा कि 2025 के 'लैंसेट काउंटडाउन' के अनुमान के अनुसार, हर साल लगभग 17.2 लाख भारतीयों की पीएम 2.5 के संपर्क में आने से मौत हो जाती है, जो 2010 की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। रमेश ने यह भी कहा कि पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2024, 2025 और 2026 में संसद को यह बताया था कि वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों का कोई सटीक आंकड़ा प्राप्त नहीं किया जा सकता।

शंकराचार्य पर एफआईआर कराने वाले आशुतोष महाराज पर हमला

- ट्रेन में चाकू मारे, नाक काटने की कोशिश; बोले-जितना खून बहा, उसका बदला लेंगे

प्रयागराज (एजेंसी)। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पर बटुकों से यौन उत्पीड़न की एफआईआर कराने वाले आशुतोष महाराज पर रविवार को चलती ट्रेन में जानलेवा हमला हुआ। आशुतोष महाराज ने बताया-मैं रीवा एक्सप्रेस ट्रेन से गाजियाबाद से प्रयागराज जा रहा था। फर्स्ट एसी कोच में बैठा था। रास्ते में सिराथू रेलवे स्टेशन के पास सुबह करीब 5 बजे टॉयलेट के लिए उठा। बाहर गेट पर एक आदमी खड़ा था। आगे बढ़ा तो उसने पीछे से हमला कर दिया। धारदार हथियार से उसने मेरी नाक काटने की कोशिश की। चेहरे और हाथ पर कई वार किए। गंभीर चोटें आईं। काफी खून बहा। आशुतोष ब्रह्मचारी के मुताबिक, वह किसी तरह अपनी जान बचाकर भागे और ट्रेन के टॉयलेट में खुद को बंद कर लिया। वहीं से जीआरपी को फोन करके घटना की जानकारी दी। उन्होंने हमले के पीछे स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद समेत अन्य को जिम्मेदार ठहराया है। फिलहाल, जीआरपी ने शिकायत के आधार पर एफआईआर दर्ज की है।

ऐतिहासिक जीत: फाइनल में भारत की शानदार विजय, पूरे देश में जश्न का माहौल

अहमदाबाद (एजेंसी)। आज का दिन भारतीय खेल इतिहास के लिए बेहद खास बन गया जब भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई। करोड़ों भारतीय फैंस की दुआएं और खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई और टीम ने एक यादगार जीत दर्ज की।

फाइनल मुकाबला शुरू होने से पहले ही देशभर में उत्साह का माहौल था। हर कोई टीवी स्क्रीन के सामने बैठकर मैच का इंतजार कर रहा था। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों के साथ-साथ करोड़ों लोग अपने घरों में बैठकर टीम इंडिया का हौसला बढ़ा रहे थे। जैसे ही मैच शुरू हुआ, दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।

टॉस जीतने के बाद मैच की शुरूआत काफी रोमांचक रही। शुरूआती ओवरों में दोनों टीमों ने सावधानी से खेलते हुए अपनी रणनीति बनाई। भारतीय खिलाड़ियों ने संयम और धैर्य के साथ खेलते हुए मैच पर पकड़ बनानी शुरू कर दी। टीम के बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रन बनाना जारी रखा और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।

भारतीय बल्लेबाजों की बेहतरीन साझेदारी ने मैच का रुख बदल दिया। मैदान पर मौजूद हर खिलाड़ी जीत के इरादे से खेलता नजर आया। चौकों और छक्कों की बारिश से दर्शकों का उत्साह और बढ़ गया। हर रन के साथ स्टेडियम में मौजूद भारतीय समर्थकों की आवाज और तेज होती गई।

दूसरी ओर, विरोधी टीम भी पूरी कोशिश कर रही थी कि मैच पर पकड़ बनाए रखे। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण विकेट लेकर दबाव बनाने की कोशिश की,

लेकिन भारतीय बल्लेबाजों ने समझदारी से खेलते हुए टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचा दिया। मैच के इस चरण में भारतीय टीम का आत्मविश्वास साफ नजर आ रहा था।

जब भारतीय टीम ने अपना स्कोर पूरा किया तो सभी की नजरें अब गेंदबाजों पर टिक गईं। जीत के लिए गेंदबाजों का प्रदर्शन भी उतना ही महत्वपूर्ण था। जैसे ही विरोधी टीम की पारी शुरू हुई, भारतीय गेंदबाजों ने आक्रामक अंदाज में गेंदबाजी करते हुए शुरूआत से ही दबाव बनाना शुरू कर दिया। पहले कुछ ओवरों में ही भारतीय गेंदबाजों ने महत्वपूर्ण विकेट लेकर मैच का रुख भारत की ओर मोड़ दिया। शानदार लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी करते हुए उन्होंने विरोधी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। फील्डरों ने भी मैदान पर बेहतरीन फील्डिंग करते हुए हर रन को रोकने की पूरी कोशिश की। मैच जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, रोमांच भी बढ़ता गया। विरोधी टीम ने भी वापसी करने की कोशिश की और कुछ अच्छे शॉट लगाकर रन बनाए, लेकिन भारतीय टीम का आत्मविश्वास और टीमवर्क उनके ऊपर भारी पड़ता नजर आया। कप्तान की रणनीति और खिलाड़ियों की मेहनत ने टीम को मजबूत स्थिति में बनाए रखा।

मैच के अंतिम ओवरों में तनाव अपने चरम पर था। दर्शकों की सांसें थमी हुई थीं और हर गेंद पर नजरें टिकी हुई थीं। लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार संयम दिखाते हुए विपक्षी टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। आखिरकार वह पल आ ही गया जब आखिरी विकेट गिरा और भारत ने फाइनल मैच जीत लिया।

जैसे ही भारत की जीत तय हुई, पूरे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। खिलाड़ी मैदान में एक-दूसरे को गले लगाकर जीत का जश्न मनाने लगे। दर्शक खुशी से झूम उठे और भारत माता के जयकारे गूंजने लगे। यह पल हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था। देश के अलग-अलग हिस्सों में भी लोगों ने इस जीत का जोरदार जश्न मनाया। कहीं पटाखे फोड़े गए, तो कहीं मिठाइयां बांटी गईं। सोशल मीडिया पर भी लोगों ने भारतीय टीम को बधाइयों की बौछार कर दी। हर कोई खिलाड़ियों की मेहनत और शानदार प्रदर्शन की तारीफ करता नजर आया।

दिल को गहरी चोट लगी

यह राष्ट्रपति और संविधान का अपमान

ममता सरकार पर बरसे पीएम मोदी, कहा-बंगाल की जनता सबक सिखाएगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 33500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। इस मौके पर पीएम मोदी ने टीएमसी सरकार और ममता बनर्जी पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का अपमान करने का आरोप लगाते हुए जमकर निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा- ये राष्ट्रपति के अपमान के साथ-साथ देश के संविधान का भी अपमान है। पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान के लिए एक राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगा। पीएम मोदी ने दुख प्रकट करते हुए जनता को संबोधित करते हुए कहा- दिल को गहरी चोट लगी है। आज भारत अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मना रहा है। कल पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने देश की राष्ट्रपति आदरणीय द्रौपदी मुर्मू जी का घोर अपमान किया है। द्रौपदी मुर्मू जी संथाल आदिवासी परगना के बहुत बड़े उत्सव में शामिल होने के लिए बंगाल गई थीं। लेकिन उस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आदिवासियों का गौरव करने के बजाय आदिवासियों और राष्ट्रपति का बहिष्कार किया। पीएम मोदी ने आगे कहा- संथाल आदिवासी समाज के लिए उन्होंने चिता की है।

पश्चिम बंगाल टीएमसी को माफ नहीं करेगा

मैं आज देश की राजधानी से आप सभी के बीच ये आह्वान कर रहा हूं कि एक आदिवासी राष्ट्रपति का घोर अपमान करने वाली टीएमसी की गंदी राजनीति और सत्ता का अहंकार बहुत ही जल्द चूर-चूर होकर रहेगा। पश्चिम बंगाल की जनता टीएमसी को एक नारी के अपमान के लिए एक राष्ट्रपति के अपमान के लिए कभी माफ नहीं करेगा। देश का आदिवासी समाज, नारी शक्ति उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। शनिवार को राष्ट्रपति मुर्मू ने बागडोगरा हवाई अड्डे के पास आदिवासी समुदाय के एक कार्यक्रम में कम लोगों की उपस्थिति पर निराशा व्यक्त की थी। इसके बाद बिधाननगर की जगह इस स्थान पर कार्यक्रम आयोजित करने के फैसले को लेकर सवाल उठाया। उन्होंने यह भी बताया कि उनके दौरे के दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके मंत्री उपस्थित नहीं थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पश्चिम बंगाल दौरे के दौरान हुई लापरवाहियों को लेकर विवाद के बीच,केंद्र सरकार ने रिपोर्ट मांगी है।

नीतिश के बेटे निशांत कुमार ने ली जेडीयू की सदस्यता

बोले- पापा ने 20 साल जो किया मैं उसे जन-जन तक पहुंचाऊंगा

पटना (एजेंसी)। निशांत कुमार ने जनता दल (यूनाइटेड) की सदस्यता ले ली है। पटना स्थित जेडीयू कार्यालय में निशांत कुमार ने जदयू की सदस्यता ली है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने निशांत कुमार को पार्टी की सदस्यता दिलाई है। सदस्यता ग्रहण करने के बाद निशांत कुमार ने वहां मौजूद जदयू कार्यकर्ताओं और नेताओं को संबोधित भी किया। निशांत ने कहा, 'मैं एक सक्रिय सदस्य के रूप में पार्टी का ख्याल रखने की कोशिश करूंगा। मेरे पिता ने राज्यसभा जाने का निर्णय लिया है और मैं उसका सम्मान करता हूं। जनता और पार्टी ने जो मुझ पर विश्वास किया है मैं उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। पापा ने जो 20 साल में किया उसे मैं जन-जन तक पहुंचाने की

कोशिश करूंगा। मेरा पिताजी ने जो किया है वो सभी को याद रहेगा।' निशांत कुमार ने अपने संबोधन में आगे कहा, 'निशांत कुमार ने सबसे अनुरोध किया गया मेरे पापा पर आप लोग अपना विश्वास कायम रखिएगा। मैं पार्टी को और मजबूती प्रदान करने की कोशिश करूंगा। मैं लोगों के हृदय में जगह बनाने का प्रयास करूंगा। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में काम करूंगा।

बिहार में जदयू कार्यकर्ता जश्न में डूबे

इससे पहले निशांत कुमार के जदयू में शामिल होने को लेकर पटना में काफी हलचल रही। सदस्यता ग्रहण का यह कार्यक्रम वैसे तो दोपहर में ही होना था लेकिन पटना स्थित जदयू कार्यालय के बाहर काफी पहले से ही कार्यकर्ताओं का जुटना शुरू हो गया था। निशांत कुमार के स्वागत में हाथी-ऊंट भी मौजूद थे। इसके अलावा पार्टी वर्कर वहां बैंड-बाजे के साथ पहुंचे थे।

ईरान में नए सुप्रीम लीडर का नाम फाइनल

- जल्द हो सकता है ऐलान, इजरायली आर्मी की धमकी- फिर मार डालेंगे

तेहरान (एजेंसी)। ईरान की सरकारी मीडिया ने बताया है कि देश के मौलवी और संबंधित कमेटी अगले सुप्रीम लीडर को चुनने के करीब पहुंच गई है। माना जा रहा है कि अगले एक से दो दिन में अयातुल्लाह खामेनेई की जगह लेने वाले चेहरे के नाम का ऐलान कर दिया जाएगा। नए लीडर के चुनने की चर्चा के बीच इजरायल ने एक बार फिर हमले की धमकी दी है। इजरायली मिलिट्री ने कहा है कि खामेनेई की तरह उनके वारिस को भी मार दिया जाएगा। मेहर न्यूज एजेंसी ने रविवार को असेंबली ऑफ एक्सपर्ट के सदस्य अयातुल्ला मोहम्मद मेहदी मीरबाकेरी के हवाले से बताया है कि ईरान के अगले सुप्रीम लीडर को चुनने वाली संस्था जल्दी ही अपना फैसला सुना सकती है। उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में असेंबली की आमने-सामने मीटिंग मुमकिन नहीं है। ऐसे में फाइनल वोटिंग में कुछ समय लग रहा है। ईरान में नया नेता चुने जाने की चर्चा के बीच इजरायली मिलिट्री ने चेतावनी दी है कि वह ईरान का अगला सुप्रीम लीडर बनने वाले व्यक्ति को मार डालेगी। आईडीएफ ने लिखा अली खामेनेई के बाद ईरानी शासन खुद को फिर से बनाने और नया नेता चुनने की कोशिश कर रहा है लेकिन कामयाब नहीं होने दिया जाएगा।

अमेरिका और इजरायल के ईरान में हमले

अमेरिका और इजरायल ने शनिवार सुबह से ईरान में हमले शुरू किए हैं। इन हमलों में ईरान में 1500 से ज्यादा लोग मारे गए हैं। इसमें एक गर्ल्स स्कूल पर हुए हमले में 165 बच्चियों की मौत भी शामिल है। अमेरिका ने तेहरान और दूसरे बड़े शहरों में लगातार सरकारी इमारतों और दूसरे रिहायशी इलाकों को भी निशाना बनाया है। अमेरिका और इजरायल के जॉइंट हमले के ईरान ने जवाबी कार्रवाई में मिसाइलों से हमले किए हैं।

ईरान में एक हफ्ते से बमबारी जारी

अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी को को ईरान पर हमला करते हुए देश के सुप्रीम लीडर, 86 साल के अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी थी। इसके बाद ईरान नए सुप्रीम लीडर को चुनने की प्रक्रिया में है। असेंबली ऑफ एक्सपर्ट को नया नेता चुनने है। वहीं इजरायल इस प्रक्रिया को रोकना चाहता है। इजरायल ने ईरान की असेंबली ऑफ एक्सपर्ट के दफ्तर को भी निशाना बनाया है, जो नया सुप्रीम लीडर चुनेगी। ईरान के 36 साल तक देश के सुप्रीम लीडर रहे अली खामेनेई का कोई तय वारिस नहीं था।

कांग्रेस को हरियाणा राज्यसभा चुनाव में भितरघात का डर

वोटिंग के दिन तक विधायक दूसरी स्टेट में शिफ्ट होंगे, हिमाचल फर्स्ट चॉइस

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी को हरियाणा में राज्यसभा की 2 सीटों के लिए होने वाले चुनाव में भितरघात का डर सता रहा है। दिल्ली में बैठे पार्टी के थिंक टैंक ने हालात को देखते हुए केंद्रीय नेतृत्व को सलाह दी है कि वोटिंग तक हरियाणा से कांग्रेस विधायकों को पार्टी शासित किसी दूसरे राज्य में शिफ्ट कर दिया जाए। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इसके बाद कई वरिष्ठ विधायकों से उनकी पसंद के राज्य के बारे में पूछा गया है। विधायकों ने हिमाचल प्रदेश को अपनी पहली पसंद बताया है। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला

आलाकमान ही लेगा। अगर कांग्रेस ने अपने विधायकों को स्टेट से बाहर शिफ्ट किया तो वह विधानसभा के मौजूदा बजट सेशन से एक-आध दिन दूर रह सकते हैं। हरियाणा से राज्यसभा की दोनों सीटों के लिए 16 मार्च को वोटिंग होगी। भाजपा ने संजय भाटिया और कांग्रेस ने कर्मवीर बौद्ध को अपना उम्मीदवार बनाया है जबकि भाजपा नेता सतीश नांदल ने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है।

क्रॉस वोटिंग पहली वजह

हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस के पास 37 विधायक हैं। कांग्रेस के उम्मीदवार कर्मवीर सिंह बौद्ध को जीतने के लिए 31 कोटा वोटों की जरूरत है। हालांकि निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर सतीश नांदल चुनाव लड़ रहे हैं और जिन्हें कथित तौर पर बीजेपी का समर्थन मिला हुआ है। नांदल क्रॉस वोटिंग पर निर्भर हैं। ऐसे में कांग्रेस नहीं चाहती कि चुनाव में ऐसी कोई संभावना बने। राज्यसभा चुनाव में ओपन वोटिंग होती है। इसका सीधा मतलब है कि विधायकों को क्रॉस वोटिंग करने पर विधानसभा से अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता।

संख्या बल होने के बावजूद हार का इतिहास

हरियाणा में 2022 में हुए राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के कारण कांग्रेस के अजय माकन की हार हुई थी। उस समय कांग्रेस ने दलबदल रोकने के लिए अपने विधायकों को छत्तीसगढ़ भेजा था। पार्टी ने आरोप लगाया था कि कुलदीप बिश्नोई ने क्रॉस वोटिंग की थी, जबकि एक अमान्य वोट किरण चौधरी से जुड़ा था। वहीं, 2016 के हरियाणा राज्यसभा चुनाव में स्याही कांड के दौरान एक झटका लगा था, जब अलग-अलग स्याही से चिह्नित 12 वोटों को अमान्य घोषित कर दिया गया था, जिसके बाद कांग्रेस समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार आरके आनंद हार गए थे। हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से गुटीय राजनीति की चर्चा रही है।

नजदीक होने के कारण हिमाचल पहली चॉइस

देश में कांग्रेस की 3 राज्यों में बहुमत वाली सरकारें हैं- हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना। हिमाचल के अधिकांश पर्यटक स्थल हरियाणा के काफी नजदीक हैं, इसलिए कम दूरी और आने-जाने में आसानी पहली पसंद है। वहीं, हरियाणा से कर्नाटक की दूरी 1918 किलोमीटर है, जहां सड़क मार्ग से पहुंचने में कम से कम 31 घंटे का समय लगेगा। तेलंगाना का भी यही हाल है। हरियाणा से तेलंगाना की दूरी 1,709 किलोमीटर है, और इस राज्य तक सड़क मार्ग से पहुंचने में करीब 28 घंटे लगेंगे।

देश में 33,577 बच्चे लापता वेस्ट बंगाल टॉप नंबर पर

सात राज्यों में बच्चों के गुम होने का कोई मामला ही नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में बच्चों के लापता होने के आंकड़े चिंताजनक हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की 'मिसिंग चिल्ड्रन' की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक 1 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच देश में कुल 33,577 बच्चे गायब हुए। इनमें से 7,777 बच्चे अब तक नहीं मिले। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे ज्यादा 19,145 बच्चे पश्चिम बंगाल में लापता हुए। इनमें से 15,465 बच्चों को ढूंढ लिया गया।

बेटियों के लौटने की राह देख रहा परिवार

सहेली के घर गई, फिर नहीं लौटी: अम्बाला की 14 वर्षीय लड़की 8 जनवरी को सहेली के घर जाने की बात कहकर निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। बस स्टैंड की सीसीटीवी फुटेज मिली, जिसमें वह जाती दिखी, पर आगे कोई सुराग नहीं मिला। नाराज होकर घर से निकली, अब तक लापता: अम्बाला कैंट में 5 फरवरी को लड़की परिवार से नाराज होकर घर से निकल गई और वापस नहीं लौटी। गुमशुदगी का केस है। पिता शहर में पर्चे बांटकर लोगों से जानकारी देने की अपील कर रहे हैं।

कर्तव्य पथ पर 'शक्ति वॉक' में शामिल हुईं मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कर्तव्य पथ पर शक्ति वॉक का आयोजन किया गया। इसमें केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी, केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल एवं सावित्री ठाकुर के साथ दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी भाग लिया। यह वॉक इंडिया गेट से शुरू होकर लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए विजय चौक पर संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन महिलाओं के सम्मान, नेतृत्व और उनके योगदान को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल है।मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भारत में नारी शक्ति केवल परिवार और समाज की धुरी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सशक्त भागीदार बनकर उभर रही है। आज महिलाएं देश के सर्वोच्च पदों पर नेतृत्व करते हुए विज्ञान, प्रशासन, उद्यमिता, शिक्षा, खेल और रक्षा जैसे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन महिलाओं की उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उन्हें अधिक अवसर, सुरक्षा और सम्मान देने का संकल्प लेने का भी समय है।इस प्रेरणादायक शक्ति वॉक में विभिन्न क्षेत्रों की लगभग 3000 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इसमें सेना, पुलिस, स्वास्थ्य सेवाओं, खेल जगत और सरकारी संस्थानों के साथ-साथ जमीनी स्तर पर कार्यरत आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही। यह वॉक 150 से अधिक मंत्रालयों, विभागों और संगठनों के महिला प्रतिनिधित्व का एक साझा मंच बनी।

कारोबारी के कैश कलेक्शन एजेंट से 45 लाख की लूट

-उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में शनिवार की शाम हुई वारदात

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके में शनिवार की देर शाम हथियारबंद बदमाशों ने कारोबारी के कैश कलेक्शन एजेंट से 45 लाख रुपये लूट लिए। विरोध करने पर आरोपियों ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन के बाद पीड़ित अविनाश (27) के बयान पर लूटपाट का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपियों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि आरोपी कारोबारी या अविनाश के जानकार हो सकते हैं। पुलिस कारोबारी के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है। जहां-जहां से अविनाश ने कैश जमा किया, पुलिस उन क्षेत्रों की सीसीटीवी फुटेज भी खंगाल रही है। आरोपियों की तलाश के लिए तीन टीमों का गठन किया गया है। उत्तर-पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि पुराने सीलमपुर निवासी अविनाश चांदनी चौक में एक स्क्रैप डीलर के पास कैश कलेक्शन एजेंट का काम करता है। शनिवार को उसने दिल्ली में कई जगहों से करीब 45 लाख रुपये जमा किए। शाम को स्कूटी पर सवार होकर वजीराबाद रोड होते हुए वह घर लौट रहा था। इस बीच वजीराबाद रोड पर एक्सिस बैंक एटीएम के पास दो बाइकों पर सवार चार बदमाशों ने उसे रोक लिया और पिस्टल दिखाकर रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। खबर मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस अविनाश का सीडीआर निकलवाकर मामले की छानबीन कर रही है। उसकी भूमिका की भी जांच की जा रही है।

अधिवक्ता पर फायरिंग के मुख्य आरोपी समेत तीन गिरफ्तार

-मध्य जिला के स्पेशल स्टाफ ने आरोपियों को दबोचा, एक विदेशी पिस्टल व आठ कारतूस बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के मयूर विहार इलाके में 24 जनवरी को अधिवक्ता पर गोली चलाकर हमले की गुत्थी मध्य जिला के स्पेशल स्टाफ ने सुलझा ली है। पुलिस ने मुख्य आरोपी समेत तीन को दबोचा है। इनकी पहचान सोहेब उर्फ अज्जू (23), मोहम्मद अनीस उर्फ सोनू (36) और मजीद (24) के रूप में हुई है। इनके पास से अवैध मेड इन इटली पिस्टल व आठ कारतूस के अलावा दो स्कूटी बरामद हुई हैं। सोहेब मयूर विहार थाने का घोषित बदमाश (बीसी) है। इसके खिलाफ लूटपाट, हत्या के प्रयास समेत सात मामले दर्ज हैं। सोहेब मुरादनगर के एचएलएम कॉलेज से ग्रेजुएशन कर चुका है। मध्य जिला के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि पांच मार्च को स्पेशल स्टाफ की टीम को खबर मिली कि फायरिंग का मुख्य आरोपी सोहेब देर रात को एमजी रोड, रोज गार्डन के साथियों के साथ आने वाला है। इसके बाद टीम को मौके पर भेजा गया। टीम ने गांधी स्मारक बस स्टैंड के पास घेराबंदी कर जाल बिछाया। रात करीब 11 बजे दो स्कूटी पर आरोपी पहुंचे, जिनमें से एक चोरी की पाई गई।

युवक को बचाने के दौरान अधिवक्ता पर हमला

पुलिस की पूछताछ में सोहेब ने बताया कि दोस्त आसिफ कालिया से उसने विदेशी पिस्टल खरीदी। 24 जनवरी को वह विशाल नामक युवक पर हमला के दौरान वहां से गुजर रहे अधिवक्ता नितिन हस्तीरिया ने उसे बचाने का प्रयास किया तो उसी पर गोली चला दी और साथियों संग फरार हो गया। इसके अलावा अनीस उर्फ सोनू के खिलाफ अलग-अलग थानों में चार मामले दर्ज हैं। मजीद के खिलाफ एक केस दर्ज है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी से हत्या के प्रयास के मामले के साथ सनलाइट कॉलोनी में चोरी की वारदात भी सुलझाई है। पुलिस पिस्टल दिलाने वाले आसिफ की तलाश कर रही है।

गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों से आम जनता परेशान : एम.एल. भास्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच रसोई गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी से आम जनता की परेशानियां बढ़ गई हैं। जहांगीरपुरी के सामाजिक कार्यकर्ता, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन आई एवं जे ब्लॉक के अध्यक्ष तथा जहांगीरपुरी ब्लॉक कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एम.एल. भास्कर ने गैस सिलेंडर की कीमतों में हुई बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। एम.एल. भास्कर ने कहा कि पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता के लिए रसोई गैस के बढ़ते दाम घर का बजट बिगाड़ रहे हैं। खासकर गृहिणियों के लिए रसोई चलाना दिन-प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि बढ़ती कीमतों का सीधा असर आम परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि रसोई गैस सिलेंडर पर दी जाने वाली सब्सिडी को तुरंत बहाल किया जाए और बढ़ी हुई कीमतों को कम किया जाए, ताकि आम लोगों को राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते सरकार ने गैस सिलेंडर के दामों को नियंत्रित नहीं किया तो इसका सीधा असर गरीब और मध्यम वर्ग के जीवन पर पड़ेगा। सरकार को जनता की समस्याओं को समझते हुए महंगाई पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। एम.एल. भास्कर ने कहा कि आम जनता को राहत देना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है और उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक निर्णय लेगी।

महिला अधिकारों की मांग को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला अधिकारों व सुरक्षा की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर रविवार को प्रदर्शन किया गया। ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक वीमन्स एसोसिएशन के बैनर तले अलग-अलग संगठनों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। प्रदर्शनकारियों ने मांग करते हुए कहा कि चार लेबर कोड को रद्द किया जाए। दिल्ली में लापता लड़कियों को वापस लाने के लिए विस्तृत जांच कमेटी गठित की जाए। साथ ही, महिलाओं को रोजगार के अवसर दिए जाएं। प्रदर्शन में शामिल रानी देवी ने कहा कि मौजूदा समय में भी महिलाओं को नौकरी में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

तीन सौ रुपये के विवाद में हुई हत्या मामले में आरोपी दोषी करार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कड़कड़डूमा कोर्ट ने 10 साल पुराने हत्या के एक मामले में आरोपी मोहम्मद सलमान को दोषी करार दिया है। अदालत ने पाया कि मात्र 300 रुपये की उधारी को लेकर हुए विवाद के बाद आरोपी ने युवक को गोली मारकर हत्या कर दी थी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश बबरू भान की अदालत ने कहा कि मामले में मौजूद गवाहों के बयान और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्य यह साबित करने के लिए पर्याप्त हैं कि हत्या आरोपी ने ही की थी। मामले के मुताबिक, मृतक विनोद कुमार की मां न्यू सीलमपुर में एक परचून की दुकान चलाती थीं। हत्या से तीन दिन पहले जब आरोपी सलमान दुकान पर आया, तो विनोद ने उससे पुराने उधार के 300 रुपये मांगे तथा बकाया न चुकाने तक और सामान देने से मना कर दिया। इस बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई और आरोपी ने विनोद को जान से मारने की धमकी दी थी। 17 नवंबर 2015 की रात करीब साढ़े नौ बजे न्यू सीलमपुर इलाके में विनोद अपने भाई कमल कुमार के साथ टहलने निकला था। जब वे दोनों ईडीएमसी प्राथमिक विद्यालय के पास पहुंचे तो वहां पहले से मौजूद आरोपी सलमान ने विनोद को रोक लिया। आरोपी ने विनोद को देखते ही कहा कि वह बार-बार उधार के पैसे मांगता है और आज उसका हिसाब चुकता कर देगा। इसके बाद उसने देसी पिस्टल से विनोद के सिर पर गोली चला दी और मौके से भाग गया। घायल विनोद को उसका भाई ई-रिक्शा से अस्पताल लेकर गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

'शोध पर आधारित है आचार्य द्विवेदी का साहित्य'

नई दिल्ली (एजेंसी)। आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का पूरा साहित्य और आलोचना शोध पर आधारित है। वे सदा ही अपने छात्रों को शोध की गहराई में उतरने के लिए प्रेरित करते थे। साहित्य अकादमी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुछ इसी प्रकार के विचार व्यक्त किए गए। इस मौके पर डॉ. चंदन तिवारी को प्रथम आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी शोध सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी ने कहा कि हजारी प्रसाद द्विवेदी का मानना था कि विषय में जितना डूबोगे उतने ही मोती पाओगे। आज अगर वे होते तो अपने इस बात पर जरूर प्रसन्नता होती कि उनके नाम पर ऐसे सम्मान की शुरुआत हुई है जो पूर्णतः शोध को समर्पित है।

महिला दिवस पर 2500 रुपये देने के वादे की दूसरी बरसी मनाई: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने महिलाओं को 2500 रुपये देने के वादे की दूसरी बरसी मनाई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी की सरकारों पर महिलाओं के साथ धोखा करने का आरोप लगाया।

देवेंद्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिल्ली विधानसभा चुनाव के दौरान 8 मार्च 2025 को सभी महिलाओं के खातों में 2500 रुपये देने का वादा किया था। उनका कहना था कि सरकार बनने के बाद पहली कैबिनेट बैठक में निर्णय लेकर महिला समृद्धि योजना के तहत यह राशि महिलाओं के खातों में जमा कराई जाएगी, लेकिन रेखा गुप्ता सरकार इस वादे को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने कहा कि इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस ने महिला दिवस पर इस वादे की दूसरी बरसी मनाकर सरकार को उसके वादे की याद दिलाई है। देवेंद्र यादव के अनुसार बजट में 5100 करोड़ रुपये का प्रावधान किए जाने के बावजूद अब तक महिलाओं को कोई आर्थिक सहायता नहीं दी गई है। देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली में चुनाव से पहले महिलाओं को 2100 रुपये देने की घोषणा की गई थी, लेकिन वह भी केवल चुनावी वादा बनकर रह गया। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में लंबे समय तक शासन करने के बावजूद महिलाओं को किसी प्रकार की आर्थिक सहायता नहीं दी।

उन्होंने कहा कि पंजाब में भी चुनाव से पहले महिलाओं को 1000 रुपये मासिक सहायता देने की घोषणा की गई है, जबकि राज्य के बजट में भारी राजस्व घाटा दिखाया गया है। उनके अनुसार पंजाब सरकार ने 2026-27 के बजट में 21,955 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा दर्शाया है और केंद्र से लगभग 39,952 करोड़ रुपये मिलने की उम्मीद जताई है।

देवेंद्र यादव ने सवाल उठाया कि जब राज्य की आर्थिक स्थिति कमजोर है तो पंजाब की एक करोड़ महिलाओं को मासिक सहायता राशि देने का वादा कैसे पूरा किया जाएगा। उन्होंने इसे आम आदमी पार्टी का चुनावी प्रपंच बताया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी दोनों ही दिल्ली और पंजाब की महिलाओं को केवल आश्वासन दे रही हैं, जबकि वास्तविक लाभ नहीं पहुंचा रही हैं। उनका कहना था कि दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ और मुफ्त गैस सिलेंडर देने का वादा भी अधूरा ही रह गया है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने दिल्ली में 11 वर्षों और पंजाब में चार वर्षों के शासन के दौरान महिलाओं को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता के रूप में कोई राशि नहीं दी। उन्होंने कहा कि महिलाओं से किए गए वादों को पूरा करने के बजाय दोनों सरकारें केवल राजनीतिक घोषणाएं कर रही हैं।

शिक्षा मंत्री ने महिला दिवस पर जायडस पिंकाथॉन को किया रवाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के शिक्षा और खेल मंत्री आशीष सूद ने रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित ज़ायडस पिंकाथॉन रन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर ज़ायडस फाउंडेशन की वाइस चेयरपर्सन मेहा पटेल, फिटनेस आइकन मिलिंद सोमन और अंकिता कोंवर भी उपस्थित रहे। इस दौड़ में 10,000 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य, फिटनेस तथा महिला सशक्तिकरण का सशक्त संदेश दिया।शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर इतनी बड़ी संख्या में महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग होकर दौड़ में भाग लेना अत्यंत प्रेरणादायक है। पिंकाथॉन केवल एक दौड़ नहीं बल्कि एक आंदोलन है, जो महिलाओं को अपनी शक्ति पर विश्वास करने, अपनी सीमाओं को चुनौती देने और स्वस्थ, सशक्त व आत्मविश्वासी जीवन जीने के लिए प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया मूवमेंट के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के नागरिकों को स्वस्थ और फिट रहने का जो संदेश दिया है, यह महिला दौड़ उसी सन्देश को और अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए आयोजित की गई है। इस प्रेरणादायक पहल के लिए उन्होंने मिलिंद सोमन और अंकिता कोंवर की सराहना की।

महिला दिवस पर HEE फाउंडेशन की विशेष पहल, झुग्गी बस्तियों में चलाया जागरूकता अभियान

नई दिल्ली (शिखर समाचार) अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर ही फाउंडेशन द्वारा दिल्ली एनसीआर क्षेत्र में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत झुग्गी झोपड़ियों, ट्रैफिक सिग्नलों और निर्माण स्थलों के आसपास रहने वाली महिलाओं और किशोरियों को मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता और सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं और बालिकाओं को सेनेटरी पैड वितरित किए गए। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि भविष्य में आवश्यकता पड़ने पर वे ही फाउंडेशन से संपर्क कर निःशुल्क सेनेटरी पैड और आवश्यक

जानकारी प्राप्त कर सकती हैं।
इस अभियान में आपकी अपनी पहचान भारतीय शक्ति संगठन और ऑरा आरिनी फाउंडेशन ने सहयोगी संस्था के रूप में भागीदारी की। कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य कर रहीं कई महिलाओं ने भी भाग लिया। इनमें सोनिका सिंह, प्रियंका चौहान, खुशबू झा, याशिका मित्तल और रेखा गुप्ता प्रमुख रूप से शामिल रहीं।
इस अवसर पर सभी महिलाओं को पौधे भेंट कर सम्मानित किया गया, ताकि समाज में उनके योगदान के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया जा सके।
कार्यक्रम के दौरान बालिकाओं को शिक्षा के महत्व के प्रति भी प्रेरित किया गया। फाउंडेशन का उद्देश्य समाज के वंचित वर्ग की महिलाओं और बेटियों को स्वास्थ्य, शिक्षा और स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाना है। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित यह अभियान न केवल जागरूकता फैलाने में सफल रहा, बल्कि जरूरतमंद महिलाओं तक आवश्यक संसाधन पहुंचाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। इस दौरान ही फाउंडेशन की टीम के सदस्य प्रखर वार्ष्णेय, ब्रह्मानंद झा, दुर्गा प्रसाद, प्रशांत यादव, विकास थापा और राहुल प्रकाश सहित अन्य सहयोगियों का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तरुण के दोषियों पर रूह कंपा देने वाली कार्रवाई हो : स्वाति मालीवाल

-स्वाति मालीवाल ने उत्तम नगर में मृतक तरुण के परिजनों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने रविवार को दिल्ली के उत्तम नगर में मृतक तरुण के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। मुलाकात के दौरान उन्होंने कहा कि इस मामले के दोषियों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई होनी चाहिए जिससे समाज में सख्त संदेश जाए। उन्होंने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और दिल दहला देने वाली है। स्वाति मालीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि होली के दिन बेरहमी से दरिंदों ने उनके घर के बच्चे को मार डाला। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार न्याय की मांग कर रहा है और उन्हें इंसाफ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि गुब्बारे के कुछ छींटे लगने जैसी मामूली बात को धार्मिक मुद्दा बनाकर तरुण और उसके परिवार पर बेरहमी से हमला किया गया। स्वाति मालीवाल ने कहा कि न्याय की इस लड़ाई में वह पीड़ित परिवार के साथ अंतिम दम तक खड़ी रहेंगी और दोषियों को कड़ी सजा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगी।

'आपदा सरकार ने रोका दिल्ली का विकास': मेट्रो परियोजनाओं के उद्घाटन पर प्रधानमंत्री का विपक्ष पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजधानी में विभिन्न विकास परियोजनाओं के उद्घाटन के अवसर पर दिल्ली में मेट्रो विस्तार और अन्य योजनाओं को लेकर पूर्व सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि पहले की ÷आपदा सरकार÷ के कारण दिल्ली के विकास कार्यों में बाधा आई, लेकिन अब डबल इंजन सरकार के चलते राजधानी में विकास को नई गति मिल रही है।

बुराड़ी में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एक वर्ष पहले दिल्ली की जनता ने नई उम्मीद और संकल्प के साथ सरकार को चुना था और अब उसका परिणाम विकास कार्यों के रूप में सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली का विकास केवल एक शहर का विकास नहीं बल्कि पूरे देश की छवि और आत्मविश्वास से जुड़ा हुआ है।

प्रधानमंत्री ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश की महिलाओं को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज भारत महिला सशक्तिकरण की नई गाथा लिख रहा है। उन्होंने कहा कि राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल और समाज सेवा सहित हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और यह देश के विकास का महत्वपूर्ण आधार बन रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजधानी में बेहतर कनेक्टिविटी और परिवहन व्यवस्था से दिल्ली की तस्वीर बदली है। उन्होंने बताया कि मेट्रो के चौथे चरण के विस्तार के बाद दिल्ली मेट्रो नेटवर्क लगभग 375 किलोमीटर तक पहुंच गया है, जिससे लाखों लोगों की यात्रा आसान हुई है। उन्होंने कहा कि इससे विशेष रूप से पूर्वी और उत्तरी दिल्ली के लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी, साथ ही नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद और गुरुग्राम जैसे एनसीआर क्षेत्रों से दिल्ली तक आवागमन भी सुगम होगा।

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि यदि पूर्व की सरकार विकास कार्यों में बाधा न डालती तो मेट्रो का चौथा चरण काफी पहले पूरा हो सकता था। उन्होंने कहा कि स्वार्थ और राजनीति के कारण दिल्ली की महत्वपूर्ण परियोजनाएं लंबे समय तक अटकी रहीं, लेकिन अब सरकार मिशन मोड में काम कर रही है।

उन्होंने दिल्ली में बस सेवा के विस्तार का भी उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी में लाखों लोग बसों से यात्रा करते हैं और बेहतर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई चार हजार से अधिक बसें सड़कों पर चल रही हैं और पिछले एक वर्ष में करीब 1800 नई बसें जोड़ी गई हैं। इसके साथ ही नई बस सेवा के माध्यम से विभिन्न कॉलोनियों को बेहतर ढंग से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि दिल्ली में यमुना की सफाई के लिए बड़े स्तर पर परियोजनाएं शुरू की गई हैं और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए भी काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अब कई आरोग्य केंद्र शुरू किए गए हैं और स्वास्थ्य सेवाओं को आम नागरिकों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम से पहले प्रधानमंत्री ने सरोजनी नगर स्थित नए सरकारी आवासों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये आवास उन सरकारी कर्मचारियों के लिए बनाए गए हैं जो देश की सेवा में निरंतर योगदान दे रहे हैं और उन्हें बेहतर सुविधाएं मिलना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार गरीबों, श्रमिकों और छोटे कारोबारियों को सशक्त बनाने के लिए भी काम कर रही है। उन्होंने बताया कि रेहड़ी-पटरी से जुड़े लोगों को अब बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर सस्ती ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उनका जीवन स्तर बेहतर हो रहा है।

गैस सिलेंडर की कीमत बढ़ने पर करोल बाग में कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 08 मार्च (वेब वार्ता)। रसोई गैस और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में करोल बाग में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र भास्कर के नेतृत्व में आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। महेंद्र भास्कर ने कहा कि मिडिल ईस्ट में चल रहे युद्ध के बीच गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोतरी से आम जनता की जेब पर बड़ा असर पड़ा है। उन्होंने बताया कि घरेलू गैस सिलेंडर के दाम में 60 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 115 रुपये की बढ़ोतरी की गई है, जिसकी नई दरें 7 मार्च से लागू हो गई हैं। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट पर भी नई कीमतें अपडेट कर दी गई हैं और अब उपभोक्ताओं को गैस सिलेंडर बढ़ी हुई कीमत पर ही मिलेगा। उन्होंने कहा कि पहले से ही बढ़ती महंगाई से गरीब और मध्यम वर्ग परेशान है, ऐसे में घरेलू गैस के दाम बढ़ाना जनता पर अतिरिक्त बोझ डालने जैसा है। महेंद्र भास्कर ने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों के दौरान भाजपा ने होली और दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर देने का वादा किया था, लेकिन अब कीमतें बढ़ाकर जनता को उल्टा झटका दिया गया है। उन्होंने बताया कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अनुसार दिल्ली में 14.2 किलोग्राम घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपये हो गई है। वहीं कोलकाता में इसकी कीमत 939 रुपये और चेन्नई में 928.50 रुपये है। इसके अलावा 19 किलोग्राम के कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 1883 रुपये, मुंबई में 1835 रुपये, कोलकाता में 1990 रुपये और चेन्नई में 2043.50 रुपये हो गई है। प्रदर्शन में संजय शर्मा, एडवोकेट ओंकार कुशवाहा, राहुल धानक, सुनील सेरसिया, नरेश शर्मा, भीमसेन बंदरवाल, भोपाल सिंह जाटव, जगदीश बड़सीवाल, दीवान चंद दीवान, हरीश दोतानिया, परमानंद जाजोरिया, नितिन माछलपुरिया, राजू छीलवाल, राजेंद्र फलवाडिया, जी.डी. सक्करवाल, लक्ष्मी पहलवान, रतुल शंकर, पृथ्वी बारोलिया, पुरुषोत्तम सिंह, गुलाब असवाल, कुलदीप सिंह, हीरालाल बैरवा, लक्ष्मी नारायण मनौलिया, राजेंद्र कुमार, अनु मनौलिया, उदय सिंह, महेश कनवारिया, दिलीप बनवासी, जसवीर सिंह चावला, नवीन कुरड़िया और कमल सोकरिया सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तम नगर हत्याकांड: एमसीडी ने आरोपी के घर का अवैध हिस्सा गिराया, छावनी में तब्दील रहा इलाका

-रविवार को एमसीडी और प्रशासन की टीम ने मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल उमरदीन के घर के अवैध हिस्से को गिरा दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन युवक तरुण की हत्या के बाद सरकार और प्रशासन ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। रविवार को दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और प्रशासन की टीम ने मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल उमरदीन के घर के अवैध हिस्से को गिरा दिया। यह कार्रवाई भारी पुलिस बल की मौजूदगी में की गई। इस दौरान पूरा इलाका छावनी में तब्दील रहा। घटना की जगह के अलावा आगे कई गली में बैरिकेडिंग की गई है और पुलिस बिना पूछे किसी को भी आने नहीं दे रही है। सुबह के समय एमसीडी की टीम बुलडोजर और अन्य मशीनों के साथ मौके पर पहुंची। इसके बाद अवैध निर्माण को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई।

मकान के अवैध हिस्से को गिराया

बुलडोजर और हथौड़ों की मदद से घर के उस हिस्से को गिराया गया, जिसे प्रशासन ने अवैध बताया। कार्रवाई के दौरान इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति पैदा न हो। इस दौरान पुलिस और प्रशासन के अधिकारी पूरे समय मौके पर मौजूद रहे। आसपास के लोगों की भीड़ जरूर लगी रही, लेकिन कहीं से कोई बड़ा विरोध या हंगामा सामने नहीं आया। प्रशासन का कहना है कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह कार्रवाई नियमों के तहत की गई है और आगे भी इस तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

जस्टिस फॉर तरुण हैशटैग हुआ ट्रेंड

सोशल मीडिया और आम चर्चा में भी इस कार्रवाई को लेकर लोगों की अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। इस दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर #जस्टिस फॉर तरुण हैशटैग ट्रेंड कर रहा है। कुछ लोगों ने कहा कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने वालों के खिलाफ इसी तरह की सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि अपराधियों में कानून का डर बना रहे। वहीं, कुछ लोगों ने कानून की निष्पक्षता को लेकर सवाल भी उठाए हैं। उनका कहना है कि ऐसी कार्रवाई हर मामले में समान रूप से होनी चाहिए, ताकि कानून सबके लिए बराबर दिखाई दे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, कानून व्यवस्था बनाए रखने और अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है।

रविवार को भी दिखा तनावपूर्ण माहौल

पश्चिमी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 26 वर्षीय युवक तरुण की हत्या में घटना की नई जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह घटना होली के गुब्बारे से शुरू हुए विवाद के बाद हुई, लेकिन इसके पीछे पुरानी रंजिश भी। लोगों ने बताया कि होली के दिन एक छोटी बच्ची ने छत से रंग भरा गुब्बारा फेंका था, जो फटकर एक महिला पर रंग पड़ गया। इसके बाद दोनों परिवारों के बीच कहासुनी हुई।

पड़ोसियों का कहना है कि परिवार की ओर से तुरंत माफी भी मांग ली गई थी। रविवार को भी घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल दिखा। हालांकि, पुलिस की मौजूदगी के कारण स्थिति नियंत्रण में दिखी। आसपास के लोग सतर्क हैं और पुलिस लगातार निगरानी कर रही है। कई जगहों पर बैरिकेडिंग की गई है और पुलिस लगातार गश्त कर रही है। डर के माहौल के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं और बाजार भी ज्यादातर बंद हैं। इसके अलावा, रेहड़ी-पटरी भी नहीं दिखी।

लोगों ने की सख्त कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों के अनुसार, तरुण निर्दोष था और उसे छोटी सी बात पर मार दिया गया। कई लोगों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। कुछ लोगों का कहना है कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, ताकि भविष्य में कोई इस तरह की घटना करने की हिम्मत न करे। वहीं, नगर निगम की तरफ से आरोपी के घर पर की गई बुलडोजर कार्रवाई को लेकर भी लोगों की अलग-अलग राय सामने आई है। कुछ लोगों ने इस कार्रवाई का समर्थन किया, जबकि कुछ ने कहा कि कानून सभी के लिए समान होना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने दिए थे दोषियों पर सख्त

कार्रवाई के निर्देश

इससे पहले मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार देर रात को उत्तम नगर में होली के दिन युवक तरुण की हत्या के मामले पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को बेहद दर्दनाक और निंदनीय बताते हुए कहा कि इस तरह की हिंसक घटनाओं के लिए दिल्ली में बिल्कुल भी सहनशीलता नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि इस मामले में शामिल सभी आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए। साथ ही, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कार्रवाई का किया स्वागत

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने उत्तम नगर में होली के दिन हुई हिंसा और हत्या की घटना की कड़ी निंदा की है। उन्होंने दिल्ली पुलिस और नगर निगम की तरफ से आरोपियों के अवैध रूप से बने मकान को तोड़े जाने का स्वागत किया।

संपत्तिकर वसूली : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने टीम के साथ की बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने शहर के विकास को रफ्तार देने के लिए हाउस टैक्स वसूली की रफ्तार बढ़ाने के लिए अधिकारियों तथा टीम के साथ बैठक की। उन्होंने किसी भी प्रकार की लापरवाही मिलने, हाउस टैक्स के जारी बिलों में अनावश्यक छेड़छाड़ की शिकायत और साक्ष्य मिलने पर सीधा दोषी के विरुद्ध एफआईआर कराई जाने के आदेश दिए। अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को प्रतिदिन टैक्स विभाग की समीक्षा बैठक करने तथा

मॉनिटरिंग बढ़ाने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने उपस्थित टीम को सदन में करदाताओं के लिए हाउस टैक्स पर दी गई छूट की जानकारी

देकर जागरूक करने के निर्देश दिए। समस्त जोनल प्रभारी अपने-अपने जोन के करदाताओं को हाउस टैक्स पर मिलने वाली 77%से 92% की छूट को लेकर जागरूक करें। 12% ब्याज वित्तीय वर्ष 2025--26 के बाद अब 1 अप्रैल 2026 से प्रारंभ होगी, उससे बचने के लिए करदाताओं से जमा करने की अपील की जा रही है। टैक्स विभाग 32000 कमर्शियल भवन, 66 सरकारी संपत्ति, 248000 आवासीय भवन हाई राइज के 43000 फ्लैट को टारगेट करेगा, जिससे हॉउस टैक्स जमा करवाते हुए निगम की आया बढ़ाई जाए और तेजी के साथ शहर के विकास कार्यों को किया जाये।

संगठन विस्तार व पंचायत चुनाव को लेकर आप की बैठक

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। आम आदमी पार्टी की बैठक में संगठन के विस्तार तथा आगामी पंचायत चुनावों की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं गोकुलपुरी, दिल्ली के विधायक चौधरी सुरेंद्र कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा कि वे घर घर जाकर आम आदमी पार्टी की नीतियों और कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंचाएं तथा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूत बनाकर ही पंचायत चुनाव में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकता है। इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को सक्रिय होकर जनता के बीच जाना होगा और पार्टी की जनहितकारी नीतियों को लोगों तक पहुंचाना होगा। बैठक के दौरान कई नए लोगों ने भी

आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर सदस्यता लेने वाले शिवा सिंहल ने कहा कि वह पार्टी की नीतियों से प्रभावित होकर आम आदमी पार्टी में शामिल हुए हैं और आगे भी पूरी निष्ठा के साथ पार्टी की विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करेंगे।

बैठक के अंत में पार्टी के मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष अरविंद बालियान तथा उपाध्यक्ष कुलदीप तोमर ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया और विश्वास दिलाया कि कार्यकर्ता संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।

नारी शक्ति के सम्मान से ही समृद्ध समाज का निर्माण संभव : जिलाधिकारी जसजीत कौर

बिजनौर (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विकास भवन परिसर में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया तथा महिला सशक्तीकरण के लिए संचालित सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने अपने संबोधन में कहा कि नारी शक्ति के सम्मान और सशक्तिकरण से ही एक समृद्ध और विकसित समाज का निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, स्वास्थ्य, विज्ञान, खेल सहित प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने कार्यक्रम के दौरान महिलाओं को उनके कानूनी

अधिकारों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। साथ ही महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 और 112 के बारे में भी अवगत कराया, ताकि आवश्यकता पड़ने पर महिलाएं इन सेवाओं का लाभ उठा सकें। कार्यक्रम में जनपद की 10 प्रेरणादायी महिलाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने गरीबी और विभिन्न कठिनाइयों का सामना करते हुए अपने परिवार का सफलतापूर्वक पालन पोषण किया और समाज के लिए प्रेरणा बनीं। इसके अतिरिक्त पुलिस, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, चिकित्सा विभाग और एकीकृत बाल विकास सेवा सहित विभिन्न विभागों की दो दो महिला कर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को लैपटॉप वितरित किए गए, जबकि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को प्रोत्साहन स्वरूप ट्रैक सूट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस : गाजियाबाद में तैनात सशक्तिकरण की मिसाल महिला अधिकारियों ने दिया सफलता का गुरुमंत्र

प्रियाश्री पाल, एसीपी वेव सिटी, गाजियाबाद

कनिका कौशिक, ओएसडी, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण

उपासना पाण्डेय, एसीपी कोतवाली नगर, गाजियाबाद

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर गाजियाबाद में जगह-जगह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं और छात्राओं को सशक्त बनने के लिए जागरूक किया गया। इन आयोजित कार्यक्रमों में गाजियाबाद में तैनात महिला सशक्तिकरण की पहचान बनी हुई महिला अधिकारियों ने सफलता का गुरु मंत्र सबको दिया। इस दौरान उन्होंने सभी को सबसे पहले मिशन शक्ति अभियान के बारे में बताया। वहीं उन सभी को समझाया गया कि कैसे मिशन शक्ति अभियान के तहत महिला अपने आप को सुरक्षित कर सकती है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करना है। इसके अलावा इस अभियान के तहत महिलाओं को उनके अधिकारों के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। उन्हें समझाया जा रहा है कि कैसे वह अपने साथ हो रहे अत्याचार के खिलाफ आवाज उठा सकती हैं। अगर उनके साथ कोई घटना होती है तो वह तुरंत पुलिस को इस बारे में अवगत करवा सकती हैं। इसके लिए वह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जारी किए गए हेल्पलाइन नंबर या संबंधित किसी भी थाने पर बनी महिला हेल्प टैक्स पर संपर्क कर सकती है। अधिकारियों ने उन्हें सरकारी योजनाओं से लेकर सरकार द्वारा उनके लिए किया जा रहे कार्यों से अवगत कराया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दुग्ध व्यवसाय से जुड़ी महिलाओं का सम्मान

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हेरिटेज फूड लिमिटेड के खतौली स्थित दुग्ध अवशीतन केंद्र पर ग्रामीण क्षेत्र में दुग्ध व्यवसाय से जुड़ी महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हेरिटेज फूड लिमिटेड की उपाध्यक्ष व प्रबंध निदेशिका नारा अवनेश्वरी तथा कार्यकारी निदेशिका नारा ब्राह्मणी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कौमी एकता कमेटी के अध्यक्ष अशोक शर्मा और संरक्षक सत्येंद्र आर्य उपस्थित रहे। उन्होंने महिलाओं को सम्मानित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में दुग्ध व्यवसाय को आगे बढ़ाने में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। महिलाओं की मेहनत और लगन से न केवल परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है, बल्कि समाज के विकास में भी उनका योगदान अहम रहता है।

उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में इस प्रकार के आयोजन प्रेरणादायक हैं और इससे ग्रामीण महिलाओं को आगे बढ़ने की नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष शर्मा (जोन हेड), अनुराग मिश्रा (प्लांट इंचार्ज), देवेश शर्मा, उमेश कौशिक, अंकित शर्मा, प्रतीक मिश्रा, सुशील कुमार, अर्जुन सिंह, परवेश कुमार, पंकज कुमार, राहुल कुमार, संदीप, रमाकांत और हरिओम सहित अन्य सहयोगियों का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्र से दुग्ध व्यवसाय से जुड़े बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे और सभी ने महिला सशक्तिकरण के इस प्रयास की सराहना की।

मेरा युवा भारत, गाजियाबाद ने मनाया भव्य अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत गाजियाबाद द्वारा राम चमेली चड्ढा विश्वास गर्ल्स डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. वीना दलानिया के संबोधन से हुआ।

इस अवसर पर कार्यक्रम की पृष्ठभूमि एवं इतिहास पर प्रकाश डालते हुए उपनिदेशक देवेंद्र कुमार ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को इसलिए मनाया जाता है, क्योंकि 8 मार्च 1917 को रूस की महिलाओं ने रोटी और शांति की मांग करते हुए ऐतिहासिक हड़ताल की थी। यह दिन नारी अधिकारों, समानता तथा उनके सामाजिक आर्थिक योगदान के सम्मान और सशक्तिकरण का वैश्विक प्रतीक बन गया, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने वर्ष 1975 में आधिकारिक मान्यता प्रदान की।

उन्होंने कहा कि यह दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि महिलाओं के संघर्ष, उनकी उपलब्धियों तथा समाज के विभिन्न क्षेत्रों सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक में उनके योगदान को पहचानने का भी दिन है। साथ ही यह लैंगिक भेदभाव, असमानता और हिंसा जैसी समस्याओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच भी है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं एवं महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, आत्मनिर्भर बनने तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के अंतर्गत छात्राओं के लिए आधुनिक समाज में महिला सुरक्षा एवं

अधिकार विषय पर भाषण प्रतियोगिता तथा पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिताओं का मूल्यांकन डॉ. वीना दलानिया (विभागाध्यक्ष, बी.एड.), डॉ. नीलम श्रीवास्तव (उपविभागाध्यक्ष, बी.एड.) तथा राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी पल्लवी शर्मा ने किया।

भाषण प्रतियोगिता में कनिष्का शर्मा ने प्रथम, सोफिया सैफी ने द्वितीय तथा अक्षी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में तनिष्का प्रथम, नश्रा एवं मानशा द्वितीय तथा हिया चड्ढा तृतीय स्थान पर रहीं।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों और विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र, स्मृति चिन्ह और मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही प्रतिभागियों के उत्साह और रचनात्मकता की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी गई। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी पल्लवी शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में जागरूकता, आत्मविश्वास और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीलम श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में डॉ. रेखा, तुषार वर्मा तथा प्रकाश तिवारी का विशेष सहयोग रहा।

होली के दिन विजय हत्याकांड का खुलासा : पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा, अवैध असलहा और बाइक बरामद

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के ग्राम पूठ में होली के दिन विजय की गोली मारकर की गई हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने हत्या की इस घटना में शामिल एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के कब्जे से अवैध असलहा तथा घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है।

सीओ गढ़मुक्तेश्वर स्तुति सिंह ने बताया कि अपराध की रोकथाम और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बहादुरगढ़ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए हत्या के आरोपी को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आयुष पुत्र प्रेमचंद निवासी ग्राम आलमनगर, थाना बहादुरगढ़ जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से अवैध असलहा और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। गिरफ्तारी और बरामदगी के संबंध में थाना बहादुरगढ़ पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक धीरज मलिक, उपनिरीक्षक सचिन कुमार, उपनिरीक्षक विनय बंसल सहित थाना बहादुरगढ़ के अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे।

बच्चों के झगड़े की वायरल वीडियो बनी चर्चा का विषय, पुलिस जांच में जुटी

बिजनौर (शिखर समाचार)। बढ़ापुर कस्बे के एक मोहल्ले में बच्चों के बीच हुआ झगड़ा इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। झगड़े का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वायरल वीडियो में दो बालक आपस में झगड़ते दिखाई दे रहे हैं, इसी दौरान वहां खड़ा एक अन्य बालक भी उनकी चपेट में आकर घायल हो गया। घायल बालक के परिजनों ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। बताया जा रहा है कि बच्चों के झगड़े की यह वायरल वीडियो शनिवार शाम की है। वीडियो में दो बालक आपस में मारपीट करते नजर आ रहे हैं,

वहीं एक व्यक्ति भी झगड़े में मारपीट करता दिखाई दे रहा है। इसी दौरान मोहल्ला लाल सराय निवासी दस वर्षीय मोहम्मद शाद वहां खड़ा होकर झगड़ा देख रहा था। झगड़े के दौरान वह भी चपेट में आकर घायल हो गया। घायल बालक के पिता वसीम ने आरोपियों के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी निरीक्षक सर्वेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

चेयरमैन फैसल वारसी को धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, सोशल मीडिया पर की थी अभद्र टिप्पणी

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष फैसल वारसी को सोशल मीडिया पर गाली गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बीती 28 फरवरी को नगर पालिका अध्यक्ष फैसल वारसी ने पुलिस को तहरीर देकर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि एक व्यक्ति सोशल मीडिया के माध्यम से उनके खिलाफ अभद्र और आपत्तिजनक

टिप्पणियां कर रहा है। आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने न केवल गाली गलौज की, बल्कि उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी, जिससे क्षेत्र में रोष का माहौल बन गया था। थाना स्योहारा पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सर्विलांस और मुखबिर की मदद से आरोपी की तलाश शुरू की। रविवार को पुलिस ने मोहल्ला मिल्कियान, कस्बा स्योहारा निवासी सानू पुत्र सालवा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है। थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि सोशल मीडिया पर किसी भी जनप्रतिनिधि या आम नागरिक के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने और सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। पकड़े गए आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

शॉर्ट सर्किट से मारुति वैन बनी आग का गोला, मोहल्ले में मची अफरा तफरी

बिजनौर (शिखर समाचार)। स्योहारा कस्बे के मोहल्ला बसंतगढ़ में रविवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब मरम्मत के दौरान एक मारुति वैन में अचानक भीषण आग लग गई। गनीमत रही कि हादसे के समय आसपास मौजूद लोग बाल बाल बच गए और किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। मरम्मत के दौरान हुआ हादसा जानकारी के अनुसार मोहल्ला बसंतगढ़ में खड़ी एक मारुति वैन में एलजी के उपकरणों की मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान वाहन के विद्युत तंत्र में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। देखते ही देखते वैन के इंजन और केबिन से काला धुआं निकलने लगा और कुछ ही क्षणों में आग की लपटें उठने लगीं।

आग की लपटें देखते ही इलाके में अफरा तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पानी और मिट्टी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन तब तक वाहन का बड़ा हिस्सा जलकर क्षतिग्रस्त हो चुका था। घटना के बाद मौके पर काफी लोगों की भीड़ जुट गई। समय रहते आग पर काबू पा लेने से आसपास खड़े अन्य वाहनों और मकानों को नुकसान होने से बचा लिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि आग थोड़ी देर और भड़क जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

लखनऊ के आई .जी .पी में पिंक रोजगार महाकुंभ

सीएम योगी ने बच्चों को टेडी बियर दिया, युवती से बोले- पढ़ाई करो; कामयाब बनो

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में महिला दिवस पर पिंक रोजगार महाकुंभ लगा है। सीएम योगी आदित्यनाथ कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे हैं। योगी ने रोजगार के लिए पहुंची युवतियों से बात की। इसके साथ ही स्टॉल लगाने वाली कंपनियों से भी रोजगार के बारे में जानकारी ली। सीएम ने इंटरव्यू दे रही एक युवती से बात करते हुए कहा- पढ़ो लिखो और कामयाब बनो। उन्होंने स्टॉल का विजिट किया। एक बच्चे को टैडी वियर और चॉकलेट भी दी। इस दौरान योजना के लाभार्थियों को सीएम ने सम्मानित किया।

पिंक रोजगार महाकुंभ 2026 में 5000 महिलाओं को रोजगार के ऑफर, रोजगार उपलब्ध कराने वाले प्लेटफॉर्म रोजगार संगम पोर्टल के मोबाइल ऐप की

लॉन्चिंग, 94 नव-नियुक्त मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्रों का वितरण, उत्कृष्ट महिला कार्मिकों और मेधावी बालिकाओं का सम्मान और नारी शक्ति अवॉर्ड, कन्या सुमंगला योजना की लाभार्थी बालिकाओं को चेक वितरण किया जाएगा। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के बीमा प्रीमियम और साड़ी वर्दी के लिए ₹3,849 लाख की धनराशि का डीबीटी के माध्यम से दिया गया।

राज्य मंत्री बाल विकास महिला कल्याण पुष्टाहार प्रतिभा शुक्ला ने कहा- यूपी सरकार महिलाओं को सशक्त बना रही। समृद्धशाली बना रही। रोजगार के साथ में जोड़ रही है। अब हमारी बहने कह रही हैं कि अब हम चौके से चौपाल पर आ गई हैं। कार्यक्रम में राज्य ाहिला आयोग की अध्यक्ष बबीता चौहान, उपाध्यक्ष अपर्णा यादव सहित अन्य लोग भी मौजूद रहे।

ऊंचागांव की डॉ. अर्चना प्रिय आर्य बनीं प्रेरणा :बिखरते परिवारों, नशे में फंसे युवाओं को दे रहीं नई राह

कजरौठी(सादाबाद)/हाथरस (एजेंसी) हाथरसअंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज हम एक ऐसी महिला की बात कर रहे जो लाखों लोगों के जीवन के लिए समर्पित है। ऊंचागांव की डॉ. अर्चना प्रिय आर्य आधुनिकता के दौर में समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रही हैं। वह हजारों महिलाओं और लड़कियों के लिए प्रेरणा स्रोत बन गई हैं, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना चाहती हैं। उन्होंने 'संस्कार जागृति मिशन' की स्थापना की है। डॉ. अर्चना के इस सफर की शुरूआत समाज में बढ़ते कुसंस्कारों, बिखरते परिवारों, नशे की गिरफ्त में फंसते बचपन और अपनों से दूर होते बुजुर्गों की पीड़ा से हुई। उन्होंने इन समस्याओं का समाधान 'संस्कारों की पुनस्थापना' में देखा। इसी संकल्प के साथ उन्होंने सनातन वैदिक संस्कृति को घर-घर पहुंचाने का अभियान शुरू किया। संस्कारों के प्रति यह प्रेम डॉ. अर्चना को विरासत में मिला। वह बताती हैं कि लगभग 28 वर्ष पूर्व उनके पैतृक गांव ऊंचागांव में आर्य समाज का एक कार्यक्रम हुआ था। वहां आए विद्वानों की वाणी ने उनके बाल मन पर गहरा प्रभाव डाला। अपने पिता आचार्य सत्यप्रिय आर्य प्रधान और माता सरोज रानी आर्य के मार्गदर्शन में, उन्होंने मात्र 10 वर्ष की आयु से ही महर्षि दयानंद सरस्वती की विचारधारा और वैदिक संस्कृति का प्रचार-प्रसार शुरू कर दिया था। डॉ. अर्चना ने इस अभियान को केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि बौद्धिक स्तर पर भी मजबूत किया। उन्होंने तीन वर्षों तक संस्कारों के महत्व और उनके सामाजिक प्रभावों पर गहन शोध किया। आज जब वह मंच से भाषण देती हैं, तो श्रोता प्रभावित होकर अपने परिवारों में वैदिक संस्कारों को पुनः अपनाने का संकल्प लेते हैं। डॉ. अर्चना प्रिय आर्य का मानना है कि संस्कारों के अभाव में कोई भी समाज प्रगति नहीं कर सकता। उनकी इस मुहिम का असर है कि बड़ी संख्या में युवतियां उनके साथ जुड़कर जन-जागरण के कार्य को आगे बढ़ा रही हैं।उनका जीवन यह संदेश देता है कि एक दृढ़ निश्चयी महिला न केवल अपना भविष्य संवार सकती है, बल्कि पूरे समाज की दिशा भी बदल सकती है।

यूजीसी के विरोध में दिल्ली पहुंचे सवर्ण समाज के लोग

आगरा(एजेंसी)। यूजीसी के नए कानून के विरोध में सवर्ण समाज के लोग दिल्ली में होने वाले विरोध प्रदर्शन के लिए बड़ी संख्या में आगरा से रवाना हुए। सिकंदरा से एक साथ बस और वाहनों के माध्यम से लोग राजधानी दिल्ली पहुंचे। इस बीच, ब्राह्मण समाज के नेता पं. मदन मोहन शर्मा को पुलिस ने घर में नजरबंद कर लिया।उन्हें और उनके समर्थकों को दिल्ली जाने से रोका।यूजीसी के नए कानून के विरोध में लंबे समय से सवर्ण समाज विरोध प्रदर्शन कर रहा है। 8 मार्च को दिल्ली में विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया गया था। इसको लेकर आगरा से बड़ी संख्या में लोगों को दिल्ली जाना था। रविवार सुबह अलग-अलग ग्रुप में लोग दिल्ली पहुंचे। सिकंदरा चौराहे से पं. यतीश लवानियां और उनके साथी दिल्ली पहुंचे। उन्होंने यूजीसी रोल बैक के नारे लगाए। वहीं, मदन मोहन शर्मा को पुलिस ने घर में नजर बंद कर दिया। इससे पहले आगरा में भी यूजीसी के नए कानून के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। अधिवक्ता और ब्राह्मण समाज के लोग सड़कों पर उतर आए थे। इस प्रदर्शन में कुछ लोग अर्द्धनग्न होकर विरोध जताने तक पहुंचे थे। प्रदर्शनकारियों ने विभिन्न नारे लगाए और नए नियमों के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई थी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सशक्तिकरण रैली

हाथरस में सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन का संदेश दिया

हाथरस (एजेंसी) अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान तथा स्वावलंबन के प्रति जन-जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आज एक महिला सशक्तिकरण रैली का आयोजन किया गया। यह रैली जनपद में निकाली गई। इस रैली में अपर पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा, क्षेत्राधिकारी नगर योगेन्द्र कृष्ण नारायण, प्रभारी महिला थाना और सभी थानों की महिला बीट आरक्षी ने भाग लिया। विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने भी इसमें उत्साहपूर्वक शिरकत की। रैली महिला थाना से प्रारंभ होकर शहीद स्मारक तक निकाली गई। कार्यक्रम का शुभारंभ महिला थाना परिसर से किया गया। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने छात्राओं और महिला पुलिस कर्मियों को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और आत्मनिर्भरता के विषय में भी जागरूक किया। इसके पश्चात महिला पुलिस कर्मियों और छात्राओं ने हाथों में बैनर एवं तख्तियां लेकर महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण से संबंधित नारों के साथ रैली निकाली। रास्ते में उपस्थित आमजन ने भी इस पहल का स्वागत करते हुए सराहना की। रैली के दौरान महिला पुलिस कर्मियों द्वारा छात्राओं एवं आमजन को महिलाओं की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी भी दी गई। छात्राओं को यह भी बताया गया कि यदि उन्हें किसी भी प्रकार की छेड़छाड़, उत्पीड़न, साइबर अपराध या घरेलू हिंसा जैसी घटनाओं का सामना करना पड़े, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस प्रशासन महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है तथा उनके अधिकारों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।शहीदों को दी श्रद्धांजलि शहीद स्मारक पहुंचने के बाद सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्र के वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके उपरांत महिला पुलिस कर्मियों एवं छात्राओं द्वारा श्रमदान कर परिसर की साफ-सफाई भी की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी गणमान्य नागरिकों ने महिला सशक्तिकरण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

थानाभवन पुलिस पर भ्रष्टाचार, मारपीट के गंभीर आरोप

शामली(एजेंसी) जिले के थानाभवन थाना क्षेत्र में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। कादरगढ़ चौकी और थानाभवन थाना अध्यक्ष पर भ्रष्टाचार, मनमानी और पीड़ितों से दुर्व्यवहार के आरोप लगने के बाद क्षेत्र में आक्रोश और चर्चा तेज है। लगातार सामने आ रहे मामलों ने मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति को लेकर भी स्थानीय स्तर पर बहस छेड़ दी है। पीड़ितों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद मुकदमा दर्ज करने में टालमटोल की जाती है और आरोपियों को संरक्षण दिया जाता है। सबसे पहले मामला कादरगढ़ चौकी क्षेत्र से सामने आया, जहां चौकी इंचार्ज दीपचंद पर एक परिवार ने गंभीर आरोप लगाए। पीड़ित परिवार का कहना है कि कथित रूप से रुपए की मांग पूरी न होने पर पुलिसकर्मी उनके घर में घुसे, मारपीट की और झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई।

'बहन समझाती थी- इश्क में पागल मत हो, करियर बना'

मुरादाबाद में जिसके लिए बहन को 84 चाकू मारे, वो सिर्फ ऑनलाइन मोहब्बत थी

मुरादाबाद (एजेंसी)। इंजीनियर बहन को चाकू से 84 वार करके मौत के घाट उतारने वाला इंजीनियर भाई हार्दिक जेल में पहुंच गया है। पुलिस पूछताछ में वो बहकी-बहकी बातें करता रहा है। बोला- मेरी मुस्लिम प्रेमिका को उसके घर वाले टॉर्चर करते थे। मेरी वजह से उसकी जिंदगी बर्बाद हो गई। हैरानी की बात ये है कि जिस प्रेमिका के लिए हार्दिक (25) ने अपनी जुड़वा बहन हिमशिखा (25) की बेरहमी से हत्या की और मां पर जानलेवा हमला किया, उससे वो कभी मिला तक नहीं था। ये सिर्फ उसका ऑनलाइन इश्क था। इंस्टाग्राम पर ही उसकी प्रेमिका से बातचीत होती थी। पुलिस की अब तक की जांच में यह बात सामने आई है कि हार्दिक अपनी इस ऑनलाइन प्रेमिका से शादी करना चाहता था। लेकिन, बहन और मां सलाह देती थीं कि इश्क में पागल मत हो, ये उम्र करियर बनाने की है। इस बीच, प्रेमिका को भी उसके घर वाले परेशान करने लगे। वो अक्सर उससे मारपीट करने लगे। प्रेमिका कौन है? पुलिस इस बारे में पता लगा रही है। रढ सिटी रणविजय सिंह ने बताया- हार्दिक की गिरफ्तारी के बाद उससे कई राउंड में पूछताछ कर हत्या का कारण समझने की कोशिश की गई। लेकिन, उसकी हरकतें साइको जैसी नजर आईं। पूछा कि तुमने बहन को क्यों मारा तो बोला- वो मेरी पर्सनल लाइफ को कंट्रोल करना चाहती थी। मुझे बार-बार लड़की का चक्कर छोड़कर करियर पर फोकस करने की सलाह देती थी। मैंने उसे कई बार समझाया कि वो मुझे मेरे हाल पर छोड़ दे, लेकिन वो मानती ही नहीं थी। बहन बार-बार कहती थी कि तू एक लड़की

नीलिमा
घायल मां

हिमशिखा
मृतक बेटी

हार्दिक, बहन का हत्यारोपी

के चक्कर में क्या से क्या हो गया है। जॉब तक छोड़ दी है और सिर्फ हर टाइम उसी के चक्कर में पड़ा रहता है। बहन की सलाहों और तानों से आजिज आकर उसे मार डाला। जब उससे पूछा गया कि तुमने अपनी मां को क्यों मारना चाहा? तो हार्दिक का कहना था कि मैंने सोचा था कि बहन को मारकर मैं तो जेल चला जाऊंगा। मां अकेली रह जाएगी। ऐसे में वो परेशान होगी। इसलिए मैंने सोचा कि मां को भी मार देता हूं। सब्जी काटने के चाकू से किया कत्ल हार्दिक ने सब्जी काटने वाले चाकू से बहन का कत्ल किया था। पूछताछ के बाद पुलिस ने चाकू बरामद किया। बाद में उसे कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इस बीच बहन की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट सामने आई। हिमशिखा के शरीर पर कुल 84 जख्म मिले। हार्ट, लीवर, किडनी और पसलियां सब छलनी हो चुके थे। गर्दन पर भी चाकू के 4 वार मिले हैं। यहां तक कि उसके हाथ-पैर, कंधे और चेहरे तक पर चाकू के घाव थे। हार्दिक ने अपनी सगी और जुड़वा बहन हिमशिखा को इस कदर बेरहमी और नृशसंता से कत्ल किया था कि पोस्टमॉर्टम करने वाली टीम भी हैरान थी। पोस्टमॉर्टम के बाद हिमशिखा की डेडबॉडी का अंतिम संस्कार उसके मामा दीपू ने किया। पुलिस ने बदायूं सूचना भिजवाकर रिश्तेदारों को बुलवाया था। मां के अस्पताल में भर्ती होने की वजह से वो अपनी बेटी को आखिरी बार देख भी नहीं पाई। बेटे के हाथों जख्मी होने के बाद मां नीलिमा अस्पताल में भर्ती हैं। हार्दिक ने मां पर भी चाकू से 6 वार किए थे, लेकिन नीलिमा की किस्मत अच्छी थी कि वो बच गईं। अब उनकी हालत खतरे से बाहर है। एक ही झटके में नीलिमा की पूरी दुनिया उजड़ चुकी है। बेटी की मौत हो चुकी है। बेटा जेल में है। सोच-सोचकर नीलिमा अस्पताल के बिस्तर पर रह-रहकर सिसकने लगती हैं। पुलिस के मुताबिक, नीलिमा मुरादाबाद में ही दिल्ली रोड पर बीमा कंपनी के दफ्तर में बतौर असिस्टेंट मैनेजर काम करती हैं। शुक्रवार को घर में बहन की हत्या करने के बाद हार्दिक मां को बुलाने दफ्तर पहुंचा। बोला- मम्मी घर चलो, आपको एक सरप्राइज देना है। वो कार से मां को लेकर घर पहुंचा। मां ने जैसे ही घर का गेट खोलकर देखा तो पूरे घर में खून फैला हुआ था। कमरे में बिस्तर पर खून से लथपथ बेटी हिमशिखा की डेडबॉडी थी। इस पर उनकी चीख निकल गई। इससे पहले कि नीलिमा संभल पातीं, हार्दिक ने उन पर भी चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए।

संक्षिप्त डायरी

पिता ने दो बच्चों की हत्या कर किया सुसाइड

महराजगंज (एजेंसी)। एसएसबी जवान के पति ने दो बेटों को मारकर आत्महत्या कर ली। दोनों बेटों को खिड़की से रस्सी के सहारे लटकाया। फिर छत के कुंडे से फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। सुबह देरतक जब नहीं उठे घर के बाहर बच्चों की कोई हलचल नहीं दिखी। इसपर पड़ोसियों ने महिला एसएसबी जवान को फोन कर सूचना दी। मौके पर पहुंची पत्नी ने काफी देर कर दरवाजा खटाखटाया। लेकिन नहीं खुला।

इसके बाद पत्नी ने पुलिस को घटना की सूचना दी। इसके बाद पत्नी घर का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी। देखा की सभी की मौत हो चुकी थी। घर की दीवार पर मरने से पहले पिता ने सुसाइड नोट लिखा था। लिखा- हमारी मौत का कारण मेरी पत्नी और उसका आशिक सोनू गौतम है। मेरे साथ रहते हुए भी सोनू से बात करती है। कहती तुम मेरा कुछ नहीं कर सकते हो।वारदात की सूचना पर पुलिस और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। शवों को पोस्टमॉर्टम को भेज दिया। एसएसबी जवान का परिवार किराए पर घर लेकर रहता था। मामला नौतनवा थाना क्षेत्र के गांधी नगर वार्ड का है। नौतनवा में रइ में तैनात महिला वंदना की पति अमरेंद्र भारती, निवासी गाजीपुर, ने आज सुबह अपने दो मासूम बच्चों के साथ आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पुलिस और एसएसबी के आला अधिकारी पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गए। CO अंकुर गौतम ने बताया कि महिला SSB में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थी। उनके पति ने दो बच्चों के साथ आत्महत्या की है। फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है।

ढाबे पर युवक ने खुद का काटा गला

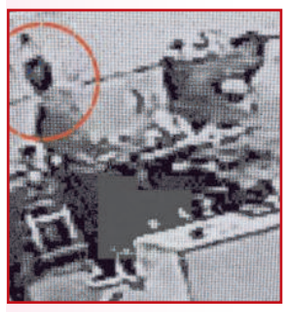

बरेली (एजेंसी)। दिल्ली से लौट रहे एक सैलून कर्मचारी ने ढाबे पर चाकू से अपना गला काट लिया। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसमें युवक महज 15 सेकंड में अपनी जान लेता दिखा। मृतक की पहचान शाही थाना क्षेत्र के गांव दुनका निवासी 26 वर्षीय सलमान के रूप में हुई है। वह अहमदजान का बेटा था और दिल्ली में अपने चचेरे भाई के साथ सैलून में काम करता था। बृहस्पतिवार को सलमान टैक्सी से दिल्ली से बरेली लौट रहा था। रास्ते में गढ़ क्षेत्र के अठसैनी गांव के पास हाईवे किनारे एक ढाबे पर टैक्सी रुकी। सलमान टैक्सी से उतरकर कुछ देर ढाबे के आसपास टहलता रहा। इसी दौरान उसने कैश काउंटर पर रखा एक चाकू उठाया और अचानक अपना गला काट लिया। जब तक ढाबे के कर्मचारी और अन्य लोग कुछ समझ पाते, तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की। फुटेज में सलमान को अपनी गर्दन काटते हुए देखा गया। उसके पास मिले आधार कार्ड से पहचान कर परिजनों को सूचित किया गया। पुलिस ने बताया कि परिजनों से बातचीत में सामने आया है कि सलमान लंबे समय से तनाव में था, जिसके कारण उसने यह कदम उठाया हो सकता है। फिलहाल परिजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। परिजनों के अनुसार, सलमान छह भाइयों में चौथे नंबर पर था और कुछ समय से शराब का आदी हो गया था। परिवार पहले से ही मुश्किलों का सामना कर रहा था। एक साल पहले उसके बड़े भाई रेहान ने भी फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी, और लगभग डेढ़ साल पहले उसके पिता अहमद जान का निधन हो गया था। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद सलमान का शव गांव पहुंचा, जिससे पूरे मोहल्ले में मातम छा गया। गमगीन माहौल में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कानपुर में नाड़े से गला घोंटकर छात्र की हत्या

कानपुर (एजेंसी) एक छात्र की नाड़े से गला घोंटकर हत्या कर दी गई। उसका शव गांव से करीब 500 मीटर दूर खेत के पास नाली में मिला। शरीर पानी के अंदर और चेहरा बाहर था। किशोर के लोवर के नाड़ा से उसका गला कसा हुआ था। पिता का कहना है- बेटा शनिवार दोपहर लगभग 3 बजे साइकिल लेकर खेत जा गया था। देर शाम तक वापस घर नहीं लौटा तो खोजबीन शुरू की। काफी ढूंढने के बाद वह खेत में मृत मिला। इसके बाद पुलिस को घटना सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने मामले में कार्रवाई की मांग करते हुए हंगामा किया। एसीपी ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देने के साथ किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरा मामला घाटमपुर थाना क्षेत्र के कठेठा गांव का है।कठेठा गांव के रहने वाले संतोष सिंह खेती-किसानी कर परिवार का भरण-पोषण करते हैं। संतोष ने बताया- मेरा 15 साल का बेटा प्रतीक उर्फ कृष्णा सिंह कक्षा 9 का छात्र था। वह शनिवार दोपहर करीब तीन बजे साइकिल लेकर खेत जाने की बात कहकर घर से निकला। देर शाम तक जब वह वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। पिता संतोष सिंह ने बताया- मैं बेटे को खोजते हुए गांव से करीब 500 मीटर दूर खेतों की ओर पहुंचा। वहां प्रतीक की साइकिल स्टैंड पर खड़ी मिली, लेकिन प्रतीक का कहीं पता नहीं था। आसपास तलाश करने पर पास से गुजर रही नाली में उसका शव मिला। उसका शरीर पानी के अंदर और चेहरा बाहर था, जबकि लोअर के नाड़े से उसका गला कसा हुआ था। इसकी सूचना पुलिस को दी। घाटमपुर इंस्पेक्टर दिनेश सिंह बिष्ट पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ फोरेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए। फोरेंसिक टीम को मौके के पास से एक रबर भी मिली है, जिसे जांच के लिए कब्जे में लिया गया है। घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव ने बताया कि किशोर के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रतीक की मां सारिका ने बताया- मैं अपने मायके सरसौल थाना क्षेत्र के धरमंगधपुर गई हुई थी। सूचना मिलते मैं घर वापस लौटी। घर पर किशोर की बहन राधा, सोना सहित अन्य परिजन का रो-रोकर बुरा हाल है। पड़ोसी मां को धैर्य बंधाते दिखे। कानपुर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि उन्होंने परिजनो से घटना की जानकारी जुटाई है, इसके साथ परिजनो को घटना का खुलासा करने का आश्वासन दिया है, उन्होंने कि दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने घाटमपुर एसीपी कृष्णकांत यादव से पुलिस की टीमें लगाकर घटना का अनावरण करने के निर्देश दिए है।

जेवर मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन, विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कार्यकताओं से किया संवाद

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जेवर विधानसभा के जेवर मंडल में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने सहभागिता कर बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकताओं के साथ संवाद किया और संगठन की विचारधारा को मजबूत करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित अंत्योदय का सिद्धांत भारतीय जनता पार्टी की मूल प्रेरणा है, जिसका उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास की किरण पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान का उद्देश्य कार्यकताओं को संगठन की विचारधारा, कार्यपद्धति और जनसेवा के संकल्प से और अधिक सशक्त बनाना है, ताकि वे समाज के बीच प्रभावी रूप से कार्य कर सकें।

उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं और संगठन की रीति-नीति को जन-जन तक पहुंचाकर राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दें।

धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि समर्पित, अनुशासित और जागरूक कार्यकर्ता ही किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति होते हैं और प्रशिक्षण अभियान से संगठन को नई ऊर्जा और दिशा मिलेगी।

इस अवसर पर पूर्व जिला अध्यक्ष विजय भाटी, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, मंडल अध्यक्ष संजीव शर्मा, पूर्व मंडल अध्यक्ष संजय रावत, भीम सिंह छौंकर, बॉबी शर्मा, सतपाल तालान, विजेन्द्र तालान, विकास चौधरी, रोहित अग्रवाल, रोहित छौंकर, वेदप्रकाश अग्रवाल, चंद्रमणि भारद्वाज, मोनू गर्ग, विकास राणा सहित सैकड़ों पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला शक्ति को सलाम: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर उत्कृष्ट महिलाओं और आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों का सम्मान

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लखनऊ में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी विकास भवन सभागार में उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों तथा महिलाओं ने देखा।

कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं तथा समाज में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को भी उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं का समाज के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान है। आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा सहित हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रही हैं और समाज के उत्थान में अहम भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ महिलाओं तक पहुंचाया जा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की शुभकामनाएं दी गईं और उन्हें समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी आशीष कुमार, प्रोबेशन विभाग के अधिकारी, विभिन्न विभागों के कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां तथा अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जंतर मंतर और लाल किला पहुंचकर नारायणी सेना ने किया विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (शिखर समाचार) नारायणी सेना के पदाधिकारियों ने यूजीसी के विरोध और पृथ्वी स्वरूपा गौ माता को राष्ट्रमाता घोषित करने की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर और लाल किला क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने अपनी मांगों को लेकर केंद्र सरकार से कार्रवाई की अपील की।

नारायणी सेना के संस्थापक अध्यक्ष आचार्य रामानुज ने कहा कि यह युग की क्रांति का शंखनाद है और धर्मयुद्ध का प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी स्वरूपा गौ माता की हत्याएं, बहन-बेटियों की तस्करी और उनकी करुण वेदना व्यर्थ नहीं जाएगी। उनका कहना था कि सनातन परंपरा और संस्कृति पर लगातार आघात किए जा रहे हैं। कभी मठ मंदिरों के अधिग्रहण की बात सामने आती है तो कभी गौ, ब्राह्मण और संतों के खिलाफ षड्यंत्र रचे जा रहे हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि यूजीसी के नाम पर हिंदुओं को आपस में लड़ाने की साजिश की जा रही है, जिससे सनातन समाज की एकता खंडित हो रही है। नारायणी सेना ने भारत सरकार से मांग की कि यूजीसी पर रोक लगाई जाए, ताकि सनातन राष्ट्र का सपना साकार हो सके।

इस अवसर पर नारायणी सेना के राष्ट्रीय संगठक तथा अंतरराष्ट्रीय युवा हिंदू वाहिनी के अध्यक्ष ठाकुर अनिल सिंह, प्रांतीय प्रभारी दीपक शुक्ला, तिरंगा महाराज, जय ओम मिश्रा, नागेंद्र सिंह और दिल्ली प्रभारी भीम सिंह दहिया सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में संगठन के कार्यकताओं ने धर्मो रक्षति रक्षिता और नमो नारायण के जयघोष के साथ अपने विचार व्यक्त किए।

भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप का सामाजिक अभिनंदन

शामली (शिखर समाचार) अखिल भारतीय महर्षि कश्यप चैरिटेबल ट्रस्ट के संयोजन में भाजपा शीर्ष नेतृत्व द्वारा नियुक्त जनपद शामली के कर्मनिष्ठ व कर्तव्यनिष्ठ नवनियुक्त जिलाध्यक्ष रामजीलाल कश्यप का सामाजिक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजीव कश्यप क्लोनाइजर ने की, जबकि संचालन नीटू कुमार कश्यप ने किया।

कार्यक्रम में समाज के गणमान्य लोगों ने रामजीलाल कश्यप को माला पहनाकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। वक्ताओं ने समाज की सामूहिक एकता पर बल देते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

इस दौरान होनहार बेटी दिव्या कश्यप ने रामजीलाल कश्यप के प्रथम आगमन पर तिलक लगाकर उनका अभिनंदन किया, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी उत्साहपूर्ण हो गया।

कार्यक्रम में गठवाला खाप कश्यप समाज के अध्यक्ष बाबा मनोज कश्यप, डॉ. अनिल सिलावर, अशोक प्रधान उस्मानपुर, आजाद प्रधान बुच्चाखेड़ी, पवन सैहटा, जिला पंचायत सदस्य अनिल कश्यप, पूर्व डायरेक्टर शुगर मिल शामली संजीव कश्यप, रणधीर कंडेला, रणपाल कुड़ाना, कंवरपाल कश्यप, रामकुमार कश्यप, सुनील प्रधान मुंडेट, श्याम कुच्छल, मानस संगल तथा पूर्व मंत्री सुरेश राणा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कफ सिरप मामले में गाजियाबाद पुलिस ने फिर की कार्रवाई, 2 आरोपियों की 13 करोड़ की संपत्ति फ्रिज

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। कफ सिरप मामले में गाजियाबाद पुलिस लगातार कार्यवाही कर रही है। एक बार फिर साइबर सेल और स्वाट टीम ने कार्यवाही करते हुए दो कफ सिरप के आरोपी विभोर राणा और विशाल सिंह की परिवार सहित अनैतिक तरह से अर्जित की गई लगभग 13 करोड रुपए की संपत्ति फ्रिज की। पुलिस ने इन दोनों के परिवार सहित लगभग 37 संपत्तियां फ्रिज की। खास बात यह है कि उनकी ज्यादातर संपत्तियां सहारनपुर में अर्जित की गई थी। संवाददाता सम्मेलन में डीसीपी नगर धवल जायसवाल ने बताया कि एसकफ कफ सिरप और पहनसेडयल कफ सिरप की कालाबाजारी व तस्करी करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह को पुलिस ने गिरफ्तार किया था। पुलिस ने गिरोह से संबंधित अब तक 14 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। यह पूरा गैंग यूपी के कई राज्यों में सक्रियता था और वहां पर प्रतिबंधित कफ सिरप की सप्लाई किया करता था। पुलिस ने इस गिरोह के जब कुछ सदस्यों को

प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया तो इस पूरे गिरोह का भंडाफोड़ हुआ। यह पूरा गिरोह तिरुपुरम तक प्रतिबंधित कफ सिरप की सप्लाई कर रहा था। इस पूरे गिरोह ने प्रतिबंधित कफ सिरप की सप्लाई करके करोड़ों रुपए की संपत्ति अर्जित की थी। पुलिस ने उनकी आय से अधिक संपत्ति की जांच करनी शुरू की। जांच में पहले इस गिरोगे के मुखिया की लगभग 2 करोड रुपए की संपत्ति पुलिस ने फ्रिज की थी। वहीं अब गिरोह के सदस्य विभोर राणा एवं विशाल सिंह की लगभग 13 करोड रुपए की संपत्ति फ्रिज की गई है। पुलिस उनकी अन्य संपत्ति के बारे में भी जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की संपत्ति की भी जांच की जा रही है। अगर उनकी संपत्ति भी आय से अधिक मिली तो उसे भी फ्रिज किया जाएगा।

महिला दिवस पर उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान, बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को मिले लैपटॉप

शामली (शिखर समाचार)। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर रविवार को तहसील शामली सभागार में महिला कल्याण विभाग की ओर से भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया, जबकि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के लाभार्थियों को लैपटॉप वितरित किए गए। साथ ही बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के 100 दिवसीय कार्यक्रम का समापन भी किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रदेश स्तर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन के सजीव प्रसारण से हुई, जिसे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने देखा और सुना।

इस अवसर पर एमएलसी वीरेन्द्र सिंह, एमएलसी मोहित बेनीवाल, शामली विधायक प्रसन्न चौधरी, थानाभवन विधायक अशरफ अली, जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान, पुलिस अधीक्षक एन.पी. सिंह और डिप्टी कलेक्टर हामिद हुसैन सहित अन्य अधिकारियों ने मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना की लाभार्थी कु. अंशिका और कु. रक्षिका को प्रमाण पत्र व उपहार देकर सम्मानित किया। दोनों छात्राओं ने योजना का लाभ लेते हुए हाईस्कूल परीक्षा में क्रमशः 75 और 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं।

वन स्टॉप सेंटर की प्रभारी गजाला त्यागी और चाइल्ड हेल्पलाइन की परियोजना समन्वयक अजरा खान को महिलाओं के हित में उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया गया। पुलिस विभाग से मिशन शक्ति केंद्र कैराना की प्रभारी इंस्पेक्टर पिंकी गोस्वामी,

महिला थाना कैराना के परामर्श केंद्र की प्रभारी सब इंस्पेक्टर ललिता तथा थाना झिंझाना की आरक्षी पूजा रानी को भी सम्मानित किया गया।

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से आंगनवाड़ी कार्यकत्री रानी (बुच्चाखेड़ी), मीना (रामपुर खेड़ी), ऊमन सैनी (बाबरी) और अमरेश (बुटराड़ा) सहित अन्य को उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं ऋचा शर्मा और राखी को भी प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत छह बालिकाओं प्रतिभा, सिमरन, रिया, धानी गर्ग, रेशमा और बुशरा को लैपटॉप वितरित किए गए। इस अवसर पर 27 नवंबर 2025 से 8 मार्च 2026 तक चले 100 दिवसीय बाल विवाह मुक्त भारत अभियान का भी समापन किया गया। अभियान के दौरान जनपद में कुल 1833 गतिविधियां आयोजित की गईं और 16,359 लोगों को बाल विवाह मुक्त भारत की ऑनलाइन शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में ग्राम चढ़ाव की होनहार बेटी कु. काजल चौहान, जिन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 403वीं रैंक प्राप्त की है, को भी जिलाधिकारी और जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ व शॉल देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी मोहम्मद मुशफेकीन और जिला कार्यक्रम अधिकारी यामिनी रंजन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बारात से लौट रहे दो युवकों पर हमला, मारपीट कर दी जान से मारने की धमकी

जेवर (शिखर समाचार) जेवर के मौहल्ला कोठेतरिया निवासी एक व्यक्ति ने कुछ लोगों पर बारात से लौटते समय रास्ते में रोककर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मौहल्ला कोठेतरिया निवासी अमिताभ ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 6 मार्च को वह मौहल्ले के ही एक युवक की बारात में शामिल होने के लिए मथुरा के गांव पारसौली गए थे। देर रात करीब 1:52 बजे जब वह वापस लौटकर कस्बे के टप्पल रोड पर पहुंचे, तभी अजय, विराट व उनके अन्य साथियों ने उन्हें रोक लिया और गाली-गलौच करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने अमिताभ के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर-शराबा सुनकर मौहल्ले के ही धारा बीच-बचाव के लिए पहुंचे, तो आरोप है कि आरोपियों ने उनके साथ भी मारपीट की और दोनों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीईआईआर पोर्टल की मदद से 142 गुमशुदा मोबाइल बरामद, करीब 36 लाख रुपये की कीमत

शामली (शिखर समाचार)। जनपद पुलिस की सर्विलांस सेल और थानों पर संचालित सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न कंपनियों के 142 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 36 लाख रुपये बताई जा रही है। रविवार को शहर की पुलिस लाइन में आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी देते हुए एसपी एनपी सिंह ने बताया कि जनपद में गुम होने वाले मोबाइलों की शत प्रतिशत बरामदगी के लिए सर्विलांस सेल और संबंधित थानों के कर्मचारियों को विशेष निर्देश दिए गए थे। इसी क्रम में सर्विलांस सेल ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से कार्रवाई करते हुए विभिन्न कंपनियों के कुल 142 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधीक्षक ने मोबाइल धारकों को उनके मोबाइल फोन सुपुर्द किए। इस दौरान उन्होंने सर्विलांस सेल और सीईआईआर पोर्टल पर कार्य कर रही टीम की मेहनत और लगन की सराहना की।

अपने खोए हुए मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने शामली पुलिस का आभार व्यक्त किया। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी का मोबाइल फोन गुम हो जाए तो वह अपने नजदीकी थाने में मोबाइल की रसीद और पहचान पत्र के साथ सीईआईआर पोर्टल पर जानकारी दर्ज कराएं। इससे मोबाइल के दोबारा इस्तेमाल होने पर सूचना मिल सकेगी और उसे बरामद करने में सहायता मिलेगी।

अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न

शामली (शिखर समाचार)। शहर के श्री सत्यनारायण इंटर कॉलेज में रविवार को अटल आवासीय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा सत्र 2026-27 शांतिपूर्ण और नकलरहित वातावरण में संपन्न हुई। परीक्षा में कक्षा 6 और कक्षा 9 में प्रवेश के लिए विद्यार्थियों ने भाग लिया। परीक्षा के लिए कुल 165 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 156 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 9 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा के दौरान बीएसए लता राठौर, सहायक श्रम आयुक्त सहारनपुर अरविंद कुमार मद्धेशिया तथा कॉलेज के प्रधानाचार्य एवं केंद्र व्यवस्थापक अनिल कुमार शर्मा ने विभिन्न कक्षों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा प्रारंभ होने से पहले मुख्य द्वार पर परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्रों की जांच की गई और उन्हें मोबाइल फोन व अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरण साथ न लाने के निर्देश दिए गए। केंद्र पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल, शौचालय सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गईं, जिससे परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सकी।

कमरे में बंद कर विवाहिता की बेरहमी से पिटाई, लोहे की रॉड से मारने पर हाथ टूटा

शामली (शिखर समाचार)। कैराना क्षेत्र के मोहल्ला दरबारखुर्द रेतेवाला में एक विवाहिता के साथ ससुराल पक्ष द्वारा कथित रूप से जान से मारने की नीयत से कमरे में बंद कर बेरहमी से मारपीट करने का मामला सामने आया है। मारपीट में विवाहिता का एक हाथ बुरी तरह टूट गया। गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसके हाथ का ऑपरेशन किया गया।

गांव इस्सोपुर टील, थाना कांधला निवासी रिजवान पुत्र सलीम ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उसकी बहन गुलफसा का निकाह मई 2023 में कैराना के मोहल्ला दरबारखुर्द रेतेवाला निवासी जमशेद पुत्र समशेर के साथ हुआ था। आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही पति जमशेद, सास बलकीसा, ससुर समशेर तथा देवर सादाब व सावेज उसे प्रताड़ित करने लगे और आए दिन मारपीट करते थे।

पीड़ित पक्ष के अनुसार 28 फरवरी की रात करीब 10:30 बजे आरोपियों ने गुलफसा को कमरे में बंद कर गाली-गलौज करते हुए लोहे की रॉड से बेरहमी से पीटा, जिससे उसके हाथ, पैर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं। मारपीट के दौरान उसका एक हाथ पूरी तरह से टूट गया। आरोप है कि इसी दौरान देवरों ने उसे पकड़कर बदनीयती का भी प्रयास किया।

घटना की सूचना मिलने पर भाई रिजवान मौके पर पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। इसके बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल विवाहिता को जिला अस्पताल शामली में भर्ती कराया, जहां उसके टूटे हुए हाथ का ऑपरेशन किया गया।

पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पीड़ित विवाहिता ने पुलिस प्रशासन से न्याय दिलाने की गुहार लगाई है।

संपादकीय

महिला दिवसः उत्सव से आगे, वास्तविक सशक्तिकरण की आवश्यकता

हर वर्ष 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पूरे उत्साह और औपचारिकताओं के साथ मनाया जाता है। देश दुनिया में इस दिन महिलाओं के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित होते हैं, संगोष्ठियां होती हैं, मंचों से महिला सशक्तिकरण के बड़े-बड़े भाषण दिए जाते हैं और समाज में महिलाओं की उपलब्धियों की चर्चा की जाती है। स्कूलों, कॉलेजों, सरकारी संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा पुरस्कार वितरण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और जागरूकता अभियान भी चलाए जाते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या यह एक दिन का उत्सव वास्तव में महिलाओं के जीवन में स्थायी बदलाव ला रहा है, या फिर यह केवल औपचारिकता बनकर रह गया है। भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति एक विरोधाभास को दशार्ती है। एक ओर महिलाएं देश की राजनीति, प्रशासन, विज्ञान, खेल, शिक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। आज महिलाएं उच्च पदों पर कार्य कर रही हैं, देश की नीतियों के निर्माण में भागीदारी निभा रही हैं और समाज के हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं। दूसरी ओर समाज के एक बड़े हिस्से में आज भी महिलाओं को भेदभाव, हिंसा, असमान अवसर और सामाजिक दबावों का सामना करना पड़ता है। यह स्थिति यह बताती है कि महिला सशक्तिकरण की यात्रा अभी अधूरी है। महिला दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों का उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज में समानता की भावना को मजबूत करना होता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया जाता है कि महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक सम्मान के समान अवसर मिलने चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रयास सकारात्मक हैं और समाज में जागरूकता पैदा करने में सहायक भी होते हैं। लेकिन केवल मंचों से दिए गए भाषण और एक दिन की औपचारिक गतिविधियां उस गहरी सामाजिक मानसिकता को नहीं बदल सकतीं, जो सदियों से महिलाओं को सीमित दायरे में बांधकर रखती आई है। आज के समाज में महिलाओं को कई क्षेत्रों में स्वतंत्रता और अधिकार मिले हैं। शिक्षा के प्रसार और तकनीकी विकास ने महिलाओं को आगे बढ़ने के नए अवसर प्रदान किए हैं। महिलाएं अब केवल घर की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक निर्णयों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। लेकिन यह भी सच है कि इस स्वतंत्रता के साथ कई नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। कार्यस्थल पर उत्पीड़न, डिजिटल माध्यमों पर ट्रोलिंग और सामाजिक अपेक्षाओं का दबाव आज भी महिलाओं के सामने बड़ी समस्याएं हैं। महिला सशक्तिकरण का वास्तविक अर्थ केवल अधिकार देना नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण बनाना है जिसमें महिलाएं सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी सकें। इसके लिए सबसे पहले समाज की सोच में बदलाव जरूरी है। परिवार से लेकर कार्यस्थल तक महिलाओं को समानता के आधार पर देखा जाना चाहिए। लड़कियों की शिक्षा को प्राथमिकता देना, उन्हें आत्मनिर्भर बनने के अवसर देना और उनके निर्णयों का सम्मान करना समाज के लिए आवश्यक कदम हैं। एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि महिलाओं को मिली स्वतंत्रता और अधिकारों के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है। आधुनिक समाज में महिलाओं के सामने अवसरों के साथ-साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। स्वतंत्रता का सही उपयोग तभी संभव है जब उसके साथ सामाजिक जिम्मेदारी और संतुलन भी हो। सशक्तिकरण का मतलब केवल परंपराओं का विरोध करना नहीं, बल्कि सकारात्मक बदलाव के साथ समाज को आगे बढ़ाना भी है।

~ मौलिक चिंतन ~

सहानुभूति का भूखा इंसान ही अपना दुःख इस उस को सुनाता फिरता है।

© विनय संकोची

विश्व युद्ध की आहट और मानवता के सामने खड़ा विनाश का संकट

कांतिलाल मांडोत

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहां शक्ति प्रदर्शन और प्रतिशोध की राजनीति मानवता के भविष्य पर भारी पड़ती दिखाई दे रही है। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य टकराव केवल दो देशों का संघर्ष नहीं रहा बल्कि यह पूरे विश्व के लिए चिंता का विषय बन गया है। जिस तरह से एक के बाद एक मिसाइल हमले ड्रोन हमले और बमबारी हो रही है उससे यह आशंका गहराने लगी है कि कहीं यह संघर्ष व्यापक युद्ध का रूप न ले ले। युद्ध का इतिहास हमेशा यही बताता है कि इसकी आग में केवल सैनिक ही नहीं बल्कि आम नागरिक भी झुलसते हैं और सभ्यता को भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

हाल के दिनों में समुद्र और आसमान दोनों ही युद्ध के मैदान बन गए हैं। ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती सैन्य कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को अस्थिर बना दिया है। युद्धपोतों पर हमले तेल टैंकरों को निशाना बनाना और बड़े शहरों पर बमबारी यह संकेत देते हैं कि स्थिति लगातार खतरनाक होती जा रही है। इन हमलों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत हो रही है और हजारों लोग घायल हो चुके हैं। सबसे दुखद पहलू यह है कि इन संघर्षों में मरने वाले अधिकांश लोग वे होते हैं जिनका युद्ध से कोई सीधा संबंध नहीं होता। वे केवल आम नागरिक होते हैं जो शांति से अपना जीवन जीना चाहते हैं।

युद्ध केवल मानव जीवन को ही नहीं बल्कि आर्थिक और सामाजिक संरचना को भी गहरे स्तर पर प्रभावित करता है। जब बड़े देश युद्ध में उलझते हैं तो उसका असर पूरी दुनिया पर पड़ता है। व्यापार रुक जाता है तेल और ऊर्जा की कीमतें बढ़ जाती हैं और वैश्विक बाजार अस्थिर हो जाते हैं। वर्तमान संघर्ष में भी यही स्थिति देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी और मध्य पूर्व का क्षेत्र दुनिया के सबसे बड़े ऊर्जा स्रोतों में से एक है। यदि यहां युद्ध लंबा चलता है तो तेल की आपूर्ति प्रभावित होगी और इसका सीधा असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

भारत जैसे देश के लिए यह स्थिति विशेष चिंता का विषय है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आयात करता है। यदि युद्ध के कारण तेल की कीमतें बढ़ती हैं या आपूर्ति बाधित होती है तो इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। पेट्रोल और डीजल की कीमतें बढ़ेंगी जिससे परिवहन महंगा होगा और इसका प्रभाव आम जनता की रोजमर्रा की जिंदगी पर पड़ेगा। महंगाई बढ़ने की संभावना भी बढ़ जाएगी और विकास की गति प्रभावित हो सकती है।

इसके अलावा मध्य पूर्व के देशों में लाखों भारतीय काम करते हैं। ये लोग वहां से अपने परिवारों के लिए पैसा भेजते हैं जो भारत की अर्थव्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है। यदि युद्ध की स्थिति गंभीर हो जाती है तो इन भारतीयों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कई बार ऐसे हालात में लोगों को अपने काम छोड़कर वापस लौटना पड़ता है जिससे उनके परिवारों पर आर्थिक संकट आ सकता है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे और कूटनीतिक प्रयासों के जरिए शांति की दिशा में योगदान दे।

युद्ध का एक और गंभीर प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। जब तेल टैंकरों पर हमले होते हैं या समुद्र में तेल का रिसाव होता है तो समुद्री जीवन को भारी नुकसान पहुंचता है। समुद्र में रहने वाले जीवों की बड़ी संख्या नष्ट हो जाती है और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को गहरा आघात पहुंचता है। इसके अलावा बमबारी और मिसाइल हमलों से शहरों का बुनियादी ढांचा नष्ट हो जाता है। अस्पताल स्कूल सड़कें और घर तबाह हो जाते हैं। इन सबको दोबारा बनाने में वर्षों लग जाते हैं। इतिहास गवाह है कि युद्ध कभी भी स्थायी समाधान नहीं देता। पहले और दूसरे विश्व युद्ध ने पूरी मानवता को विनाश का भयावह अनुभव कराया था। करोड़ों लोग मारे गए और कई देशों की अर्थव्यवस्था बर्बाद हो गई। उसके बाद ही दुनिया ने शांति और सहयोग के महत्व को समझा और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का गठन किया गया ताकि ऐसे संघर्षों को रोका जा सके। लेकिन आज भी जब बड़े देश शक्ति प्रदर्शन में लगे रहते हैं तो ऐसा लगता है कि इतिहास से सबक पूरी तरह नहीं लिया गया है।

दुनिया के कई देश इस समय शांति की अपील कर रहे हैं। भारत भी लगातार यह कहता रहा है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं बल्कि संवाद और कूटनीति से ही संभव है। यदि सभी देश संयम और धैर्य का परिचय दें तो टकराव को कम किया जा सकता है। कूटनीतिक वार्ता के माध्यम से विवादों को सुलझाना ही सभ्य और जिम्मेदार समाज की पहचान है।

आज जरूरत इस बात की है कि दुनिया के शक्तिशाली

देश अपनी जिम्मेदारी को समझें। शक्ति का उपयोग विनाश के लिए नहीं बल्कि शांति और स्थिरता के लिए होना चाहिए। यदि युद्ध की आग और फैलती है तो इसका परिणाम केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा बल्कि पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा। ऐसे में यह आशंका भी व्यक्त की जा रही है कि कहीं यह संघर्ष तीसरे विश्व युद्ध की दिशा में कदम न बन जाए।

मानवता का भविष्य तभी सुरक्षित रह सकता है जब देश आपसी मतभेदों को बातचीत के जरिए सुलझाने का रास्ता अपनाएं। युद्ध केवल विनाश को जन्म देता है जबकि शांति विकास और समृद्धि का मार्ग खोलती है। इसलिए समय की मांग है कि सभी देश संयम बरतें और युद्ध के बजाय शांति और सहयोग की दिशा में कदम बढ़ाएं। यही मानवता के हित में होगा और यही आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और बेहतर दुनिया की नींव रखेगा।

यूपीएससी सफलता और बनाई हुई कहानियाँ

डॉ. प्रियंका सौरभ

संघर्ष की कहानी या लोकप्रियता का कथानक? कई अभ्यर्थी वास्तव में गाँवों या साधारण परिवारों से आते हैं और अपनी कहानी इसलिए साझा करते हैं ताकि दूसरे युवाओं को प्रेरणा मिल सके। भारत में ऐसे अनेक सफल अधिकारी हैं जिनकी जड़ें छोटे कस्बों और ग्रामीण परिवेश से जुड़ी रही हैं। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि सीमित संसाधनों के बावजूद मेहनत और लगन से बड़ी उपलब्धियाँ हासिल की जा सकती हैं। हालाँकि, सामाजिक माध्यमों के इस दौर में एक अलग प्रवृत्ति भी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपनी छवि गढ़ने के लिए 'किसान का बेटा' या 'गाँव से आया लड़का या लड़की' जैसी पहचान को अधिक उभारकर प्रस्तुत करते हैं। कई बार इसका उद्देश्य सहानुभूति अर्जित करना, अपनी कहानी को अधिक प्रेरणादायक बनाकर प्रस्तुत करना या समाचार माध्यमों और सामाजिक माध्यमों में अधिक ध्यान आकर्षित करना भी होता है। भारत में संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा केवल एक परीक्षा नहीं है, बल्कि यह लाखों युवाओं के सपनों, संघर्षों और आकांक्षाओं का प्रतीक है। हर वर्ष देशभर से लाखों अभ्यर्थी इस परीक्षा में बैठते हैं और उनमें से कुछ सौ लोग ही अंततः प्रशासनिक सेवा में स्थान प्राप्त कर पाते हैं। इसलिए जो लोग इस कठिन परीक्षा में सफल होते हैं, वे स्वाभाविक रूप से समाज में चर्चा और सम्मान का विषय बन जाते हैं। समाचार माध्यम, सामाजिक माध्यम और आम समाज उनके जीवन की कहानी जानने के लिए उत्सुक रहते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में एक दिलचस्प और कभी-कभी चिंताजनक प्रवृत्ति भी देखने को मिली है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि शहरों की समृद्ध पृष्ठभूमि में पले-बढ़े कुछ सफल अभ्यर्थी अचानक अपनी पहचान को 'किसान पुत्र', 'गाँव का बेटा' या 'ग्रामीण पृष्ठभूमि' के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत पहचान का प्रश्न नहीं है; यह उस व्यापक सामाजिक-मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया को भी उजागर करती है, जिसमें लोकप्रियता और सहानुभूति प्राप्त करने के लिए अपनी कहानी को विशेष तरीके से प्रस्तुत किया जाता है।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि आखिर ऐसा क्यों होता है? क्या यह केवल प्रेरणा देने का प्रयास है या फिर लोकप्रियता हासिल करने की एक रणनीति? इस प्रश्न का उत्तर सरल नहीं है, क्योंकि इसके पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और माध्यम-संबंधी कारण छिपे हुए हैं। भारतीय समाज में संघर्ष की कहानियाँ हमेशा से अत्यधिक सम्मानित रही हैं। जब कोई व्यक्ति कठिन परिस्थितियों से निकलकर बड़ी सफलता हासिल करता है, तो वह कहानी लाखों लोगों को प्रेरित करती है। यही कारण है कि समाचार माध्यम अक्सर ऐसे उदाहरणों को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं, जहाँ कोई अभ्यर्थी सीमित संसाधनों, आर्थिक कठिनाइयों या ग्रामीण पृष्ठभूमि के बावजूद सफलता प्राप्त करता है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी कहानियाँ समाज के लिए सकारात्मक भूमिका निभाती हैं। वे युवाओं को यह विश्वास दिलाती हैं कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों, मेहनत और दृढ़ संकल्प से सफलता हासिल की जा सकती है। भारत जैसे देश में, जहाँ आज भी ग्रामीण और शहरी अवसरों के बीच बड़ा अंतर मौजूद है, ऐसी कहानियाँ उम्मीद और प्रेरणा का स्रोत बनती हैं। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब वास्तविकता से अधिक आकर्षक या भावनात्मक कहानी प्रस्तुत करने का दबाव बढ़ जाता है। सामाजिक माध्यमों के इस दौर में हर व्यक्ति अपनी कहानी को इस तरह प्रस्तुत करना चाहता है कि वह अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचे और उन्हें प्रभावित करे। इस प्रक्रिया में कभी-कभी वास्तविक पृष्ठभूमि की जटिलता को सरल और भावनात्मक कथा में बदल दिया जाता है।

आज के समय में समाचार माध्यम और सामाजिक माध्यम किसी भी व्यक्ति की छवि बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक सफल अभ्यर्थी की कहानी कुछ ही घंटों में पूरे देश में फैल सकती है। विभिन्न साक्षात्कार, वीडियो मंच और समाचार लेख अक्सर उस कहानी के ऐसे पहलुओं को सामने लाते हैं जो भावनात्मक और प्रेरणादायक हों।

माध्यमों की दृष्टि से यह स्वाभाविक भी है, क्योंकि दर्शक और पाठक ऐसी कहानियों से अधिक जुड़ाव महसूस करते हैं। 'गाँव से निकलकर प्रशासनिक सेवा में पहुँचा युवक' या 'किसान की बेटी जिसने प्रशासनिक सेवा में स्थान बनाया' जैसी सुर्खियाँ तुरंत ध्यान आकर्षित करती हैं। परिणामस्वरूप, कभी-कभी कहानी के कुछ हिस्सों को अधिक महत्व दिया जाता है, जबकि अन्य पहलू पीछे छूट जाते हैं। यदि किसी अभ्यर्थी का परिवार मूल रूप से ग्रामीण क्षेत्र से जुड़ा रहा हो, लेकिन उसकी शिक्षा और परवरिश शहरों में हुई हो, तो माध्यम अक्सर उसी ग्रामीण संबंध को प्रमुखता से प्रस्तुत करते हैं। इससे वास्तविकता का एक आंशिक चित्र सामने आता है।

भारत जैसे विशाल और विविध समाज में पहचान हमेशा सरल और एक-आयामी नहीं होती। किसी व्यक्ति का जन्म गाँव में हो सकता है, लेकिन शिक्षा शहर में हुई हो सकती है। किसी के माता-पिता खेती से जुड़े हो सकते हैं, जबकि परिवार की आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत मजबूत हो सकती है।

वास्तव में दोनों बातें एक साथ सही हो सकती हैं। लेकिन जब कहानी को सरल और प्रभावी बनाने की कोशिश की जाती है, तो अक्सर एक ही पहचान को प्रमुखता दी जाती है। यही कारण है कि कभी-कभी लोगों को यह लगता है कि वास्तविकता से अलग या बढ़ा-चढ़ाकर चित्र प्रस्तुत किया जा रहा है। आज का समय छवि और कथानक का समय है। सामाजिक माध्यमों ने हर व्यक्ति को अपनी छवि गढ़ने का अवसर दिया है। लोग केवल यह नहीं बताते कि वे कौन हैं, बल्कि यह भी तय करते हैं कि वे समाज के सामने कैसे दिखाई देना चाहते हैं। लेकिन जब यह प्रक्रिया वास्तविकता से अधिक छवि-निर्माण पर आधारित होने लगती है, तो यह आलोचना का विषय बन जाती है। समाज को यह महसूस होने लगता है कि लोकप्रियता प्राप्त करने के लिए पहचान का उपयोग किया जा रहा है।

यह भी याद रखना आवश्यक है कि हर सफल अभ्यर्थी ऐसा नहीं करता। देश में हजारों ऐसे अधिकारी हैं जो अपनी पृष्ठभूमि के बारे में ईमानदारी से बात करते हैं और अपनी सफलता को केवल व्यक्तिगत उपलब्धि के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी के रूप में देखते हैं। अंततः प्रशासनिक सेवा में सफलता का वास्तविक मूल्य इस बात से तय होना चाहिए कि कोई अधिकारी अपने पद का उपयोग समाज के हित में किस प्रकार करता है। ईमानदारी, संवेदनशीलता और जनसेवा की भावना ही किसी भी अधिकारी की सबसे बड़ी पहचान होती है। लोकप्रियता क्षणिक हो सकती है, लेकिन सच्ची सेवा और ईमानदार कार्य ही वह आधार है जो किसी व्यक्ति को स्थायी सम्मान दिलाता है।

कितने ताकतवर साबित होंगे नेपाल के बालेन शाह?

सौरभ वार्ष्णेय

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

भारत की सीमा से जुड़े देश नेपाल के नये राजनीतिज्ञ के रूप में उभरे बालेन शाह एक ऐसा नाम बन गये हैं, जिसने पारंपरिक दलों की राजनीति को चुनौती देकर एक मिसाल काल कायम कर दी है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद नेपाल में यह पहला आम चुनाव है। ऐसे संवेदनशील ता के बाद काठमांडू महानगर के पूर्व मेयर के रूप में उनकी पार्टी की जीत ने यह संकेत दिया कि जनता अब पुराने राजनीतिक ढांचे से हटकर नए और स्वतंत्र नेतृत्व को अवसर देने के लिए तैयार है। इंजीनियर, रैपर और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में पहचाने जाने वाले बालेन शाह की लोकप्रियता मुख्यतः उनकी साफ-सुथरी छवि, तेज निर्णय क्षमता और सिस्टम को बदलने के वादे पर खरे उतरने वाले राजनेता बन गए हैं।

नेपाल में संसदीय लोकतंत्र की व्यवस्था है और वहां की संसद दो सदनों से मिलकर बनी। इनमें निचला सदन प्रतिनिधि सभा और ऊपरी सदन राष्ट्रीय सभा कहलाता है। प्रतिनिधि सभा को भारत की लोकसभा की तरह माना जाता है। ऐसे में उनकी पार्टी नेपाल के संसदीय चुनाव के नतीजे देश की राजनीति में बड़े बदलाव का संकेत दे रहे हैं। शुरूआती रुझानों में काठमांडू के पूर्व मेयर और युवा नेता बालेन शाह की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी मजबूत स्थिति में नजर आ रही है। 35 वर्षीय बालेन शाह की पार्टी कई सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। ऐसे में उनके प्रधानमंत्री बनने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। वहीं नेपाल में पिछले काफी समय से युवाओं के बीच राजनीति को लेकर बढ़ती सक्रियता देखने को मिली है। पिछले साल हुए जेन जी आंदोलन के बाद देश में यह पहला आम चुनाव है। उस आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को इस्तीफा देना पड़ा था और सांसद भंग कर दी गई थी।

हम बात करे तो बालेन शाह की तो उन्होंने मेयर बनने के बाद अचानक अपने वायदे अनुसार काठमांडू में अतिक्रमण हटाने, अव्यवस्थित शहरी ढांचे को सुधारने और प्रशासनिक पारदर्शिता लाने जैसे कई कदम उठाए जिससे वह इन फैसलों के कारण आम से खास बनते चले गए। इस सबमें खास बात यह है कि बालेन शाह किसी बड़े राजनीतिक दल से नहीं जुड़े हैं, फिर भी उन्होंने स्थापित नेताओं को हराकर सत्ता तक पहुंच बनाई। यह बदलाव नेपाल की राजनीति में एक नई सोच का संकेत देता है। अब सवाल उठता है कि वह नेपाल में चेहते तो बन गए पीएम बनते हैं तो क्या उनकी वास्तविक ताकत कितनी होगी। स्थानीय निकाय के प्रमुख के रूप में उनकी शक्तियां सीमित थी और कई बड़े निर्णय प्रांतीय या

केंद्रीय सरकार के स्तर पर लिए जाते हैं। ऐसे में कई बार उनकी योजनाएं नौकरशाही या राजनीतिक खींचतान में फंस जाती हैं। यही वजह है कि लोकप्रियता के बावजूद उनके सामने व्यवस्था की जटिलताएं बड़ी चुनौती बनकर खड़ी हैं। इसके बावजूद बालेन शाह की सबसे बड़ी ताकत जनता का भरोसा है। यदि वह अपने काम और पारदर्शी प्रशासन से लोगों का विश्वास बनाए रखते हैं, तो उनकी राजनीतिक भूमिका केवल काठमांडू तक सीमित नहीं रहेगी। भविष्य में वे नेपाल की राष्ट्रीय राजनीति में भी प्रभावशाली भूमिका निभा सकते हैं।

अगर हम उनकी कर्मठ राजनीति की बता करें तो नेपाल की राजनीति में अचानक उभरे युवा चेहरों में बालेन शाह का नाम सबसे प्रमुख है। पेशे से इंजीनियर और पहले एक लोकप्रिय रैपर रहे शाह ने 2022 में काठमांडू महानगर के मेयर का चुनाव जीतकर पारंपरिक राजनीतिक दलों को चौंका दिया। उनकी जीत को युवाओं की उम्मीद और भ्रष्ट राजनीति के खिलाफ जनाक्रोश का प्रतीक माना गया। सवाल यह है कि मेयर बनने के बाद वे कितने कारगर साबित हुए?

बालेन शाह के कार्यकाल की शुरूआत काफी आक्रामक और प्रतीकात्मक कदमों से हुई। शहर में अवैध कब्जों और अतिक्रमण के खिलाफ उन्होंने बुलडोज? अभियान चलाया, जिससे कई इमारतों और संरचनाओं को हटाया गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक जमीन को मुक्त कर शहर को व्यवस्थित बनाना था।

बालेन शाह का कार्यकाल विवादों से भी घिरा रहा। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को कई लोगों ने कठोर और असंवेदनशील बताया, क्योंकि इससे छोटे व्यापारियों और गरीब वर्ग पर असर पड़ा। सड़क किनारे दुकानदारों के खिलाफ सख्ती और नगर पुलिस द्वारा बल प्रयोग के आरोपों ने भी आलोचना को जन्म दिया। मानवाधिकार संगठनों ने इसे गरीबों के जीवनयापन पर असर डालने वाला कदम बताया।इसके अलावा प्रशासनिक टकराव, कर्मचारियों के वेतन विवाद और कुछ योजनाओं के अधूरे रहने से भी उनकी कार्यशैली पर सवाल उठे। बालेन शाह की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यह रही कि उन्होंने काठमांडू की राजनीति में नई ऊर्जा और जवाबदेही का माहौल पैदा किया। उन्होंने यह संदेश दिया कि नगर प्रशासन भी सख्ती से काम कर सकता है और राजनीतिक दबाव से परे निर्णय ले सकता है। लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती यह रही कि बड़े वादों को संस्थागत और स्थायी परिणामों में बदलना आसान नहीं होता। शहर की ट्रैफिक समस्या, कचरा प्रबंधन और शहरी अव्यवस्था जैसी कई समस्याएँ अभी भी पूरी तरह हल नहीं हो सकी हैं।कुल मिलाकर बालेन शाह को न तो पूरी तरह असफल कहा जा सकता है और न ही पूरी तरह सफल। उन्होंने काठमांडू की राजनीति में बदलाव की शुरूआत की है, लेकिन उस बदलाव को स्थायी परिणामों तक पहुँचाने की कसौटी अभी बाकी है।अगर उनकी ऊर्जा और ईमानदार छवि प्रशासनिक अनुभव और संस्थागत सहयोग के साथ जुड़ सके, तो वे नेपाल की राजनीति में एक दीर्घकालिक परिवर्तन के वाहक बन सकते हैं।

भारत की नेपाल से अपेक्षा

भारत के बीच संबंधों का सवाल केवल किसी एक नेता की व्यक्तिगत सोच का नहीं, बल्कि नेपाल-भारत के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रिश्तों से भी जुड़ा हुआ है। फिर भी हाल के वर्षों में काठमांडू महानगर के मेयर के रूप में बालेन शाह की सक्रियता और उनकी स्पष्टवादी शैली ने इस विषय को नई चर्चा दी है।

नेपाल और भारत के रिश्ते सदियों पुराने हैं। खुली सीमा, सांस्कृतिक समानताएं, धार्मिक आस्था और व्यापारिक निर्भरता दोनों देशों को स्वाभाविक साझेदार बनाते हैं। ऐसे में काठमांडू महानगर के मेयर बालेन शाह की भारत को लेकर कही गई बातों और उनके रुख पर स्वाभाविक रूप से ध्यान जाता है। बालेन शाह युवा, तकनीकी पृष्ठभूमि से आने वाले और पारंपरिक राजनीति से अलग छवि वाले नेता हैं। उन्होंने काठमांडू में अवैध निर्माण, अतिक्रमण और प्रशासनिक सुधारों को लेकर सख्त कदम उठाए हैं। इसी स्पष्टवादी शैली के कारण कभी-कभी उनके बयान भारत-नेपाल संबंधों को लेकर भी चर्चा में आ जाते हैं। दरअसल, नेपाल की राजनीति में समय-समय पर भारत और चीन के बीच संतुलन की बहस चलती रही है। बालेन शाह भी कई बार राष्ट्रीय स्वाभिमान और नेपाल की स्वतंत्र नीति की बात करते दिखाई देते हैं। यह दृष्टिकोण नेपाल के युवाओं के एक वर्ग में लोकप्रिय भी है, जो चाहता है कि नेपाल अपने हितों के आधार पर निर्णय ले।हालांकि यह भी सच है कि भारत और नेपाल के संबंध केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि जन-जन के रिश्ते हैं। लाखों नेपाली भारत में काम करते हैं, दोनों देशों के बीच व्यापार और आवागमन बेहद सहज है। इसलिए किसी भी नेता के लिए यह जरूरी है कि वह राष्ट्रीय हित के साथ-साथ इन ऐतिहासिक संबंधों की संवेदनशीलता को भी समझे। बालेन शाह जैसे युवा नेताओं से उम्मीद यही है कि वे नेपाल के विकास और स्वाभिमान को मजबूत करने के साथ-साथ पड़ोसी देशों के साथ सहयोग और संवाद का रास्ता भी खुला रखें। भारत और नेपाल के रिश्ते प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी के आधार पर ही आगे बढ़ सकते हैं।

बालेन शाह की राजनीति नेपाल में नई पीढ़ी के नेतृत्व का संकेत देती है। लेकिन भारत-नेपाल संबंधों की मजबूती इस बात पर निर्भर करेगी कि दोनों देश आपसी सम्मान, सहयोग और संतुलन की नीति को आगे बढ़ाएं। यही रास्ता क्षेत्रीय स्थिरता और विकास के लिए सबसे बेहतर है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।)

डायबिटीज में खतरनाक स्ट्रोक

'**स्ट्रोक**' मौत के दरवाजे पर दस्तक के समान है। अक्सर सुना जाता है कि अमुक व्यक्ति के पिता या बड़े भाई को 'स्ट्रोक' आया और तब से वे बिस्तर पर पड़े रहते हैं। ऐसे मरीजों को डायबिटीज व ब्लडप्रेशर पहले से जरूर था लेकिन जब से उन्हें स्ट्रोक आया, तब से उनका टहलना बिल्कुल बंद है। 'स्ट्रोक' के बाद चलते समय उन्हें सहारे की जरूरत आ गयी। ऐसे लोग भावुक भी हो जाते हैं। वे अपना दुखड़ा सुनाते समय रोने लगते हैं। कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें 'स्ट्रोक' के बाद गुस्सा आने लगता है। याददाश्त भी कमजोर होने की शिकायतें सामने आती हैं।

दरअसल, 'स्ट्रोक' अचानक आयी बेहोशी या फालिज या दोनों के एक साथ अटैक से आता है। बेहोशी तो ठीक हो गयी पर फालिज का हाथ या पैर पर असर बना रहा। पहले इस किस्म के स्ट्रोक के मामले ज्यादातर बूढ़े लोगों के साथ होते थे लेकिन अब डायबिटीज के बढ़ते प्रकोप से कम उम्र में भी लोगों को स्ट्रोक हो रहे हैं। आमतौर पर 50 की उम्र से ही डायबिटिक मरीज स्ट्रोक का शिकार होता है। निष्कर्ष निकला है कि 'स्ट्रोक' दुनिया भर में मौत का सबसे आम सौदागर है। मौतों में 'स्ट्रोक' तीसरा अहम कारण बन रहा है। डियबिटीज और दिल के मरीजों की मौत दूसरे नंबर पर है। महिलाओं के मुकाबले पुरूषों में डेढ़ गुना ज्यादा खतरा 'स्ट्रोक' का है। जानकार ताज्जुब होगा कि डियबिटीज में होने वाले पहले 'स्ट्रोक' के अटैक के दौरान सौ में से चालीस लोगों की मौत हो जाती है। बाकी साठ लोगों में दूसरी बार 'स्ट्रोक' का कहर टूटने पर ऐसे 35 फीसद मौतें होती है लेकिन तीसरी बार 'स्ट्रोक' होने पर 100 में से 35 लोग अपनी जान गंवाते हैं। दरअसल मेडिकल का शब्द है—टीआईए (ट्रांसिएंट इस्चीमिक अटैक)। इसके तहत क्षणिक बेहोशी या कमजोरी आ जाती है पर यह 24 घंटे से ज्यादा नहीं रूकती। ऐसे में वैस्कुलर सर्जन से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

ब्लडप्रेशर के मरीजों को भी 'स्ट्रोक' आ जाते हैं, साथ दिल की बीमारियों से पीड़ित रोगी भी 'स्ट्रोक' के घेरे में आते हैं। देखा गया है कि जिन लोगों को 'स्ट्रोक' आया, उनकी गर्दन में मौजूद धमनियों की दीवारों में चर्बी व कैल्शियम का जमाव हो गया था। इसे डॉक्टर 'एथिरोस्क्लेरोसिस' की प्रक्रिया कहते हैं। इसमें एक तरफ दिमाग को जाने वाले साफ खून की मात्रा में कभी आ जाती है और दूसरी तरफ चर्बी के टुकड़े दिमाग के अंदर मौजूद खून की नलियों में पहुंचकर उसे जाम कर देते हैं। अक्सर ये टुकड़े और खून के कण यानी प्लेटलेट ऊपर खिसक कर मस्तिष्क की नलियों को बंद कर देते हैं। इससे बार-बार अटैक होता रहता है। गर्दन की नलियों में सबसे ज्यादा 'कैराटिड' नली ही है, जो दिमाग में खून ले जाती है, इसलिए जरूरी है कि इस नली को सेहतमंद और चर्बी से दूर रखा जाए। ऐसा करने की सूरत में 80 प्रतिशत मरीजों में अटैक को रोका जा सकता है। गर्दन की दूसरी नली है 'वरटेब्रल आरट्री'। यह स्ट्रोक के पंद्रह प्रतिशत मरीजों में अटैक के लिए जिम्मेदार होता है। डायबिटीज के मरीजों में कैरोटिड नली में चर्बी जमा होने की प्रक्रिया जारी रहने की वजह से शुद्ध खून के बहाव में गतिरोध पैदा हो जाता है, कभी-कभी खून की नलियों में सूजन की बीमारी भी, खून के प्रवाह को रोक देती है। जैसे 'टाकायासू' नामक खून की नली का रोग, जो गर्दन की नली के साथ-साथ, शरीर की और भी खून की नलियों को प्रभावित करता है। सड़क दुर्घटनाओं में गर्दन पर चोट कैरोटिड नली की दीवार क्षतिग्रस्त होने पर यह खून के कतरे जमा हो जाते हैं, जिससे कैरोटिड नली के ऊपर दिमाग की आर जाने वाली खून की सप्लाई बंद हो जाती है।

क्या कैसे ?

डायबिटीज के मरीजों को कभी भी हल्का चक्कर आने या कमजोर की शिकायत होने पर तुरंत किसी वैस्क्युलर या कार्डियो वैस्कुलर सर्जन से मिलना चाहिए। सबसे पहले गर्दन की कैरोटिड नली की जांच करवाएं और खून के प्रवाह को सही कराने की कोशिश करें, वरना स्ट्रोक या अटैक से बचना मुश्किल होगा। अगर स्ट्रोक का हमला हो चुका है और आपके न्यूरोलॉजिस्ट इलाज कर रहे हैं, तो भी डॉक्टर को बताकर किसी वैस्कुलर सर्जन को दिला लें, जिससे दोबारा स्ट्रोक होने की संभावना कम रहे।

हेल्थ प्लस

अच्छी नींद से बेहतर होगी याददाश्त

एक नए शोध में यह बात सामने आई है कि याददाश्त को बेहतर करने के लिए अच्छी नींद आवश्यक है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि अच्छी नींद का असर दिमाग की कार्यशैली पर पड़ता है और अगर रात में अच्छी नींद हो तो सुबह दिमाग की कार्यशैली में जबर्दस्त फर्क पड़ता है। अच्छी नींद से दिमाग की कोशिकाओं के बीच समन्वय बेहतर होता है जो याददाश्त और सीखने के लिए जरूरी है। यूनिवर्सिटी ऑफ जिनेवा का यह शोध फेडरेशन ऑफ यूरोपियन न्यूरोसाइंस सोसाइटी कांफ्रेंस में पेश किया गया है। शोधकर्ताओं ने 32 लोगों पर शोध किया जिसमें उन्हें कुछ चित्र दिखाए या कोई नई चीज सिखाई गई जो उन्हें याद रखनी थी। इनमें एक बिंदु को जॉयस्टिक की मदद से कंप्यूटर पर घुमाना भी शामिल था। दो समूहों के इस शोध में एक समूह आठ घंटे सोने दिया गया, जबकि दूसरे समूह को या तो सोने नहीं दिया गया या फिर थोड़ी देर ही सोने दिया गया। जब अगले दिन दोनों समूहों से चित्रों को याद करने या फिर पिछले दिन सीखी गई चीजों को करने के लिए कहा गया तो पाया गया कि जो आराम से सोए थे, उन्होंने बेहतर प्रदर्शन किया। शोधकर्ता टीम के प्रमुख डा. सोफी स्वार्टज का कहना था, परिणामों के अनुसार एक नए अनुभव के बाद अच्छी नींद उस अनुभव को याद रखने में मदद करती है और सीखने में मदद करती है।

व्यस्त रहते हैं तो लें स्मार्ट डाईट

व्यस्त लोगों को स्वस्थ खानपान के लिए बस थोड़ी सी योजना बनाने की आवश्यकता होती है इसलिए यहां स्वस्थ लिविंग व स्वस्थ शरीर हासिल करने के लिए कुछ शार्टकट्स दिये जा रहे हैं...

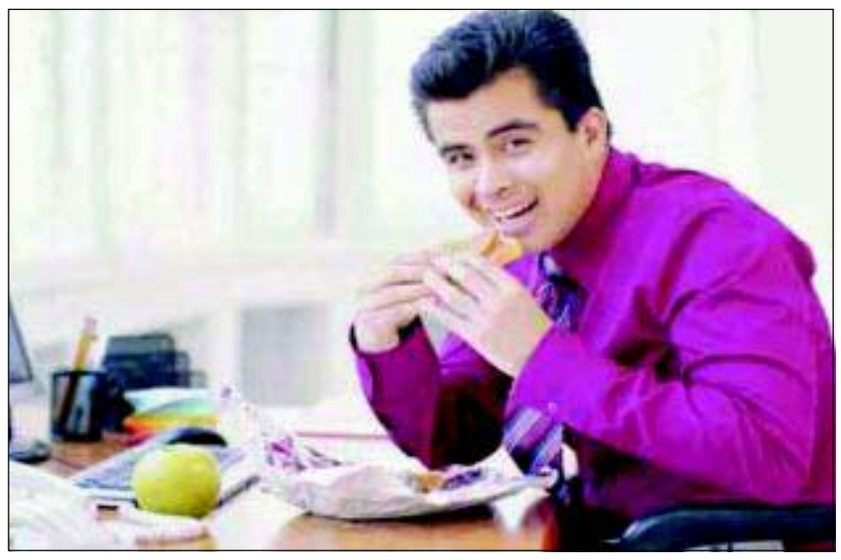

आज के युग में जब आलस भरी जीवनशैली नियम बन गयी है, तो देखने में यह अच्छा है कि लोगों की सेहत दिन पर दिन गिरती जा रही गै। लोग अपने आपको और अपने जिस्म को फार ग्रानटिड लेते जा रहे हैं। उन्हें यह भी याद नहीं रहता कि ढंग से खाना उन्होंने कब खाया था।

नाश्ता बहुत जरूरी है

अपनी सुबह की शुरूआत नाश्ते से करें। चाहे वह कोई फल हो या होल व्हीटब्रेड। ओट मील को गर्म पानी के थर्मस में डाल लें और आप पूरी रात इसे ऐसे ही रख भी सकते हैं। सुबह आपको गर्म पका हुआ ओटमील खाने के लिए तैयार मिलेगा। इसी तरह उबला हुआ अण्डा भी खाया जा सकता है। इस तरह आपका जिस्म भूख के मोड़ में नहीं जायेगा। रोजाना नाश्ता करने से आपकी पाचन दर भी बढ़ जायेगी।

दिन में पांच बार खाना खायें

दिन में कम से कम पांच बार खाना खायें। इनमें से तीन मुख्य मील्स हो सकते हैं-ब्रेकफास्ट, लंच और डिनर। जबकि बाकी दो मील्स ऐसे हों जिनमें पौष्टिक स्नैक्स लिए जा सकें। कई बार खाने से भूख नहीं लगती, नियमित ऊर्जा मिलती रहती है और पाचन क्षमता भी बरकरार रहती है। स्वस्थ फूड्स खायें जैसे फल जिनमें अधिक फाइवर होता है- सेब, तरबूज, खरबूजा, संतरा, स्वीटलाइम, पपीता और पीच।

डिनर की योजना बनायें

कुछ लोगों के काम की मांग होती है कि उन्हें अक्सर डिनर के लिए रेस्त्रों में जाना पड़ता है। हमेशा छुपे हुए फैट्स पर ध्यान दें। क्रीमी सूप, व्हाइट ब्रेड, फलेती पेस्ट्री और मायोनेज आधारित सलाद ड्रैसिंग फूड में अनावश्यक फैट्स बढ़ा देते हैं। क्रीमी सूप की जगह ब्रोथ्स लें। मायोनेज ड्रैसिंग की जगह नींबू, सिरका, हर्ब्स, प्याज, लहसुन आदि का इस्तेमाल करें ताकि सलाद का स्वाद व पाचन क्षमता बढ़ जाये। ध्यान रहे कि एक ग्राम फैट में दो गुनी कैलोरियां होती हैं, एक ग्राम प्रोटीन या कार्बोहाइड्रेट की तुलना में। फ्राइड फूड्स की जगह ग्रिल्ड, वेक्ड, उबला हुआ या ब्रोइल्ड फूड खायें।

यात्रा के दौरान हाईड्रेट रहें

आपका काम ऐसा हो सकता है जिसमें यात्रा बहुत करनी पड़ती हो। हवाई यात्रा सबसे ज्यादा डी-हाइड्रेटिंग अनुभव होता है। यही वजह है कि लोग अक्सर खराब गले और अन्य सांस की बीमारियों की शिकायत करते हैं। इनसे बचने के लिए हवाई यात्रा के पहले या बाद में कैफीन, कोला या एल्कोहल न लें क्योंकि यह डाइयूरेटिक्स होते हैं और पानी की कमी को बढ़ा देते हैं। नमकीन स्नैक्स से बचें जैसे साल्टिड पीनट्स या फ्राइड फूड्स ताकि डी-हाईड्रेशन को कम किया जा सके। पानी, फ्रूट जूस, नारियल पानी, नींबू पानी आदि के रूप में अधिक लूइड लेने का प्रयास करें। हर व्यक्ति को दिन में 12 से 15 गिलास पानी पीना चाहिए। यात्रा में तनाव बढ़ जाता है इसलिए प्रोटीन की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिसकी भरपाई करने के लिए रोज थोड़ी सी अधिक प्रोटीन लें।

दिमाग हेतु जरूरी फलों का जूस

फलों या सब्जियों के जूस का प्रति सप्ताह तीन बार सेवन करने से अल्जाइमर नामक रोग का खतरा कम हो जाता है। ऐसा एक अध्ययन में सामने आया है जूस में मौजूद एंटी ऑक्सीडैंट्स हो सकती है इसके पीछे कारण हों।

यदि आप अपनी कमर के आकार को फैलने से रोकना चाहती हैं तो कम कैलोरी वाले या बिना अतिरिक्त शूगर वाले फलों का चुनाव करें।

ड्रिंकिंग जूस के साथ ही एंटी ऑक्सीडैंट्स की रोजमर्रा की जरूरत पूरी करने के लिए आप पूरा फल खाएं। इससे आपकी डाइट में फाइबर भी शामिल होगा। फलों तथा सब्जियों में पाए जाने वाले एंटीऑक्सीडैंट्स आपके दिमाग को ऑक्सीडेटिव डैमेज से बचा सकते हैं। ये डैमेज हाइड्रोजन पराक्साइड तथा कुछ निश्चित प्रोटीन्स की कमी के कारण होते हैं।

ताजा और रस भरे

एक हालिया अध्ययन में शोधकर्त्ताओं ने पाया कि जो लोग सप्ताह में तीन या अधिक बार फलों के जूस का सेवन करते हैं उनमें प्रति सप्ताह एक बार फलों के जूस का सेवन करने वालों के मुकाबले अल्जाइमर रोग विकसित होने का खतरा कम होता है। हालांकि इस बात को प्रमाणित करने के लिए अभी और शोध की आवश्यकता है फिर भी जूस आपके भोजन में फलों को शामिल करने का आसान तरीका है। जूस के साथ ही नियमित कसरत तथा मानसिक उत्तेजना 'डिमैंशिया' यानी स्मृति नाश का मुकाबला करने में काफी सहायता मिलती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष — चू चे चो ला ली लू ले लो आ

कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष — इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन — का की कू घ ड छ के को हा

व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क — ही हू हे हो डा डी डू डे डो

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह — मा मी मू मे मो टा टी टू टे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या — टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला — रा री रु रे रो ता ती तू ते

लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक — तो ना नी नू ने नो य यी यू

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु — ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर — भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ — गू गे गो सा सी सू से सो दा

आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन — दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3822

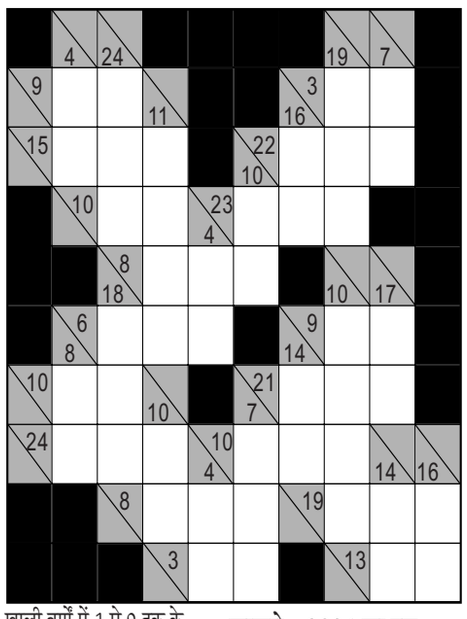

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

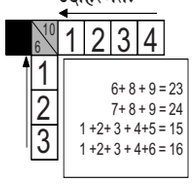

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=15
1+2+3+4=16

काकुरो - 3821 का हल

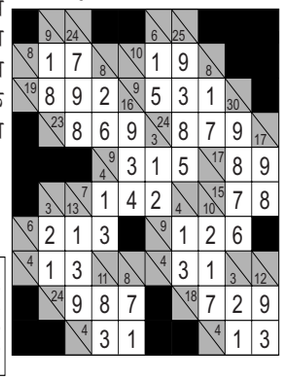

हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3822

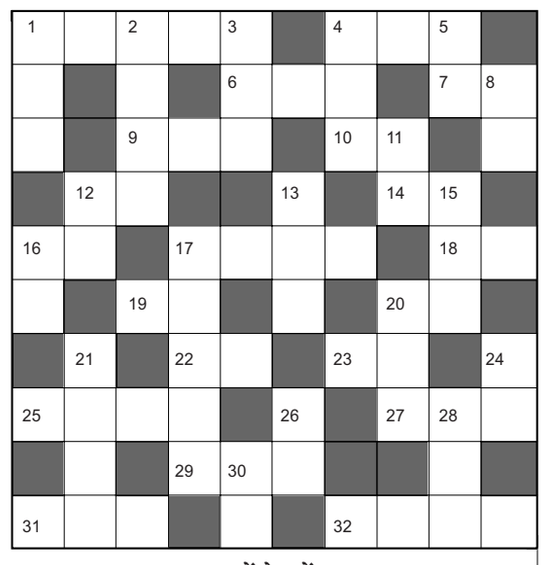

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, राखी, की 'एक रास्ता है' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली फिल्म-३
६. सनी देओल, रवीना की 'दिल ना किसी का जाये' गीत वाली फिल्म-३
७. 'मैं तुझसे मिलने आई मंदिर जाने के बहाने' गीत वाली की फिल्म-२
९. संजयदत्त, पूजा की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राज बब्बर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की' गात वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'जिंदगी के खेल में' गात वाली अनिल कपूर, माधुरी की फिल्म-२
२०. फिल्म 'डकैत' में मीनाक्षी के साथ नायक कौन था ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. जीतेंद्र, जया की 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली फिल्म-४
२७. 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी, जया की फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीव, राखी की एक फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनीलदत्त, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. 'सुंदरा सुंदरा' गात वाली फिल्म-३
४. फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'राहों में उड़ती जाए बिछड़े' गीत वाली फिल्म-२
८. 'जीवनमृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका ?-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है ?-२
१२. 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. संजय कपूर, शिल्पा की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' में गोविंदा की नायिका कौन थी ?-२
१७. 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. 'आंखों में नींदें ना' गीत वाली फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी की एक फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
३०. विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली-3821

बा	ग	बा	न	■	त्रि	■	धू	म
रू	■	द	■	ख्व	दे	श	■	र्या
द	ला	ल	■	■	व	■	दा	दा
■	ड़	■	प्या	सा	■	सी	मा	■
दु	ला	श	■	ज	ख्मी	■	द	म
श्म	■	ज	मी	न	■	ने	■	म
नी	तू	■	ना	■	म	ह्य	न	ता
■	■	आ	■	दो	स्त	■	गी	■
दि	ल	ज	ले	■	■	बे	ना	म

सूडोकु -3822

				1			6	
					5			
2		3	9			8		
6							5	
			8		3			
	1							4
		7			1	3		9
			2					
	5			6				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3821 का हल

7	6	8	2	1	9	3	4	5
2	1	5	6	3	4	8	7	9
3	4	9	5	7	8	6	1	2
5	7	4	8	6	1	9	2	3
9	2	1	3	4	5	7	8	6
8	3	6	7	9	2	1	5	4
1	5	3	4	8	5	2	9	7
4	9	7	1	2	3	5	6	8
6	8	2	9	5	7	4	3	1

शब्द पहेली - 3822

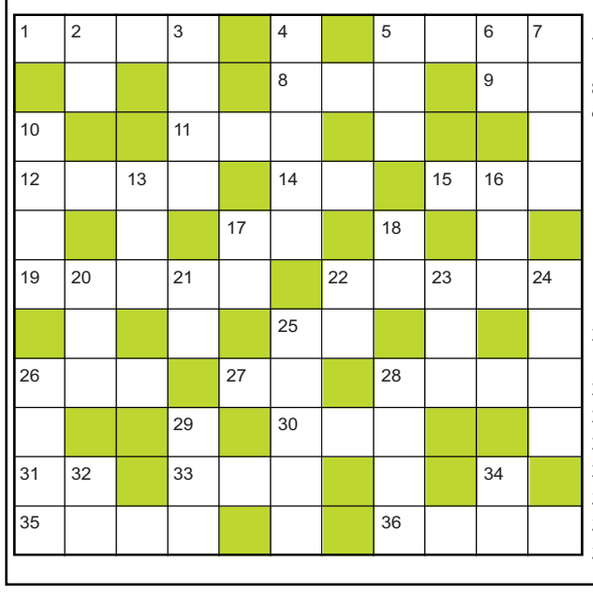

बाएँ से दाएँ

1.आदत से मजबूर-4
5.एक वाद्य यंत्र (अंग्रेजी-4)
8.हवा, समीर-3
9.रुष्ट, गुस्सा होना-2
11.सफेद, श्वेत-3
12.हमेशा, सदैव-4
14.मस्तूल, नाव पर बांधा जाने वाला कपड़ा-2
15.सिर्फ, महज-3
17.अनाज का कण-2
19.आधुनिक, नया-5
22.एक प्रकार का मसाला, अजमोदा-5
25.सदैव-2
26.ध्वजा-3
27.अधिकार-2
28.असमकक्ष-4
30.चिलमन, नकाब-3
31.वायु रोग-2
33.नल, टोंटी-3
35.आवश्यकता-4
36.शमशीर-4

ऊपर से नीचे

2.राजनीतिक पार्टी-2
3.नीच, अपराधी-4
4.बिजली कौंधना-5
5.बंदर, मर्कट-3
6.जूं का अंडा-2
7.दक्षता, होशियारी-4
10.उपकार, दया भार-4
13.कुचलना, दबाना-3
16.आमदनी-3
17.मूल्य, कीमत-2
18.वाद्य यंत्र-2
20.बहादुरी-3
21.इस पर रोटी सेंकते हैं-2
22.नाज, नखरा-2
23.उत्तराधिकारी-3
24.आधुनिकता-4
25.झिझकना-5
26.हौसला, ताकत-4
28.शत्रुता, दुश्मनी-4
29.हूर, परी, अप्सरा (उर्दू-3)
32.पेड़, दरख्त-2
34.औषधि-2

शब्द पहेली -3821 का हल

■	सो	लि	या	गां	धी	■	म	हा	न	ता
खा	ना	■	प	■	र	क्ष	क	■	म	ल
ना	■	म	न	सि	ज	■	र	ग	■	मे
ब	ला	त	■	■	वा	दा	■	म	ह	ल
दो	■	दा	■	क	ला	■	आ	■	व	■
श	य	न	क	क्ष	■	दि	शा	ही	न	ता
■	म	■	प	■	ह	ल	■	न	■	क
का	ज	ल	■	शा	म	■	■	त	ह	त
म	■	त	य	■	व	फा	दा	र	■	व
धो	र	■	की	म	त	■	म	■	का	र
र	म	जा	न	■	न	य	न	ज	ल	■

खाड़ी क्षेत्र तनाव से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती, मूंगफली तेल में गिरावट

- गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े

नई दिल्ली ।

ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संभावित हमलों के बीच खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा है। होर्मुज जलडमरूमुख से तेल और तिलहन के आयात पर असर की आशंका ने बाजार धारणा को मजबूत किया। विशेषकर सोयाबीन तेल की आपूर्ति पर दबाव बढ़ा है, जो भारत में आयातित तेलों में सबसे महत्वपूर्ण है। बीते सप्ताह सरसों की नई फसल की आवक बढ़ी, बावजूद इसके दाम मजबूत रहे। खाड़ी क्षेत्र में तनाव के कारण सप्लाई की चिंताएं बनीं। हरियाणा, राजस्थान और गुजरात सरकारों द्वारा एमएसपी पर सरसों खरीद का ऐलान किसानों के लिए राहत का कारण बना। सरकारी स्टॉक को बढ़ाकर 20-25 लाख टन बनाए रखने की सलाह दी गई है। कांडला बंदरगाह पर सूरजमुखी तेल 162 रुपए प्रे ति किलो और सोयाबीन रिफाइंड तेल 138 रुपए प्रे ति किलो रहे। सूरजमुखी तेल महंगा होने से दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में सोयाबीन तेल पर मांग बढ़ी। विशेषज्ञों ने सुझाव दिया कि सोयाबीन की बिजाई से पहले सरकारी स्टॉक को नियंत्रित रूप से जारी किया जाए, ताकि अक्टूबर में किसानों को बेहतर दाम मिल सकें। सरकारी एजेंसियों की मूंगफली की बिक्री के कारण मूंगफली तेल के दाम गिरावट पर रहे। गर्मी में पाम और पामोलीन तेल की मांग बढ़ी और युद्ध की वजह से बाजार धारणा मजबूत होने से इनके दाम बढ़े। नवरात्र और शादी-विवाह के मौसम में बिनौला तेल की मांग बढ़ी। कमजोर आवक और मजबूत बाजार धारणा ने बिनौला तेल के दामों में सुधार किया। सूत्रों के मुतो बिक बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये के सुधार के साथ 6,600-6,625 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 300 रुपये के सुधार के साथ 13,750 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40-40 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,325-2,425 रुपये और 2,355-2,470 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशः 250-250 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 5,600-5,650 रुपये और 5,200-5,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।

मिडिल ईस्ट तनाव से एशिया में ऊर्जा संकट बढ़ा

मुंबई ।

मिडिल ईस्ट में हालिया सैन्य घटनाओं ने एशिया में ऊर्जा आपूर्ति पर सीधा असर डाला है। अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमलों के बाद शुरू हुई जवाबी कार्रवाई से तेल और गैस उत्पादन प्रभावित हुआ है। इसके साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य में आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह मार्ग खाड़ी क्षेत्र के बड़े तेल उत्पादक देशों से एशिया और दुनिया के अन्य हिस्सों तक ऊर्जा पहुंचाने के लिए अहम माना जाता है। ऊर्जा आपूर्ति में बाधा के कारण एशिया के कई देशों में संकट के संकेत दिखने लगे हैं। बिजली कंपनियों और रिफाइनरियों के पास ईंधन का भंडार घटने लगा है। सिंगापुर में जहाजों को ईंधन उपलब्ध कराने वाली कंपनियों ने आपूर्ति सीमित कर दी है। फिलीपींस ने सरकारी दफ्तरों के कामकाज के दिन कम कर दिए हैं, जबकि बांग्लादेश ने रमजान के दौरान सजावटी रोशनी सीमित की है। चीन ने घरेलू जरूरतों को सुरक्षित रखने के लिए रिफाइनरियों से ईंधन निर्यात कम करने के निर्देश दिए हैं। ऊर्जा संकट का असर उद्योगों पर भी पड़ रहा है। पाकिस्तान के एक कारोबारी का कहना है कि गैस की कमी और बढ़ती लागत के कारण उत्पादन में 35 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। वहीं कतर और संयुक्त अरब अमीरात में हवाई अड्डों के बंद होने से अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों तक माल भेजना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है तो एशियाई देशों में ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उत्पादन लागत और ईंधन कीमतें बढ़ सकती हैं, जबकि सरकारों को बचाव के अस्थायी उपाय करने पड़ सकते हैं।

ईवी स्टार्टअप की भागीदारी बढ़ाने ऑटो पीएलआई मानदंडों में ढील की जरूरतः यूलर मोटर्स

यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपए का निवेश किया

नई दिल्ली ।

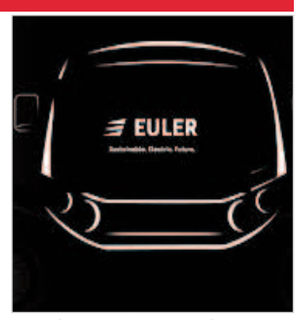

यूलर मोटर्स ने कहा है कि भारत की ऑटोमोबाइल पीएलआई योजना के वर्तमान मानदंड छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स के लिए बहुत कठोर हैं। योजना के तहत, एक ऑटो निर्माता का न्यूनतम वैश्विक समूह राजस्व 10,000 करोड़ रुपये और अचल संपत्तियों में निवेश 3,000 करोड़ रुपये होना आवश्यक है। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार ऐसे उच्च मानक यूलर मोटर्स जैसी कंपनियों को योजना में भाग लेने से रोकते हैं। कंपनी छोटे इलेक्ट्रिक ट्रकों और तिपहिया वाहनों के क्षेत्र में सक्रिय है और इसके पास इलेक्ट्रिक चार-पहिया और तीन-पहिया वाणिज्यिक कार्गो वाहन हैं। यूलर मोटर्स ने अब तक लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश किया है और अगले दो से ढाई वर्षों में 500 से 1,000 करोड़ रुपये और निवेश करने की योजना है। उनका कहना है कि कुल निवेश को ध्यान में रखते हुए, कंपनी अचल संपत्तियों के 3,000 करोड़ रुपये के मानदंड की राह पर है। कुमार ने सुझाव दिया कि केवल अचल संपत्तियों पर जोर देने की बजाय योजना का दायरा स्टार्टअप द्वारा किए गए कुल निवेश तक बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे अधिक स्टार्टअप्स तकनीक और आरएंडडी में निवेश कर सकेंगे और भारत की हरित गतिशीलता यात्रा में योगदान दे सकेंगे। कुमार ने जोर देकर कहा कि चार-पहिया ईवी क्षेत्र में सक्रिय कंपनियां बहुत कम हैं, इसलिए सरकार को छोटे स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करना चाहिए।

कंपनी ने मांग की है कि पीएलआई योजना को अधिक लचीला बनाया जाए ताकि छोटे और मध्यम ईवी स्टार्टअप्स भी योजना का लाभ उठा सकें। इससे देश में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और हरित वाहनों के विकास को मजबूती मिलेगी।

जैक्कार समूह का लाइटिंग व्यवसाय के राजस्व को 1,700 करोड़ करने का लक्ष्य

- वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली ।

बाथरूम और लाइटिंग समाधान में अग्रणी जैक्कार समूह ने अपने लाइटिंग व्यवसाय के विस्तार के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किए हैं। समूह के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि लाइटिंग व्यवसाय वर्तमान में समूह के कुल राजस्व का 8-10 प्रतिशत योगदान देता है। वित्त वर्ष 2024-25 में समूह का कुल कारोबार 7,493 करोड़ रुपये था और वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लगभग 8,300 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा गया है।

चालू वित्त वर्ष में लाइटिंग व्यवसाय से लगभग 700 करोड़ रुपये का राजस्व मिलने की उम्मीद है। जैक्कार लाइटिंग के पोर्टफोलियो में एलईडी, व्यावसायिक, आउटडोर और फसाड लाइटिंग के साथ-साथ उपभोक्ता प्रकाश उत्पाद जैसे बल्ब और ट्यूब लाइट शामिल हैं। कंपनी तकनीकी नवाचार और उत्पाद विविधीकरण के माध्यम से बाजार हिस्सेदारी बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में लाइटिंग व्यवसाय का राजस्व 1,600-1,700 करोड़ रुपये तक बढ़ाने का लक्ष्य है। इसके लिए भिवाड़ी में नए लाइटिंग संयंत्र के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश योजना में शामिल है। उन्होंने कहा कि तकनीकी प्रगति की तेज गति के कारण अगले दो-तीन वर्षों में अतिरिक्त निवेश 50-60 करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जैक्कार लाइटिंग का यह रणनीतिक विस्तार समूह के कुल राजस्व में लाइटिंग का योगदान बढ़ाने के साथ-साथ तकनीकी उन्नति और उत्पादन क्षमता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत में अब कुल 308 अरबपति, मुकेश अंबानी बने सबसे अमीर

- पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए

मुंबई ।

हुरुन ग्लोबल रिच लिस्ट 2026 की रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब कुल 308 अरबपति हो गए हैं, जो पिछले साल से 24 अधिक हैं। इस बढ़ोतरी के साथ भारत अरबपतियों की संख्या के मामले में दुनिया में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, केवल अमेरिका और चीन से पीछे। पिछले एक वर्ष में भारत में 57 नए अरबपति जुड़े, जबकि 27 लोग सूची से बाहर हुए। कुल अरबपतियों में लगभग 7 फीसदी महिलाएं हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारतीय अरबपतियों की कुल संपत्ति में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एक साल में उनकी संपत्ति लगभग 10 फीसदी बढ़कर 112.6 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान 199 अरबपतियों की संपत्ति में वृद्धि हुई, जबकि 109 की संपत्ति में कमी या कोई खास बदलाव नहीं हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी एक बार फिर भारत और एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने। उनकी कुल संपत्ति लगभग 9.8 लाख करोड़ रुपये है, जिसमें पिछले साल की तुलना में करीब 9 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। गौतम अडानी अडानी ग्रुप के प्रमुख दूसरे स्थान पर हैं, हालांकि उनकी संपत्ति में 14 फीसदी की गिरावट आई है और अब यह 7.5 लाख करोड़ रुपये रह गई है। तीसरे स्थान पर रोशनी नाडर मल्होत्रा, एचसीएल टेक्नोलॉजी की चेयरपर्सन हैं। उनकी संपत्ति लगभग 3.2 लाख करोड़ रुपये है और वह भारत के शीर्ष 10 अमीरों में इक लौती महिला हैं।

इस साल सबसे अधिक नए अरबपति हेल्थकेयर क्षेत्र से सामने आए हैं, कुल 53 नए नाम शामिल हुए। इसके बाद औद्योगिक उत्पाद क्षेत्र से 36 और उपभोक्ता वस्तु क्षेत्र से 31 नए अरबपति जुड़े। संपत्ति के मामले में ऊर्जा क्षेत्र सबसे आगे रहा। केवल 8 अरबपतियों के पास 18.3 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति है, जो भारत के कुल अरबपति धन का लगभग 16 फीसदी है। साइरस एस पूनावाला, सीरम इंस्टीट्यूट आफ इं डिया के संस्थापक और चेयरमैन, इस साल सबसे बड़े वेल्थ गेनर बने। उन्होंने केवल एक साल में लगभग 0.91 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति जोड़ी।

तांबा महंगा होने, रुपया कमजोर पड़ने से 5-15 प्रतिशत बढी एसी की कीमतें

नई दिल्ली । भारत की प्रमुख एयर कंडीशनर (एसी) कंपनियां डाइकिन, वोल्टास, ब्लू स्टार, एलजी, हायर और मित्सुबिशी हैवी इंडस्ट्रीज ने अपने विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 5 से 15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की है। कंपनियों का कहना है कि तांबे जैसी महत्वपूर्ण कच्ची सामग्री की बढ़ी कीमतें, अमेरिकी डॉलर की मजबूती और माल ढुलाई खर्च में वृद्धि मुख्य कारण हैं। इसके अलावा नए ऊर्जा दक्षता मानकों के लागू होने से एसी और अधिक कुशल बने हैं, जिससे उत्पादन लागत भी बढ़ गई है। फरवरी से अप्रैल तक लागू होने वाली यह कीमत बढ़ोतरी गर्मी के मौसम से ठीक पहले हो रही है, जब एसी की मांग अपने चरम पर होती है। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि भीषण गर्मी और नए स्टार-रेटेड मॉडलों से बिजली की बचत की उम्मीद से इस साल बिक्री की गति मजबूत रहने वाली है। डाइकिन इंडिया ने अप्रैल से 12 फीसदी, ब्लू स्टार ने फरवरी में 8-10 फीसद और वोल्टास ने 5-15 फीसदी की बढ़ोतरी की। कंपनी का कहना है कि कच्चे माल की लगातार बढ़ती लागत मूल्य समायोजन के लिए आवश्यक थी।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों ने त्योहारी तिमाही में दर्ज की जोरदार वृद्धि

- कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता बढ़कर 2.43 करोड़ हुए

नई दिल्ली । भारत की शीर्ष ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों स्विगी, मैजिकपिन और जोमैटो ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। उद्योग के विशेषज्ञों के अनुसार त्योहारों के दौरान बढ़ी मांग, किफायती ऑफर और बढ़ते उपयोगकर्ता आधार ने ऑर्डर की संख्या में तेजी लाने में मदद की। लगातार निवेश, नवाचार और मूल्य-आधारित प्रस्तावों से इस क्षेत्र की वृद्धि की गति अगले तिमाहियों में भी बनी रहने की उम्मीद है। मैजिकपिन के प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि तिमाही शानदार रही। दिल्ली-एनसीआर जैसे परिपक्व बाजार स्थिर रहे, जबकि बेंगलुरु, हैदराबाद और मुंबई जैसे शहरों में सकल ऑर्डर मूल्य में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई। स्विगी ने बताया कि तिमाही में वृद्धि नई गति, चयन और सामर्थ्य के प्रस्तावों की वजह से आई। कंपनी के औसत मासिक लेन-देन करने वाले उपयोगकर्ता सालाना 22 प्रतिशत बढ़कर 2.43 करोड़ हो गए, जबकि कुल ऑर्डर 23 करोड़ से बढ़कर 29.4 करोड़ हो गए। जोमैटो के फूड डिलीवरी व्यवसाय ने भी इस तिमाही में सकारात्मक रुझान दिखाया। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने 9,846 करोड़ रुपये का शुद्ध ऑर्डर मूल्य दर्ज किया, जो सालाना 16.6 प्रतिशत अधिक है। विशेषज्ञ मानते हैं कि त्योहारी सीजन के अलावा निरंतर निवेश, प्रचार और मूल्य-आधारित रणनीतियों से कंपनियों की वृद्धि गति आने वाले तिमाहियों में भी बनी रहेगी।

सोना साप्ताहिक आधार पर 5060 सस्ता, चांदी में 10000 रुपए की गिरावट

- मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी

नई दिल्ली ।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के बावजूद भारत में सोने की कीमतों में पिछले सप्ताह गिरावट देखने को मिली। 24 कैरेट सोना 5,060 रुपये सस्ता होकर दिल्ली में 1,63,800 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। 22 कैरेट सोना भी 4,650 रुपये गिरकर 1,50,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड कर रहा है। शुक्रवार को दिल्ली के सराफा बाजार में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,100 रुपये घटकर 1,64,100 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई थी। विशेषज्ञों के अनुसार लगातार दूसरे दिन की मुनाफासूली ने घरेलू बाजार पर दबाव डाला। मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,640 और 22 कैरेट 1,47,690 रुपए प्रति 10 ग्राम पर है। पुणे और बेंगलुरु में भी यही कीमतें दर्ज की गई हैं। अन्य प्रमुख शहरों जैसे जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने का भाव 1,63,800 रुपए और 22 कैरेट 1,50,150 है। अहमदाबाद और भोपाल में 24 कैरेट 1,63,700 और 22 कैरेट 1,50,050 रुपए पर कारोबार हो रहा है। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुरक्षित निवेश वाले एसेट्स की मांग बढ़ी। हाजिर सोना 14.70 डॉलर बढ़कर 5,095.81 प्रति औंस पर पहुंच गया। चांदी की कीमत में भी सासो हिक गिरावट रही। दिल्ली में 8 मार्च की सुबह चांदी 2,85,000 प्रति किलोग्राम पर थी, जबकि शुक्रवार को यह 2,71,700 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर चांदी 1.4 फीसदी बढ़कर 83.40 डॉलर प्रति औंस पर ट्रेड कर रही है। जनवरी 2026 में चांदी ने 4,00,000 रुपए के आंकड़े को पार किया था।

पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों से प्रभावित होगा शेयर बाजार

- ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव बाजार में बढ़ा सकता है अस्थिरता

मुंबई । इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे जुड़ी भू-राजनीतिक घटनाओं पर निर्भर करेगी। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस संघर्ष के चलते बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक) की बिकवाली बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक संघर्ष का स्पष्ट परिणाम सामने नहीं आता और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट नहीं होती, विदेशी निवेशक बाजार में बड़े पैमाने पर निवेश करने की संभावना कम है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड इस सप्ताह 8.52 प्रतिशत उछलकर 92.69 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि उच्च तेल कीमतें भारत जैसी तेल आयातक अर्थव्यवस्थाओं के लिए नकारात्मक संकेत हैं। उन्होंने कहा कि ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित करता है और बाजार में अस्थिरता बढ़ा सकता है। उन्होंने कहा कि ब्रेंट क्रूड का 90 डॉलर से ऊपर होना भारतीय अर्थव्यवस्था और शेयर बाजार के लिए बुरी खबर है। विश्लेषकों के अनुसार वैश्विक बाजार के रुझान और एफपीआई की गतिविधियां भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित करेंगी।

यदि वैश्विक बाजार सकारात्मक रहेगा, तो कुछ हद तक भारतीय बाजार में स्थिरता बनी रह सकती है। लेकिन पश्चिम एशिया संकट और तेल की कीमतों में तेजी इसे दबाव में रख सकते हैं। घरेलू मोर्चे पर निवेशक 12 मार्च को आने वाले उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। ये आंकड़े निवेशकों को अर्थव्यवस्था की वर्तमान स्थिति और मौद्रिक नीति के रुझान का संकेत देंगे।

एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार से निकाले 21,000 करोड़

फरवरी में भारी निवेश के बाद मार्च में बिकवाली

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने पिछले चार कारोबारी सत्रों में भारतीय इक्विटी से करीब 21,000 करोड़ रुपये की निकासी की है। फरवरी में एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजार में 22,615 करोड़ रुपये का निवेश किया था, जो पिछले 17 महीनों में सबसे बड़ी मासिक निवेश राशि थी। इससे पहले एफपीआई लगातार तीन महीनों तक शुद्ध विक्रेता रहे थे। जनवरी में 35,962 करोड़, दिसंबर में 22,611 करोड़ और नवम्बर में 3,765 करोड़ रुपये की निकासी हुई थी। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि मार्च की बिकवाली का प्रमुख कारण पश्चिम एशिया में बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव है। एंजेल वन के वरिष्ठ विश्लेषक वकार जावेद खान के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यवधान के डर ने ब्रेंट क्रूड की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंचा दी, जिससे वैश्विक स्तर पर जोखिम से बचने की प्रवृत्ति बढ़ी। इस दौरान रुपया 92 प्रति डॉलर से नीचे चला गया, जबकि अमेरिकी ट्रेजरी बॉन्ड के प्रतिफल में वृद्धि हुई। बाजार के जानकारों ने कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष की अनिश्चितता, हालिया बाजार सुधार और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने एफपीआई की बिकवाली को और तेज किया।

देश की प्रमुख आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.81 लाख करोड़ घटा

- शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस और इंफोसिस के मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में गिरावट की वजह से देश की प्रमुख 10 मूल्यवान कंपनियों में आठ के संयुक्त बाजार मूल्यांकन में 2,81,581.53 करोड़ रुपये की कमी आई है। इसमें भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान उठाना पड़ा। शीर्ष 10 की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस ही ऐसी कंपनियां रहीं, जिनके मूल्यांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 53,952.96 करोड़ रुपये घटकर 10,55,567.27 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 46,936.82 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 9,40,049.82 करोड़ रुपये पर आ गया। एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 46,552.3 करोड़ रुपये घटकर 13,19,107.08 करोड़ रुपये रह गया। लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) के बाजार पूंजीकरण में 45,629.03 करोड़ रुपये की कमी आई और यह 5,43,208.36 करोड़ रुपये रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 28,934.56 करोड़ रुपये घटकर 5,91,136.03 करोड़ रुपये पर आ गया। इसके विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 14,750.39 करोड़ रुपये बढ़कर 19,01,583.05 करोड़ रुपये हो गया। इंफोसिस का मूल्यांकन भी 3,459.99 करोड़ रुपये चढ़कर 5,30,546.54 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। बाजार पूंजीकरण के मामले में रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई

उत्तर प्रदेश विद्युत आयोग ने उपभोक्ताओं को दिलाई बड़ी राहत

अब वापस होंगे स्मार्ट मीटर के नाम पर वसूले 127 करोड़

लखनऊ । उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर वसूली गई अतिरिक्त राशि को लौटाने का आदेश दिया है। आयोग ने कहा कि 1 अप्रैल 2025 के बाद जो उपभोक्ताओं से अधिक पैसे लिए गए हैं, उन्हें लगभग 127 करोड़ रुपये बिजली बिलों में समायोजित कर वापस किया जाए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल की थी। उन्होंने बताया कि नए कनेक्शन पर सिंगल फेज में 6016 रुपये और थ्री फेज में 11341 रुपये लिए गए, जबकि वास्तविक शुल्क सिंगल फेज 2800 रुपये और थ्री फेज 4100 रुपये था। इस अवधि में 10 सितंबर 2025 से 31 दिसंबर 2025 के बीच कुल 3,53,357 नए कनेक्शन जारी किए गए और इसी दौरान अतिरिक्त राशि वसूली गई। आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार और सदस्य संजय कुमार सिंह ने याचिका पर सुनवाई कर यह आदेश दिया।

फीफा विश्व कप 2026 के लिए मेक्सिको में 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती

मेक्सिको सिटी (एजेंसी)। मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने घोषणा की है कि इस वर्ष होने वाले 2026 फीफा विश्व कप 23वां फीफा विश्व कप होगा जो कि फुटबॉल का एक अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट है. के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लगभग 1 लाख सुरक्षाकर्मियों की तैनाती की जाएगी। उन्होंने जलिस्को राज्य की राजधानी ग्वाडालाजारा में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि देश विश्व कप की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शीनबाम ने कहा कि सरकार जलिस्को और पूरे देश के लोगों की शांति, सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विश्व कप के दौरान मेक्सिको आने वाले लाखों दर्शकों और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराया जाएगा।

यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब हाल ही में एक सैन्य अभियान में कुख्यात कार्टेल सरगना की मौत के बाद देश के कई हिस्सों में हिंसा बढ़ गई है। 22 फरवरी को उसकी मौत के बाद जलिस्को न्यू जेनरेशन कार्टेल के सदस्यों ने मैक्सिकन सेना के साथ गोलीबारी की, सड़कों को जाम किया और कई वाहनों में आग लगा दी। सुरक्षा योजना के तहत 20,000 सैनिकों और 55,000 पुलिस अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा निजी सुरक्षा कंपनियों के कर्मियों को भी शामिल किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए 2,500 सैन्य और नागरिक वाहन, 24 एयरक्राफ्ट, एंटी-ड्रोन सिस्टम और विस्फोटक व अन्य संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाने के लिए प्रशिक्षित कुत्तों की मदद ली जाएगी।

मेक्सिको के सैन्य अधिकारी को इस बड़े सुरक्षा अभियान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि पहली चुनौती अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने एक भरोसेमंद, सुरक्षित और सुव्यवस्थित मेक्सिको पेश करना है। साथ ही, सरकार को उन खतरों का भी सामना करने के लिए तैयार रहना होगा जो राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने जनवरी से विशेष प्रशिक्षण शुरू कर दिया है और आने वाले हफ्तों में इसे और तेज किया जाएगा। मेक्सिको, यूनाइटेड स्टेट और कनाडा के साथ मिलकर 11 जून से 19 जुलाई तक विश्व कप की सह-मेजबानी करेगा। मेक्सिको में कुल 13 मैच खेले जाएंगे, जिनमें पांच मेक्सिको सिटी में, चार ग्वाडालाजारा में और चार मॉन्टेरी में आयोजित होंगे।

टी-20 विश्व कप : सबसे तेज शतक लगाने वालों में फिन एलेन सबसे आगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी-20 विश्व कप में तेज शतक लगाने वालों में अगर छह लोगों की सूची देखा जाए तो उसमें कोई भी भारतीय नहीं हैं। इस सूची में एक समय पर क्रिस गेल का दबदबा था। जो इस विश्वकप में टूट गया हैं। 22 वर्षीय बाएं हाथ के बल्लेबाज ने वानखेड़े स्टेडियम में भारत के खिलाफ सिर्फ 45 गेंदों में शतक जड़ दिया और 48 गेंदों में 105 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इस प्रदर्शन के साथ बेथल टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर आ गए। इससे पहले न्यूजीलैंड के फिन एलेन ने विश्व कप 2026 के पहले सेमीफाइनल में सिर्फ 33 गेंदों में शतक बनाकर यह टूर्नामेंट का सबसे तेज शतक दर्ज किया था। इस कारनामे के दौरान वेस्टइंडीज के धाकड़ बल्लेबाज क्रिस गेल का 10 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। गेल ने साल 2016 के टी-20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ 47 गेंदों में शतक लगाया था, जिसे अब बेथल ने पीछे छोड़ दिया।

टी-20 विश्व कप के इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में क्रिस गेल की छाप अब भी बनी हुई है। गेल ने साल 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया और साल 2007 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 50 गेंदों में शतक जमाया था। उनके शतक में 57 गेंदों में 10 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिससे उन्हें यूनिवर्स बॉस का खिताब भी मिला।

इस सूची में पांचवें स्थान पर इंग्लैंड के हैरी ब्रूक का नाम है, जिन्होंने 2026 टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ 50 गेंदों में शतक बनाया। वहीं, छहवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम का नाम है, जिन्होंने साल 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 51 गेंदों में शतक जड़ा था।

जेकब बेथल का यह रिकॉर्ड उनके युवा करियर की एक और बड़ी उपलब्धि साबित हुआ है। इस शतक ने न केवल टीम इंग्लैंड को सेमीफाइनल में मजबूती दी, बल्कि टी-20 विश्व कप के इतिहास में बेथल का नाम भी सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची में अमर कर दिया। उनके खेल से यह साफ हो गया कि युवा खिलाड़ी बड़े मुकाबलों में दबाव में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं।

टी-20 विश्व कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले टॉप-6 बैटर

फिन एलेन- 33 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2026)

जेकब बेथल-45 गेंदों में बनाम भारत (2026)

क्रिस गेल-47 गेदों में बनाम इंग्लैंड (2016)

क्रिस गेल-50 गेंदों में बनाम साउथ अफ्रीका (2007)

हैरी ब्रुक- 50 गेदों में बनाम पाकिस्तान (2026)

ब्रैंडन मैक्कुलम- 51 गेंदों में बनाम बांग्लादेश (2012)

भारतीय वॉलीबॉल के 'गॉड' जिम्मी जॉर्ज : एक ऐसा खिलाड़ी जिसने खेल के लिए छोड़ दिया था मेडिकल करियर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में वॉलीबॉल आज भी लोकप्रियता के मामले में क्रिकेट और अन्य बड़े खेलों से पीछे है, लेकिन इस खेल को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने वाले एक महान खिलाड़ी का नाम हमेशा याद किया जाता है जिम्मी जॉर्ज। उन्हें भारतीय वॉलीबॉल का ÷गॉड÷ कहा जाता है। उनका जन्म 8 मार्च 1955 को केरल के कन्नूर जिले के पेरवूर में हुआ था। उनके पिता जोसफ जार्ज एक वकील होने के साथ विश्वविद्यालय स्तर के वॉलीबॉल खिलाड़ी भी थे, जबकि उनकी मां मैरी जॉर्ज थीं। परिवार में खेल का माहौल होने के कारण जिम्मी को बचपन से ही वॉलीबॉल से लगाव हो गया था।

जिम्मी पढ़ाई में भी काफी अच्छे थे और उन्होंने सरकारी कॉलेज में मेडिकल सीट हासिल कर ली थी, लेकिन वॉलीबॉल के प्रति जुनून इतना ज्यादा था कि उन्होंने मेडिकल की पढ़ाई छोड़कर खेल को ही अपना करियर बना लिया। महज 16 साल की उम्र में वह केरल स्टेट टीम का हिस्सा बन गए थे। कॉलेज के दिनों में उन्होंने कई पुरस्कार जीते और केरला यूनिवर्सिटी की टीम को 1973 से 1976 के बीच लगातार चार ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी चैंपियनशिप दिलाने में अहम भूमिका निभाई। 1973 में वह टीम के कप्तान भी रहे। साल 1974 में तेहरान में हुए एशियन गेम्स में वह भारतीय राष्ट्रीय वॉलीबॉल टीम का हिस्सा बने। हालांकि भारत उस टूर्नामेंट में ग्रुप स्टेज से आगे नहीं बढ़ सका, लेकिन 19 वर्षीय जिम्मी जॉर्ज की प्रतिभा ने सभी का ध्यान खींच लिया। 1976 में उन्होंने वॉलीबॉल पर पूरा ध्यान देने के लिए मेडिकल कॉलेज छोड़ दिया और केरल पुलिस में शामिल हो गए।

अगरकर ने कठिन फैसलों से बदली भारतीय टीम की दिशा

– चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर के 3 साल पूरे

अहमदाबाद (एजेंसी)। अजीत आगरकर जब भारत की सीनियर चयन समिति के अध्यक्ष बने, तब परिस्थितियां काफी चुनौतीपूर्ण थीं। उन्हें यह जिम्मेदारी चेतन शर्मा की जगह दी गई थी, जिन्हें एक टीवी स्टिंग ऑपरेशन के बाद पद से हटना पड़ा था। अगरकर के तीन साल के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिन्हें उस समय साहसिक माना गया, लेकिन बाद में उनके सकारात्मक परिणाम सामने आए। क्रिकेट में चयनकर्ता की भूमिका अक्सर विकेटकीपर जैसी मानी जाती है। अच्छे फैसलों पर भले ही कम सराहना मिले, लेकिन एक गलती पर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ती है। अगरकर के कार्यकाल में भी यही स्थिति देखने को मिली। वर्ष 2020-21 में जब चयन समिति के अध्यक्ष का पद खाली हुआ था, तब अगरकर ने भी आवेदन किया था, लेकिन उस समय चेतन शर्मा को यह जिम्मेदारी मिली। बाद में 2023 में अगरकर को यह पद सौंपा गया और इसके बाद वह अपने फैसलों के कारण लगातार चर्चा में रहे।

भारत की चयन समितियों के इतिहास में दिलीप वेंगसरकर और कृष्णाचारी श्रीकांत के बाद अगरकर का कार्यकाल भी काफी प्रभावशाली माना जा रहा है। पिछले तीन वर्षों में भारतीय टीम ने आईसीसी के चार बड़े टूर्नामेंट 2023 आईसीसी वर्ल्डकप, 2024 आईसीसी मेंस टी20 विश्वकप, 2025 आईसीसी चैम्पियनशिप ट्राफी और 2026 आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्डकप के फाइनल में जगह बनाई है। अगर भारत न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीतता है तो यह तीन वर्षों में तीसरी बड़ी ट्रॉफी होगी।

टीम की सफलता का श्रेय अक्सर खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ को मिलता है, लेकिन बड़े टूर्नामेंट के लिए मजबूत टीम तैयार करने में चयनकर्ताओं की भूमिका भी बेहद अहम होती है। अगरकर के कार्यकाल में कई ऐसे फैसले लिए गए जिनके लिए मजबूत विश्वास की जरूरत थी। उदाहरण के तौर पर हार्दिक पाण्डया की जगह सूर्यकुमार यादव को टी20 टीम का कप्तान बनाना एक बड़ा फैसला था।

इसके अलावा वनडे टीम की कप्तानी से रोहित शर्मा को हटाने का निर्णय भी काफी संवेदनशील माना गया। इन दोनों मामलों में अगरकर ने आलोचनाओं से बचने की कोशिश नहीं की, बल्कि खुले तौर पर फैसलों का समर्थन किया। उनका मानना था कि टीम चयन केवल आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जा सकता, बल्कि खिलाड़ियों की भूमिका, टीम संतुलन और रणनीतिक सोच भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति में एस शरत (जिनकी जगह बाद में प्रज्ञान ओझा आए), सुब्रता बनर्जी (जिनकी जगह आरपी सिंह को शामिल किया गया), एसएस दास और अजय रात्रा जैसे सदस्य शामिल रहे। इन सभी ने मिलकर भारतीय टीम के लिए एक मजबूत और संतुलित संयोजन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कनाडा ने शीबिलीव्स कप में अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया

हैरिसन (अमेरिका)। गोलकीपर केलेन शेरिडन ने शुरुआती दो पेनल्टी बचाई जिससे कनाडा ने शीबिलीव्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में गोल रहित ड्रॉ के बाद अर्जेन्टीना को पेनल्टी शूट आउट में हराया। जोर्डिन हुइतेमा को पहले हाफ में कनाडा की ओर से गोल दागने का स्वर्णिम मौका मिला था लेकिन अर्जेन्टीना की गोलकीपर सोलाना पेरेरा ने उनके शॉट पर हाथ मार दिया जिसके बाद गेंद क्रॉसबार से टकराकर बाहर चली गई। शीबिलीव्स कप के नए नियमों के अनुसार मैच में अतिरिक्त समय का खेल नहीं होता और नतीजे के लिए सीधे पेनल्टी शूट आउट का सहारा लिया जाता है।

शेरिडन ने अर्जेन्टीना के शुरुआती दो प्रयासों को नाकाम किया और कनाडा ने तब जीत सुनिश्चित की जब विरोधी टीम की वेनिना प्रेनिंगर का शॉट क्रॉसबार से ऊपर से बाहर निकल गया।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट : न्यूजीलैंड के रैंडेल ने 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर इतिहास रचा

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के उभरते हुए तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एक नया विश्व रिकार्ड बनाया है। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट्स की ओर से खेलते हुए इस गेंदबाज ने लगातार 5 गेंदों पर 5 विकेट लेकर सभी को हैरान कर दिया। रैंडेल ने यह उपलब्धि उन्होंने प्लंकेट शील्ड मैच में नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के खिलाफ बनाया। एक रिकॉर्ड के अनुसारसाल 1772 में पहला मान्यता प्राप्त फर्स्ट क्लास मैच खेले जाने के बाद से ही अब तक किसी भी गेंदबाज ने लगातार पांच गेंदों पर पांच विकेट नहीं लिए थे। ऐसे में रैंडेल यह फर्स्ट क्लास क्रिकेट में यह उपलब्धि हासिल करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। रैंडेल ने अपने दूसरे ओवर की अंतिम गेंद पर हैरी कूपर जबकि इसके बाद अगले ओवर की पहली गेंद पर पूर्व टेस्ट बल्लेबाज जीत रावल को आउट कर दिया। इसके बाद लगातार तीन और गेंदों पर तीन विकेट लिए। ऑलराउंडर क्रिस्टीयन क्लार्क का विकेट उनका पांच विकेट था।रैंडेल इस रिकार्ड को बनाने से बेहद खुश नजर आये। उन्होंने कहा कि ये किसी सपने के सच होने जैसा था। उन्होंने बताया कि उनका ध्यान केवल सही लाइन और लेंथ पर गेंद डालने का था। हैट्रिक के बाद भी वह विकेट लेने पर ध्यान देते रहे। रैंडेल ने अपने अगले ओवर में दो और विकेट लिए। उनकी इस गेंदबाजी से नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स की पूरी टीम केवल 82 रन पर ही सिमट गयी।

ऑल इंग्लैंड ओपन के फाइनल में हारे लक्ष्य लक्ष्य, लिन चुन-यी ने दी मात

बर्मिंघम। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन यहां ऑल इंग्लैंड ओपन के पुरुष सिंगल्स फाइनल में अपने विरोधी लिन चुन-यी से हार गए। इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में फिर से चैंपियन देखने का देश का इंतजार जारी रहा। 24 साल के भारतीय खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन बाएं हाथ के ताइवानी शटलर की चुनौती को पार नहीं कर सके और कड़े खिताबी मुकाबले में 15-21, 20-22 से हार गए। यह सेन की लिन से लगातार पांचवीं हार थी और टूर्नामेंट में दूसरे रनर-अप रहे। उन्होंने 2022 में भी फाइनल में जगह बनाई थी, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके थे। सेन ने शनिवार को सेमीफाइनल में मुश्किल जीत के दौरान छालों और ऐंठन से जूझते हुए जीत हासिल की। उन्होंने पूरे हफ्ते एक जोशीला अभियान चलाया जिसमें लिन के खिलाफ खिताबी मुकाबले में हारने से पहले कई ऊंची रैंक वाले विरोधियों को हराया। इतिहास में सिर्फ दो भारतीय प्रकाश पादुकोण (1980) और पी गोपीचंद (2001) ने ऑल इंग्लैंड ओपन में पुरुष सिंगल्स का खिताब जीता है।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हराया, मेसी और डी पॉल ने मारा गोल

बाल्टीमोर (एजेंसी)। मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और कप्तान लियो मेसी के गोल की मदद से इंटर मियामी ने डी.सी. यूनाइटेड को 2-1 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंटर मियामी ने 3 अंक हासिल किए। मियामी ने 17वें मिनट में डी पॉल की मदद से पहला गोल कर बढ़त बनाई। बर्टेराम ने बाईं ओर से दबाव बनाया और एंडलाइन के पास गेंद पर कब्जा किया, फिर बॉक्स के अंदर सेगोविया के लिए पास वापस किया। फिर सेगोविया ने बॉक्स के दाईं ओर डी पॉल को पाया, जहां एल मोटोरसिटो ने टच लिया और फिर दाएं पैर से टॉप-लेफ्ट कॉर्नर पर हिट किया। यह असिस्ट सेगोविया का इस रेगुलर सीजन का तीसरा असिस्ट था। मेसी ने 27वें मिनट में दूसरा गोल करके इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। इस गोल से मेसी के इस रेगुलर सीजन में तीन गोल हो गए, जबकि यह असिस्ट सिल्वेटी का पहला गोल था। यह गोल इंटर मियामी के लिए मेसी का 80वां गोल था। मेजबान टीम की तरफ से दूसरे हाफ में 75वें मिनट में ताई बारिब्रो ने पहला गोल किया। इंटर मियामी की सीजन में यह लगातार दूसरी जीत है। हेड कोच जेवियर माशेरानो ने कहा, 'मुझे लगता है कि पहला हाफ बहुत अच्छा था। हमने गेम को नियंत्रित किया, हमने फर्क पैदा किया और मौके बनाए। शायद दूसरे हाफ में हमने ज्यादा संघर्ष किया। मुझे लगता है कि हमें सकारात्मक चीजों को महत्व देना होगा। तीन अवे गेम में, हमने दो जीत हासिल की हैं। सुधार करने के लिए बहुत कुछ है, लेकिन जीत के बाद सुधार करना हमेशा बेहतर होता है।' इंटर मियामी का अगला मुकाबला बुधवार को कॉनकाकाफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 के पहले लेग में नैशविले एससी से होगा।

भारत को एएफसी महिला एशियाई कप में जापान ने 11-0 से रौंदा

पर्थ। भारतीय महिला फुटबॉल टीम को शनिवार को यहां एएफसी (एशियाई फुटबॉल परिसंघ) महिला एशियाई कप के ग्रुप सी के अपने दूसरे मुकाबले में पूर्व चैंपियन जापान से 0-11 से करारी हार का सामना करना पड़ा। फीफा महिला विश्व कप के पूर्व चैंपियन और विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर काबिज जापान मैच शुरू होने से पहले ही जीत का प्रबल दावेदार था। टीम ने मुकाबले शुरू होते ही अपना दबदबा कायम किया और शुरूआती हाफ में 5-0 की बढ़त बनाकर अपनी जीत लगभग पक्की कर ली। टीम ने दूसरे हाफ में भी छह गोल दागे। जापान ने जिस अंदाज में दबदबा बनाया उससे दोनों टीमों के स्तर में भारी अंतर साफ नजर आया और यह भी दिखा कि शीर्ष स्तर की टीमों से मुकाबला करने के लिए भारत को अभी लंबा सफर तय करना है। 2014 और 2018 के चैंपियन जापान ने मैच में एकतरफा अंदाज में गेंद पर कब्जा बनाए रखा और अधिकांश समय खेल भारतीय हाफ में ही चला। चार महीने से अंतरराष्ट्रीय मैच खेले बिना टूर्नामेंट में उतरी भारतीय टीम पूरे मुकाबले में किसी क्लब टीम की तरह संघर्ष करती दिखी। जापान के लिए युजुकी यामामोटो (चौथे मिनट), युई हसेगावा (13वें), हिनाता मियाजावा (20वें, 35वें, 81वें), किको सेइके (45+5वें, 55वें), रिको उईकी (47वें, 50वें, 65वें) और माया हिजिकाता (62वें) ने गोल दागे।

मध्य पूर्व में संघर्ष के कारण भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम विश्वकप में भाग नहीं ले पायी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के कारण भारत की जूनियर टीम युवा मुक्केबाजी विश्वकप में भाग नहीं ले पायी है। भारतीय जूनियर मुक्केबाजी टीम मोंटेनेग्रो में होने वाले इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली थी पर वीजा नहीं मिलने के कारण टीम को इस टूर्नामेंट में भाग लेने की अनुमति नहीं मिली। भारतीय जूनियर मुम्केबाजी टीम को मोंटेनेग्रो के बुडवा शहर में आयोजित होने वाले युवा विश्वप कप में भाग लेना था। इसमें कई देशों की युवा टीमें हिस्सा लेने वाली थीं। भारत की ओर से 10 खिलाड़ियों की टीम इस टूर्नामेंट के लिए चयनित की गयी थी। टीम में पांच लड़के और पांच लड़कियां शामिल थे। खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता के लिए तैयारी भी पूरी कर ली थी पर मोंटेनेग्रो का दूतावास भारत में नहीं होने के कारण उन्हें समय पर वीजा और जरुरी दस्तावेज नहीं मिल पाये थे। खिलाड़ियों के वीजा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए यूएई स्थित मोंटेनेग्रो की एम्बेसी की सुविधा ली जा रही थी पर खाड़ी में संघर्ष शुरु होने से खिलाड़ियों को वहां भेजना संभव नहीं था। सभी 10 खिलाड़ियों के पासपोर्ट यूएई भेज दिए गए ताकि वहां वीजा की औपचारिकताएं पूरी की जा सकें।आमतौर पर वीजा स्टैम्प होने के बाद पासपोर्ट दो से तीन दिनों के भीतर वापस भेज दिए जाते हैं पर इस बार हालात अलग थे। अचानक बढ़े तनाव और के कारण पासपोर्ट समय पर भारत वापस नहीं भेजे जा सके।रिपोर्ट के मुताबिक खिलाड़ियों के पासपोर्ट 20 फरवरी को वीजा स्टैम्पिंग के लिए जमा कर दिए गए थे। भारतीय टीम की फ्लाइट टिकट भी तैयार रखी गई थी और उन्हें स्टैंडबाय पर रखा गया था ताकि पासपोर्ट मिलते ही टीम तुरंत रवाना हो सके। हालांकि समय बीतता गया, लेकिन पासपोर्ट वापस नहीं पहुंचे। इसी वजह से अंत में भारतीय टीम को टूर्नामेंट से हटना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने जीत के साथ हीली को दी यादगार विदायी

– एकमात्र गुलाबी टेस्ट में भारतीय टीम को 10 विकेट से हराया

बर्मिंघम (एजेंसी)। पर्थ (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ यहां गुलाबी गेंद से हुए दिन-रात के एकमात्र टेस्ट मैच में 10 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में बड़ी जीत के साथ ही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने कप्तान एलिसा हीली को यादगार विदायी दी है। इस मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन करने वाली एनेबेल सदरलैंड को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब मिला।

इस मैच में मेजबान टीम हावी रही। भारतीय टीम के लिए केवल राहत की इतनी ही बात रही कि वह फॉलो-ऑन बचाने में सफल रही पर दूसरी पारी में अधिक रन नहीं बना पायी जिससे ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 25 रन का लक्ष्य मिला। ऑस्ट्रेलिया ने बिना कोई विकेट गंवाए ही ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में भारतीय बल्लेबाज प्रतिका रावल और स्नेह राणा ने अच्छी बल्लेबाजी कर तीसरे दिन भारत को 6 विकेट पर 105 रनों से आगे बढ़ाया। प्रतिका और राणा ने शुरुआत से ही अच्छी बल्लेबाजी की। प्रतिका ने अर्धशतक लगाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 50 रन बनाये। एश्ले गार्डनर ने राणा को 30 रन पर आउट कर भारतीय टीम को करारा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय टीम के निचले क्रम की बल्लेबाज अधिक नहीं खेल पायीं। केवल प्रतिका ही अंत तक खेलती रही। प्रतिका 137 गेंदों में 8 चौके लगाकर 63 रन बनाकर आउट हुई। भारत की पूरी टीम दूसरी पारी में 149 रन ही बना पायी। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन जबकि भारतीय टीम ने 198 रन बनाये थे। इस प्रकार मेजबानों को पहली पारी के आधार पर काफी बढ़त मिली हुई थी। इसके बाद जीत के लिए मिले 25 रन के छोटे लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाए। पांचवें ओवर में ही जॉर्जिया वोल ने लगातार तीन चौके लगाकर अपनी टीम को 10 विकेट से जीत दिला दी। इस मैच में सदरलैंड छायी रहीं। सदरलैंड ने दोनो पारी को मिलाकर कुल छह विकेट लेने के साथ ही 129 रन भी बनाये।

ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना महज 4 रन बनाकर आउट हुईं. प्रतीका रावल ने 3 चौकों की मदद से 18 रन बनाने के बाद एनाबेल सदरलैंड का शिकार बनीं।पहली पारी में हैमिल्टन ने भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। जेमिमा रोड्रिग्स ने ही केवल अर्धशतक लगाया। भारतीय टीम पहली पारी में 62.4 ओवर में 198 रन पर आउट हुई एनाबेल ने चार विकेट लिए जबकि लुसी ने तीन विकेट लिए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहीं रही। एलिसा भी सस्ते में आउट हो गईं, लेकिन एलिसे पेरी और एनाबेल ने चौथे विकेट के लिए 134 रन की साझेदारी की। पेरी ने 116 गेंदों में 76 रन बनाए जबकि एनाबेल ने 129 रन की शानदार पारी खेली जिसमें 17 चौके शामिल थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों ऑस्ट्रेलियाई टीम को 323 रन तक पहुंच गया। वहीं भारतीय टीम की ओर से सयाली सतघरे ने सबसे अधिक चार विकेट लिए।

इन तीनों गुणों के होने से मनुष्य को कहते हैं चेतन

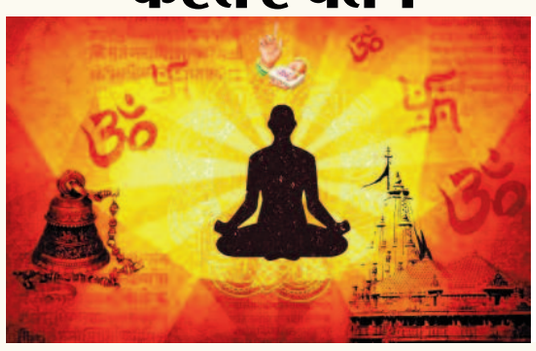

किसी भी वस्तु की चेतनता की पहचान इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति के होने से होती है। अगर किसी वस्तु में ये तीनों नहीं होते हैं, तो उसे जड़ वस्तु कहते हैं और इन तीनों के होने से उसे चेतन वस्तु कहते हैं। मनुष्य में इन तीनों गुणओं के होने से उसे चेतन कहते हैं। मनुष्य के मृत शरीर में इनके न होने से उसे अचेतन अथवा जड़ कहते हैं।

प्रश्न यह उठता है कि जो मनुष्य अभी-अभी इच्छा, क्रिया अथवा अनुभूति कर रहा था और चेतन कहला रहा था, वही मनुष्य इनके न रहने से मृत क्यों घोषित कर दिया गया जबकि वह सशरीर हमारे सामने पड़ा हुआ है? आमतौर पर एक डॉक्टर बोलेगा कि इस शरीर में प्राण नहीं हैं। शास्त्रीय भाषा में, जब तक मानव शरीर में आत्मा रहती है, उसमें चेतनता रहती है। उसमें इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहती है। आत्मा के चले जाने से वही मानव शरीर इच्छा, क्रिया व अनुभूति रहित हो जाता है, जिसे आमतौर पर मृत कहा जाता है।

शास्त्रों के अनुसार स्वरूप से आत्मा सच्चिदानन्दमय होती है। सच्चिदानन्द अर्थात सत्+चित्+आनंद। संस्कृत में सत् का अर्थ होता है नित्य जीवन अर्थात् वह जीवन जिसमें मृत्यु नहीं है, चित् का अर्थ होता है ज्ञान जिसमें कुछ भी अज्ञान नहीं है और आनंद का अर्थ होता है नित्य सुख जिसमें दु:ख का आभास मात्र नहीं है। यही कारण है कि कोई मनुष्य मरना नहीं चाहता, कोई मूर्ख नहीं कहलवाना चाहता और कोई भी किसी भी प्रकार का दु:ख नहीं चाहता।

अब नित्य जीवन, नित्य आनंद, नित्य ज्ञान कहां से मिलेगा? जैसे सोना पाने के लिए सुनार के पास जाना पड़ता है, लोहा पाने के लिए लोहार के पास, इसी प्रकार नित्य जीवन-ज्ञान-आनंद पाने के लिए भगवान के पास जाना पड़ेगा क्योंकि एकमात्र वही हैं जिनके पास ये तीनों वस्तुएं असीम मात्रा में हैं। प्रश्न हो सकता है कि बताओ भगवान मिलेंगे कहां? ये भी एक बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। कोई कहता है भगवान कण-कण में हैं, कोई कहता है कि भगवान मंदिर में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो हृदय में हैं, कोई कहता है कि भगवान तो पर्वत की गुफा में, नदी में, प्रकृति में वगैरह।

वैसे जिस व्यक्ति के बारे में पता करना हो कि वह कहां रहता है, अगर वह स्वयं ही अपना पता बताए तो उससे बेहतर उत्तर कोई नहीं हो सकता। उक्त प्रश्न के उत्तर में भगवान कहते हैं कि मैं वहीं रहता हूं, जहां मेरा शुद्ध भक्त होता है। चूंकि हम सब के मूल में जो तीन इच्छाएं- नित्य जीवन, नित्य ज्ञान व नित्य आनंद हैं, वे केवल भगवान ही पूरी कर सकते हैं, कोई और नहीं। इसलिए हमें उन तक पहुंचने की चेष्टा तो करनी ही चाहिए।

भगवान स्वयं बता रहे हैं कि वह अपने शुद्ध भक्त के पास रहते हैं। अत: हमें ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और तुरंत ऐसे भक्त की खोज करनी चाहिए जिसके पास जाने से, जिसकी बात मानने से हमें भगवद्प्राप्ति का मार्ग मिल जाए। साथ ही हमें यह सावधानी भी बरतनी चाहिए कि कहीं वह भगवद्-भक्त के वेश में ढोंगी न हो। स्कंद पुराण के अनुसार भगवान शिव माता पार्वती से कहते हैं कि कलियुग में ऐसे गुरु बहुत मिलेंगे जो शिष्य का सब कुछ हर लेते हैं, परंतु शिष्य का संताप हर कर उसे सद्मार्ग पर ले आए ऐसा गुरु विरला ही मिलेगा।

किस जगह रखें कामधेनु की मूर्ति?

हमारे जीवन में वास्तु शास्त्र का महत्व काफी ज्यादा बताया गया है। कहा जाता है अगर किसी भी कार्य को करने से पहले या फिर करने के दौरान वास्तु शास्त्र में बताये गए नियमों का पालन किया जाता है तो इसके परिणाम काफी शुभ और सकारात्मक होते हैं. वहीं, जब इन नियमों को नजरअंदाज किया जाता है तो इसके परिणाम भी उतने ही बुरे हो सकते हैं। सनातन धर्म के अनुसार कामधेनु गाय में देवी-देवताओं का निवास होता है। इसे घर पर रखने से इंसान की हर मनोकामना पूरी होती है। वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो जब आप इसे रखते हैं तो इससे सुख समृद्धि का वास आपके घर पर होता है.

वास्तु शास्त्र की अगर मानें तो आपको कामधेनु गाय की मूर्ति को अपने घर के ईशान कोण में रखना चाहिए। इसे सबसे ज्यादा शुभ माना जाता है। आप अगर चाहें तो कामधेनु गाय की मूर्ति को घर के पूजास्थल या फिर मुख्य द्वार पर रख सकते हैं। अगर आप मूर्ति नहीं रख पा रहे हैं तो ऐसे में तस्वीर लगाना भी काफी शुभ माना जाता है.

अगर आप अपने घर पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करने जा रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि वह सोना, चांदी, पीतल, तांबे या फिर मार्बल की बनी हुई हो। आप अगर चाहें तो चीनी मिटटी से बनी मूर्ति भी अपने घर पर रख सकते हैं। अगर आप अपने घर में सही जगह पर कामधेनु गाय की मूर्ति स्थापित करते हैं तो इससे आपको वास्तु दोषों से छुटकारा मिल सकता है। केवल यहीं नहीं, जब आप इसे अपने घर पर रखना शुरू कर देते हैं तो आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर हो जाती है।

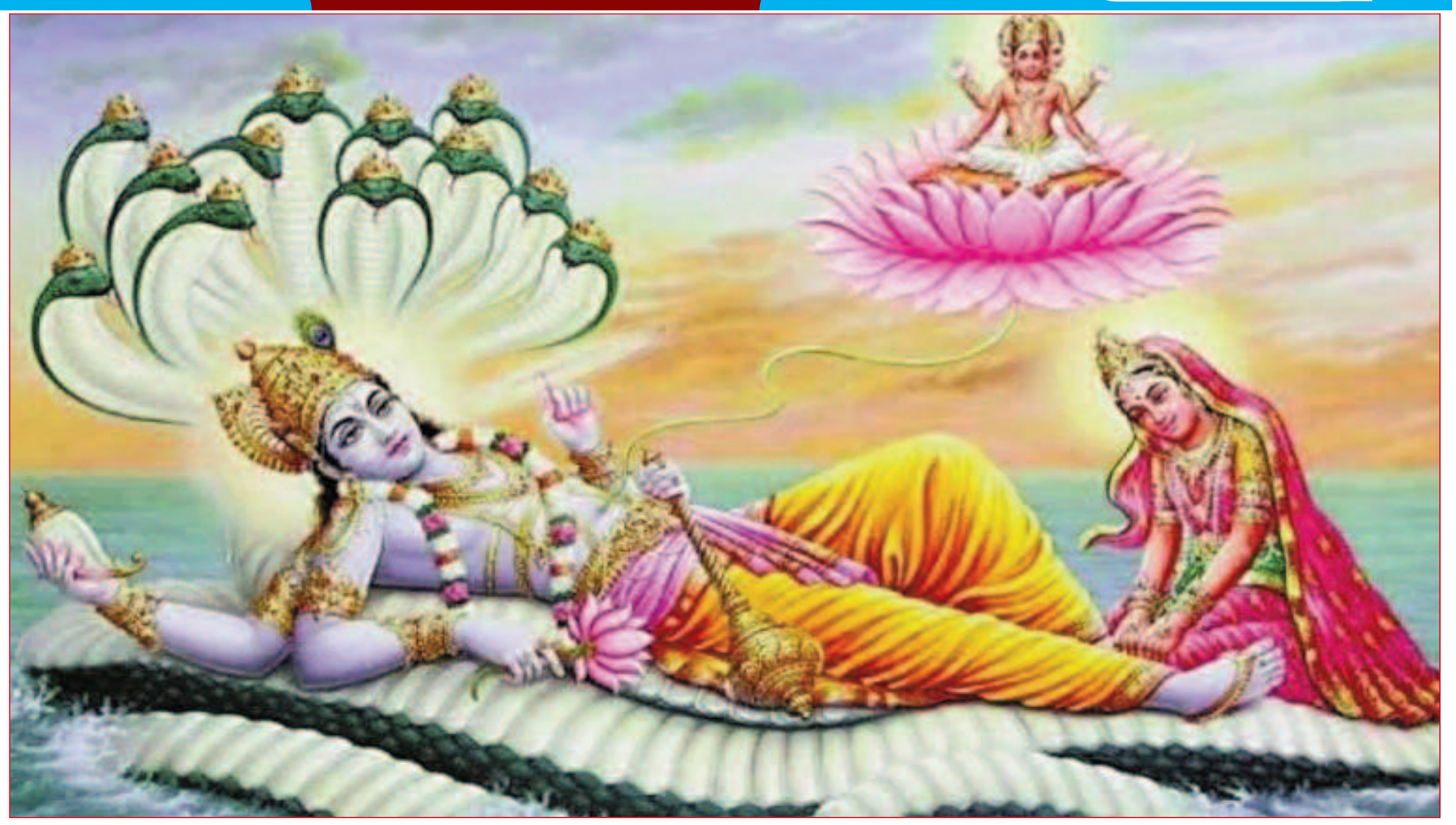

एकादशी व्रत का धार्मिक महत्व

चावल का सेवन न करने के कारण

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को अत्यंत पवित्र और फलदायी माना गया है। यह दिन भगवान विष्णु को समर्पित होता है। प्रत्येक माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की एकादशी को श्रद्धालु व्रत रखकर श्रीहरि की पूजा-अर्चना करते हैं। मान्यता है कि विधिपूर्वक एकादशी व्रत करने से जीवन के कष्ट दूर होते हैं और मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। हालांकि, एकादशी व्रत के कई कठोर नियम होते हैं। इन्हीं में से एक

महत्वपूर्ण नियम है एकादशी के दिन चावल का सेवन न करना।

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, एकादशी का व्रत भगवान विष्णु को प्रसन्न करने का सबसे प्रभावशाली उपाय माना गया है। यह व्रत आत्मशुद्धि, मन की एकाग्रता और आध्यात्मिक उन्नति के लिए किया जाता है। पुराणों में वर्णित कथा के अनुसार, एक बार माता शक्ति के क्रोध से बचने के लिए महर्षि मेधा ने अपना शरीर त्याग दिया। उनके शरीर के अंश धरती में समाहित हो गए। जिन स्थानों पर उनके शरीर के अंश गिरे, वहां से जौ और चावल उत्पन्न हुए। चूंकि ये अनाज महर्षि के शरीर से उत्पन्न माने गए, इसलिए इन्हें 'जीव' के समान समझा गया। मान्यता है कि एकादशी के दिन ये अन्न सजीव अवस्था में होते हैं। इस कारण इस दिन चावल का सेवन करना महर्षि मेधा के शरीर के अंश का सेवन करने के समान माना गया है।

धार्मिक ग्रंथों में उल्लेख

पद्म पुराण और विष्णु पुराण में वर्णन मिलता है कि जो व्यक्ति एकादशी के दिन चावल का सेवन करता है, उसके संचित पुण्य फलों का नाश हो सकता है। इसी कारण श्रद्धालुओं को इस दिन चावल से परहेज करने की सलाह दी जाती है।

एकादशी व्रत में क्या खाएं?

एकादशी के दिन सामान्य अन्न का सेवन नहीं किया जाता। व्रती लोग फलाहार, दूध, मखाना, साबूदाना, सिंघाड़े का आटा, कुट्टू का आटा आदि का सेवन करते हैं। कुछ लोग निर्जला व्रत भी रखते हैं। एकादशी व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि आत्मसंयम और आध्यात्मिक साधना का भी प्रतीक है। चावल का त्याग इसी परंपरा और पौराणिक मान्यता से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालु नियमपूर्वक व्रत का पालन कर भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त करते हैं।

भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया

इन्सान के स्वास्थ्य का शयन कक्ष से सीधा संबंध है। हमारे धर्म ग्रंथों में सोने के कुछ नियम बताए गए हैं। इनका पालन करने से शरीर में कोई रोग नहीं होता, साथ ही घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। मनुस्मृति में लिखा गया है कि सूने घर में अकेले नहीं सोना चाहिए। जहां बिल्कुल अंधेरा हो, वहां सोने से भी बचना चाहिए। साथ ही मंदिर और श्मशान में कभी नहीं सोना चाहिए। अच्छी सेहत के लिए सुबह जल्दी उठाना जरूरी है। कुछ लोगों की आदत होती है कि सोने से पहले पैर धोते हैं। यह अच्छा है, लेकिन भीगे पैर सोना धर्म ग्रंथों में शुभ नहीं माना गया है। बताते हैं कि सूखे पैर होने से घर में लक्ष्मी आती है।

पलंग या खाट टूटा हो तो उस पर न सोएं। खाने के तुरंत बाद बिस्तर पर न जाएं। झूठे मुंह सोना अशुभ है। आप किस दिशा में सोते हैं, यह भी बहुत अहम है। पूर्व की तरफ सिर करके सोने से विद्या, पश्चिम की ओर सिर करके सोने से प्रबल चिन्ता, उत्तर की ओर सिर करके सोने से हानि व मृत्यु, तथा दक्षिण की तरफ सिर करके सोने से धन व आयु की प्राप्ति होती है।

कई लोगों को दिन में सोने की आदत होती है। इसे तुरंत छोड़ दें। दिन में तथा सुर्योदय एवं सुर्यास्त के समय सोने वाला रोगी और दरिद्र हो जाता है।

बायीं करवट सोना स्वास्थ्य के लिए लाभदायक होता है। दक्षिण दिशा में पांव रखकर कभी नहीं सोना चाहिए। इस तरफ यम और दुष्टदेवों का निवास रहता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह भी है कि मस्तिष्क में रक्त का संचार कम को जाता है।

सोते समय हदय पर हाथ रखकर नहीं सोना चाहिए। पैर पर पैर रखकर भी नहीं सोना चाहिए। माथे पर तिलक लगा है तो सोने से पहले उसे साफ कर लें। तिलक लगाकर सोना अच्छा नहीं माना जाता।

गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है लाल रंग का गुड़हल

वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में फूलों को पॉजिटिव एनर्जी आकर्षित करने वाला बताया गया है। आप भी अपने घर में खुशहाली के लिए कुछ चुनिंदा फूलों के पौधे लगाएं।

पूजा के लिए अधिकतर गेंदा का इस्तेमाल किया जाता है। वास्तु शास्त्र में इस पुष्प को शुभ माना जाता है, यही कारण है कि इससे घरों व मंदिरों की सजावट की जाती है। भगवान को चढ़ाया जाता है। आप भी इसे अपने घर में उत्तर-पूर्व दिशा में लगा सकते हैं। लाल रंग का गुड़हल गणेश जी और मां काली को अत्यन्त प्रिय है। कहा जाता है कि जहां कहीं भी यह पुष्प होता है, वहां पर समस्त प्रकार की नैगेटिव एनर्जी नष्ट हो जाती है। इसे घर में लगाने से पॉजिटिव एनर्जी का फ्लो बना रहता है।

चंपा के फूल हल्के पीले और सफेद रंग के आते हैं। इनमें बहुत हल्की लेकिन मधुर सुगंध होती है। यह भी भगवान शिव और भगवान विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। मोगरा के पुष्प में अत्यधिक तेज सुगंध होती है जो किसी का भी मन मोह लेती है। इस पुष्प के पौधे को घर में लगाने से लक्ष्मी का वास होता है। अत: इस पौधे को भी घर में लगाना चाहिए ताकि घर में सुख और समृद्धि आ सके। तुलसी का पौधा घर के मुख्यद्वार पर लगाने से घर में कोई भी ऊपरी बाधा प्रवेश नहीं कर सकती।

सुबह उठते ही शिवलिंग या शिव मूर्ति का दर्शन करें

सुबह उठते ही कुछ खास चीजें देखने या ध्यान में रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है और शुभ लाभ मिलता है। यह चीजें वास्तु शास्त्र और भारतीय परंपराओं से जुड़ी होती हैं, जो दिन की शुरुआत को शुभ और ऊर्जा से भरपूर बना सकती हैं। इन सरल और कम खर्चीले उपायों को अपनाकर आप अपने घर में खुशहाली का वातावरण बना सकते हैं। ये चीजें न केवल घर में शुभ प्रभाव डालती हैं, बल्कि आपके पूरे दिन को मंगलमय और उन्नति की ओर मार्गदर्शित करती हैं।

वास्तु: सुबह उठते ही यदि आप भगवान शिव के शिवलिंग या मूर्ति का दर्शन करते हैं, तो इससे घर में शांति और समृद्धि का वास होता है। यह विशेष रूप से धन और मानसिक शांति लाने में मदद करता है। शिव के दर्शन से नकारात्मकता दूर होती है और हर तरह की परेशानियों से मुक्ति मिलती है।

अन्य लाभ: विशेष रूप से महाशिवरात्रि के दिन इस उपाय का महत्व बढ़ जाता है। घर में आकर यह ऊर्जा घर के प्रत्येक सदस्य को लाभ पहुंचाती है।

दीपक की लौ या तेल का दीपक देखना – वास्तु: सुबह उठते ही अगर आप घर में जलते दीपक या तेल के दीपक की लौ देखते हैं, तो यह एक शुभ संकेत माना जाता है। दीपक की लौ सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक होती है। इसे देखने से मन शांत रहता है और दिन की शुरुआत शुभ होती है।

अन्य लाभ : यह विशेष रूप से घर में दरिद्रता को दूर करने और आर्थि?क लाभ लाने में मदद करता है।

प्यारे और शांतिपूर्ण चित्र या तस्वीरें

वास्तु : घर में सुंदर, शांतिपूर्ण और सकारात्मक चित्रों को देखना शुभ माना जाता है जैसे लक्ष्मी जी की तस्वीर, कुबेर की मूर्ति, समुद्र का दृश्य, प्रकृति से जुड़े चित्र आदि। ये सभी चित्र घर में समृद्धि और शांति का प्रतीक होते हैं।

अन्य लाभ : विशेष रूप से आप यदि इन चित्रों को सुबह उठते ही देखें, तो दिन भर की स्थिति सकारात्मक रहेगी और आपकी मेहनत में सफलता मिलेगी।

तुलसी के पौधे को देखना

वास्तु : घर में तुलसी का पौधा रखना और उसे सुबह जल देना एक बहुत शुभ उपाय है। तुलसी के पौधे को देखने से घर में धन, सुख और समृद्धि का वास होता है। यह पौधा विशेष रूप से मानसिक शांति और आस्था का प्रतीक माना जाता है।

अन्य लाभ : तुलसी की पूजा से घर में नकारात्मकता कम होती है और स्वास्थ संबंधी लाभ भी मिलते हैं।

चांदी या सोने की वस्तु का दर्शन

वास्तु : यदि आप सुबह उठते ही चांदी या सोने की कोई छोटी सी वस्तु देखते हैं जैसे चांदी की छड़ी, सिक्के या कोई आभूषण तो यह दिन भर के लिए धन और समृद्धि के संकेत होते हैं। यह खासतौर पर व्यापारियों के लिए बहुत शुभ होता है।

अन्य लाभ : इस प्रकार की वस्तुओं को देखना आर्थि?क समृद्धि की ओर इशारा करता है और सकारात्मक विचारों का प्रवाह करता है।

घर के पूर्व दिशा में सूर्योदय देखना

वास्तु : सूर्योदय का दृश्य सबसे शुभ माना जाता है, विशेष रूप से यदि यह पूर्व दिशा से दिखाई देता हो। सूर्योदय को देखने से जीवन में नयापन और ऊर्जा का संचार होता है।

क्या रणवीर सिंह के जाने के बाद फरहान अख्तर खुद बनेंगे डॉन?

कुछ दिनों पहले रणवीर सिंह ने इस प्रोजेक्ट से किनारा कर लिया। इसके बाद इस फिल्म के लीड रोल को लेकर कई कयास लगाए जा रहे हैं। रणवीर के छोड़ने के बाद ऐसा कहा जा रहा था कि ऋतिक रोशन अब डॉन के किरदार में नजर आएंगे। लेकिन उन्होंने साफ कर दिया कि वे कभी इस प्रोजेक्ट का हिस्सा नहीं थे। अब ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे।

क्या फरहान बनेंगे डॉन?

डेक्कन क्रॉनिकल के अनुसार, जो रिपोर्ट्स कह रही हैं कि रणवीर के जाने के बाद फरहान खुद डॉन का किरदार निभाएंगे, वो गलत हैं। इससे पहले ये रिपोर्ट सामने आई थी कि शाहरुख फिर से इस रोल को निभाने के लिए मान गए थे, लेकिन वे चाहते थे कि बतौर डायरेक्टर एटली इस फिल्म में काम करें। सूत्रों के मुताबिक, डॉन फ्रेंचाइजी फरहान की है, तो वो कैसे डायरेक्टर का पद छोड़ सकते हैं। अभी ये सारी चर्चाएं सिर्फ अफवाहें बताई जा रही हैं क्योंकि किसी की भी तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान

बता दें, फरहान अख्तर ने साल 2023 में 'डॉन 3' की घोषणा की थी। जिसमें रणवीर सिंह और कियारा आडवाणी को लीड रोल में बताया गया था। हालांकि, फिलहाल खबरें हैं कि कोई भी कलाकार आधिकारिक तौर पर इस फिल्म से जुड़ा नहीं है। हॉलीवुड डेब्यू करने वाले हैं फरहान वहीं, फरहान इन दिनों अपने दूसरे प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रहे हैं। इनमें लंबे समय से चर्चा में रही 'जी ले जरा' और उनका हाल ही में घोषित हॉलीवुड डेब्यू भी शामिल है। हॉलीवुड फिल्म 'द बीटल्स: ए फोर फिल्म सिनेमैटिक इवेंट' से फरहान अख्तर का हॉलीवुड डेब्यू होने वाला है।

इंस्टाग्राम पर 'हाय' से शुरु हुई कृष्णा श्रॉफ की लव स्टोरी

कृष्णा के साथी कंटेस्टेंट प्रिंस नरूला और युविका चौधरी ने हाल ही के एपिसोड में उनसे उनके रिलेशनशिप के बारे में पूछा। इस पर कृष्णा ने बिना किसी झिझक के अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर बात की कि कैसे उनके बॉयफ्रेंड ने उन्हें अप्रोच किया और कैसे उनकी लव स्टोरी की शुरुआत हुई।

'हाय' भेजकर सीधे मांगा नंबर

कृष्णा ने खुलासा किया कि वे उनके बॉयफ्रेंड के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं। उनका बॉयफ्रेंड एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर है। कृष्णा ने कहा कि उनकी पहली मुलाकात मुंबई में हुई थी, जब वे अपने भाई टाइगर श्रॉफ को एक फाइट के दौरान सपोर्ट करने पहुंची थीं। उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं अपने इंस्टाग्राम के डीएम में गई तो मुझे उनकी प्रोफाइल दिखी और उन्होंने मुझे 'हाय' मैसेज किया था, जिसका मैंने रिप्लाई किया। लेकिन फिर तुरंत बाद उन्होंने मेरा नंबर मांग लिया। मैंने सोचा की कभी किसी ने मुझे इतने कॉन्फिडेंस से अप्रोच नहीं किया, और मुझे कॉन्फिडेंस पसंद है। हम दोनों की भाषाएं भी एक जैसी नहीं है। वो पर्शियन बोलते हैं और मैं इंग्लिश। उनकी हिंदी भी मेरी तरह थोड़ी टूटी-फूटी है।

लिव-इन रिलेशनशिप में रहती हैं कृष्णा

उन्होंने आगे कहा, 'हमने 8 महीनों तक वीडियो कॉल्स पर बात की। इसके बाद हम गोआ में मिले, जहां हमने 2 हफ्ते साथ बिताए। जब हमने 2 हफ्तों के बाद एक दूसरे को अलविदा कह रहे थे, तब हम जानते थे कि अब हम नहीं मिलेंगे। इसलिए एयरपोर्ट पर हम दोनों रोने लगे। वो अपने दोस्तों के पास दिल्ली चले गए और मैं मुंबई आ गई। इसके बाद उन्होंने कहा कि वो वापस नहीं आ सकते, तो मैं उनसे मिलने दिल्ली चली गई। दिल्ली में मैं तीन हफ्ते रही। इस बीच हमारा रिलेशनशिप और मजबूत हो गया। इसके बाद मैंने उनसे सीधे पूछा, 'क्या तुम मुंबई आना चाहते हो? तुम मेरे साथ रह सकते हो। इसके तुरंत बाद हम मुंबई में साथ रहने लगे।

कौन है कृष्णा का बॉयफ्रेंड

कृष्णा श्रॉफ, अब्दुल अजीम बदख्शी के साथ रिलेशनशिप में हैं। वो अफगानिस्तान से हैं और एक प्रोफेशनल एमएमए फाइटर हैं। दोनों की बातचीत 2020 में शुरु हुई थी और 2021 में उनकी मुलाकात हुई। वो एक बार 'छोरियां चली गांव' शो में कृष्णा को सपोर्ट करने भी आए थे।

अलीजेह अग्निहोत्री के साथ जमेगी सिद्धांत चतुर्वेदी की जोड़ी

साल 2023 में अलीजेह अग्निहोत्री ने इंडस्ट्री में कदम रखे। वे फिल्म 'फर्रे' में पहली बार नजर आईं। अब वे अगली फिल्म को लेकर सुर्खियों में हैं। सलमान खान की भांजी की जोड़ी इस बार पर्दे पर सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ जमने की खबर है। दोनों सितारे विकास बहल की आगामी फिल्म में नजर आएंगे, जो एक म्यूजिकल ड्रामा फिल्म बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक विकास बहल ने अपनी आगामी फिल्म के लिए अलीजेह और सिद्धांत को साइन किया है। फिल्म का नाम अभी तय नहीं है। वैरायटी इंडिया के मुताबिक, 'फिल्म की कहानी इंग्लैंड में रहने वाले उन पंजाबी युवाओं पर आधारित है, जो अपनी मिट्टी यानी पंजाब से भी जुड़े थे, लेकिन साथ ही वहां की विदेशी संस्कृति में भी रच-बस रहे थे'।

फिल्म में दर्शकों को 90 के दशक का लुक और डांस क्लबों का माहौल देखने को मिलेगा। साथ ही यह भी देखने को मिलेगा की पंजाबी म्यूजिक के दुनियाभर में लोकप्रिय होने के पीछे किस तरह का संघर्ष रहा है और जुनून रहा है। अलीजेह फिल्म में सिंगर के रोल में नजर आएंगी। बता दें कि अलीजेह, अलवीरा खान और अतुल अग्निहोत्री की बेटी हैं। हालांकि, अभी इस फिल्म को लेकर कोई आधिकारिक एलान नहीं किया गया है। इसी के साथ इस फिल्म को लेकर और अधिक जानकारी का इंतजार है।

गोलमाल 5 से जुड़ी साउथ एक्ट्रेस प्रियामणि

रोहित शेट्टी की फिल्म 'गोलमाल 5' में हाल ही में अजय देवगन, अरशद वारसी, कुणाल खेमू और श्रेयस जैसे सितारों से सजी स्टार कास्ट में अक्षय कुमार का नाम जुड़ने की खबर सुर्खियों में थी। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। फिल्म में अब एक साउथ एक्ट्रेस के जुड़ने की भी जानकारी सामने आई है।

खबर के अनुसार, 'गोलमाल 5' की शूटिंग शुरी हो चुकी है और पहले शेड्यूल में ज्यादातर मुख्य कलाकार मौजूद थे। अजय देवगन भी जल्द ही शूटिंग में शामिल हो जाएंगे। 'गोलमाल 5' की शूटिंग कहां शुरू हुई है, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। 'गोलमाल 5' की टीम में एक नया चेहरा जुड़ गया है। जानकारी के अनुसार, दक्षिण भारतीय अभिनेत्री प्रियामणि अब 'गोलमाल 5' में नजर आएंगी। प्रियामणि साउथ की लोकप्रिय अभिनेत्री हैं। बहरहाल, प्रियामणि का रोल क्या होगा, ये अभी सीक्रेट है, लेकिन उन्होंने अपनी शूटिंग शुरू कर दी है। पहला शेड्यूल करीब एक महीने चलेगा।

प्रियामणि के प्रोजेक्ट्स

प्रियामणि ने कई चर्चित बॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम किया है, जिनमें वेब सीरीज 'द फैमिली मैन' और शाहरुख खान के साथ फिल्म 'जवान' शामिल है। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'आर्टिकल 370' में भी अभिनय किया है। वह हिंदी सिनेमा में 'चेन्नई एक्सप्रेस' (डांस नंबर) और मणिरत्नम की फिल्म 'रावण' (कैमियो) का भी हिस्सा रही हैं।

अक्षय भी होंगे फिल्म का हिस्सा

पहले से ही खबर थी कि अक्षय कुमार भी फिल्म में होंगे। वो अजय देवगन और उनके गैंग के साथ कॉमेडी में धमाल मचाएंगे। पुराने कलाकार जैसे अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस, जॉनी लीवर, संजय मिश्रा, मुकेश तिवारी और अश्विनी कालसेकर भी वापस आ रहे हैं। लेकिन शायद करीना कपूर खान इस बार फिल्म में नहीं होंगी।

औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी होगी

बॉलीवुड की सबसे काबिल अदाकाराओं में से एक मोना सिंह के साल 2026 की शुरुआत शानदार रही है। वह 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों और वेब सीरीज 'कोहरा 2' में नजर आ चुकी हैं। सीरीज में वह कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर रहीं हैं।

छोटे पर्दे की वो 'जस्सी', जो आज फिल्मों और ओटीटी की सबसे भरोसेमंद एक्ट्रेसेस में से एक है। साल की पहले दो महीने में ही 'हैपी पटेल: खतरनाक जासूस' और 'बॉर्डर 2' जैसी फिल्मों के अलावा वह वेब सीरीज 'कोहरा 2' में पुलिस ऑफिसर धनवंत कौर के कॉम्प्लेक्स किरदार के लिए वाहवाही बटोर चुकी हैं। अब जल्द ही उनकी फिल्म 'सूबेदार' भी ओटीटी पर आने वाली है। मोना अपने करियर के इस दौर को सबसे बेहतरीन मानती हैं। वह कहती हैं, 'बहुत अच्छा लग रहा है कि दो-तीन साल जो इतनी मेहनत की है, उसका फल अब सामने आ रहा है।'

मोना की हालिया वेब सीरीज 'कोहरा 2' की नायिका धनवंत, निजी जिंदगी के झंझावातों से जूझते हुए भी शिद्दत से ड्यूटी निभाती है, फिर भी जरा सी चूक पर उसकी प्रतिभा पर सवाल खड़े कर दिए जाते हैं। क्या मोना कभी खुद को साबित करने के ऐसे अनुभव से गुजरी हैं? इस पर वह कहती हैं, 'यह कहानी हम सभी औरतों की है। हमें हर कदम पर बताया जाता है कि ये मत करो। इधर मत जाओ। ये मत पहनो। इतना मत हंसों। इससे शादी करो, उससे मत करो। यहां काम करो, यहां मत करो। हमें हमेशा बताया गया है, दबाया गया है पर अब वक्त खुलकर बोलने का है।'

हम औरतों को अपनी लड़ाई खुद लड़नी है

मोना आगे कहती हैं, 'शो में भी यही दिखाया गया है कि भले ही हम पंजाब में हैं, पुरुषसत्तात्मक समाज में हैं, पर कोई भी किरदार चुप नहीं है। सभी औरतें अपनी लड़ाई अपने तरीके से लड़ रही हैं, जो बहुत ही इंस्पायरिंग है कि अपने लिए खुद खड़े रहो। डटे रहो। आपको बचाने कोई नहीं आ रहा है। ये आपकी लड़ाई है तो लड़ते रहो। जिंदगी एक ही है और छोटी है तो अच्छे से खुलकर जियो। बिना किसी को कोई जवाब दिए। मैं इसी फंडे में यकीन करती हूं कि एक ही जिंदगी है, अच्छे से जी लो। मुझे किसी चीज का पछतावा नहीं है। हर चीज से मैंने सीखा है। जैसे, धनवंत से हमेशा ये सवाल पूछा जाता है कि घर पर सब ठीक है, लेकिन यही सवाल किसी मेल ऑफिसर से नहीं पूछा जाएगा, क्योंकि औरत के घर पर अगर सब ठीक नहीं होगा तो वह शायद केस ठीक से सॉल्व नहीं कर पाएगी। ऐसी सीनियर्स की सोच होती है तो खुद को साबित करना हर औरत की लड़ाई है, पर मुझे खुशी है कि हम सब ये लड़ाई लड़ रहे हैं।'

हीरो के बराबर हों फीमेल सेंट्रिक फिल्में

इधर, ओटीटी पर बॉलीवुड के कई पुराने स्टीरियोटाइप टूटे हैं। उन्हीं में से एक है, शेफाली शाह, मोना सिंह, सांक्षी तंवर जैसी उम्र का एक पड़ाव पार कर चुकीं दमदार एक्ट्रेसेस को मुख्य भूमिका में लेकर शो बनाना। क्या फिल्मों में भी यह बदलाव संभव है? इस पर मोना का कहना है, 'असल में हमारा भारतीय सिनेमा इतना पुराना है कि हमारे पास इतने रेफरेंस और डेटा बेस है कि ये चलता है, ये नहीं चलता है। इसलिए, फिल्मों में एक सेट फॉर्मेट होता है। जैसे, वहां वुमन सेंट्रिक कहानियां ही बहुत कम हैं। साल में एक या दो फिल्में सेंट्रिक होती हैं। वे न चले तो बोल देते हैं कि ऐसी फिल्में चलती नहीं, मगर आप ज्यादा वुमन सेंट्रिक फिल्में बनाइए ना या कम से कम हीरो वाली फिल्मों के बराबर बनाइए। दोनों को बराबर मौके दीजिए, कैमरे के आगे और पीछे भी, तभी बदलाव आएगा। जबकि, ओटीटी हम सबके लिए बहुत नया है। यहां हम सबको मौका मिलता है एक्सप्लोर करने के लिए, प्रयोग करने के लिए तो मैं बहुत खुश हूं कि यह समय देख रही हूं, वरना तो ये संभव ही नहीं था।'

परिवार जैसे बन चुके हैं आमिर खान सर

मोना सिंह हाल ही में आमिर खान के बैनर की फिल्म 'हैपी पटेल' में नजर आईं। इससे पहले उनकी 'लाल सिंह चड्ढा' में भी अहम भूमिका थी। आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर उन्होंने कहा, '3 इडियट्स में 'ऑल इज वेल-ऑल इज वेल' कहकर उन्होंने मेरी डिलिवरी करवा दी थी। 'लाल सिंह चड्ढा' में वो मेरे बेटे बन गए, मैं उनकी मम्मी बन गई। वहीं, 'हैपी पटेल' में वो मेरे पापा बन गए, तो हमारा रिश्ता सिर्फ मजबूत हुआ है। हमें एक दूसरे के लिए बहुत इज्जत है। मेरे लिए आमिर सर परिवार हैं। यह रिश्ता बहुत खास है। मैं इसे बहुत अहमियत देती हूं।'

मेरा सपना था आमिर खान जैसे एक्टर संग काम करना

आमिर खान के साथ अपने रिश्ते पर बात करते हुए मोना आगे कहती हैं, 'मेरा सपना था कि मैं आमिर खान जैसे एक्टर के साथ काम करूं, क्योंकि वह बहुत कमाल के एक्टर हैं और मेरा वो सपना एक बार नहीं, 3 बार पूरा हुआ। मैं इसके लिए खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं।'

एक रुपये में जूते वाले ऑफर से मचा हंगामा, भीड़ नियंत्रित करने पुलिस ने भांजी लाठी

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड में मात्र 1 रुपये में जूते देने के एक प्रचार ऑफर ने रविवार को भारी हंगामे का रूप ले लिया। बड़ी संख्या में लोग ऑफर का फायदा उठाने के लिए पहुंच गए, जिससे हालात बेकाबू हो गए और पुलिस को भीड़ नियंत्रित करने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के मुताबिक, दुकान ने पहले 100 ग्राहकों को सिर्फ 1 रुपये में महंगे जूते देने का विज्ञापन जारी किया था। यह विज्ञापन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसके बाद सैकड़ों लोग तड़के ही दुकान के बाहर पहुंचने लगे। बताया जा रहा है कि कई लोग रात 2 बजे से ही लाइन में लग गए थे। पुलिस के अनुसार, दुकान की क्षमता से कहीं ज्यादा भीड़ जमा हो गई, जिसमें बच्चे भी शामिल थे। कुछ लोग दूर-दराज के जिलों से भी पहुंचे थे। भारी भीड़ के कारण इलाके में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और यातायात भी पूरी तरह बाधित हो गया। स्थिति जब नियंत्रण से बाहर हो गई, तो पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज करना पड़ा। घटना के बाद तनाव फैलाने और अव्यवस्था पैदा करने के आरोप में दुकान के मालिक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

युद्ध गप्प विरुद्ध पोस्टर लगा कांग्रेस ने आप को घेरा, कहा- पंजाब सरकार की वादा खिलाफी उजागर

जालंधर (एजेंसी)। जालंधर में कांग्रेस पार्टी ने आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ चुनावी प्रचार तेज करते हुए युद्ध गप्प विरुद्ध अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत नकोदर और शाहकोट समेत कई इलाकों में पोस्टर लगाए गए हैं, जो राजनीतिक चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। पोस्टरों में स्पष्ट रूप से लिखा गया है युद्ध गप्प विरुद्ध और पंजाब सरकार पर महिलाओं के लिए किए गए वादों को पूरा न करने का आरोप लगाया गया है। इन पोस्टरों में अखबार पकड़े एक महिला की तस्वीर दिखाई गई है, जबकि नकोदर क्षेत्र में लगे पोस्टरों पर शाहकोट विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक हरदेव सिंह लाडी शेरोवालिया और नवजोत सिंह दहिया की तस्वीरें भी शामिल हैं। पोस्टरों में यह भी लिखा गया है कि अब इंतजार खत्म हुआ, और 18 वर्ष से ऊपर की हर महिला को 4 साल के लिए 48,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। कांग्रेस का उद्देश्य पंजाब सरकार को घेरना और महिलाओं से किए गए वादों की याद दिलाना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार जालंधर के लगभग हर गांव के घरों की दीवारों पर यह पोस्टर देखे जा सकते हैं, जिसके चलते राजनीतिक बहस और चर्चा तेज हो गई है। कांग्रेस के इस अभियान को क्षेत्रीय स्तर पर चुनावी संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें आप की नीतियों और वादाखिलाफी पर जोर दिया गया है।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जावेद सिद्दीकी को अंतरिम जमानत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली की एक अदालत ने मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े एक मामले में जावेद सिद्दीकी को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है। अदालत ने यह राहत उनकी पत्नी के गंभीर स्वास्थ्य हालात को देखते हुए दी, जिनका स्टेज-4 ओवेरियन कैंसर का इलाज चल रहा है। यह आदेश अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने शनिवार को सुनाया। अदालत ने कहा कि सिद्दीकी की पत्नी की कीमोथेरेपी चल रही है और इस कठिन समय में उन्हें परिवार के सदस्य के सहयोग की आवश्यकता है। इसी आधार पर अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए दो सप्ताह की अंतरिम जमानत मंजूर की। यहां बताते चलें कि जावेद सिद्दीकी अल-फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन हैं और उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग से संबंधित मामला दर्ज किया गया है, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। यह मामला लाल किला ब्लास्ट केस से जुड़े कथित वित्तीय लेनदेन से संबंधित बताया जा रहा है। अदालत ने जमानत देते हुए कई सख्त शर्तें भी लगाई हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि जावेद सिद्दीकी बिना अनुमति के दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र से बाहर नहीं जा सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना मोबाइल फोन हमेशा सक्रिय रखना होगा और अपना पासपोर्ट अदालत में जमा करना होगा। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अंतरिम जमानत की अवधि के दौरान वह मामले से जुड़े किसी भी गवाह या शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं करेंगे। यदि इन शर्तों का उल्लंघन होता है तो जमानत रद्द की जा सकती है।

भारत लौट कर अच्छा लगा भारत और दुबई सरकार ने हमारी खूब मदद की

-यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं या सुरक्षित नहीं

पुणे (एजेंसी)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते संघर्ष के बीच दुबई से भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालकर वापस लाया गया है। पुणे एयरपोर्ट पर उतरने के बाद भारतीय नागरिकों के चेहरे पर खुशी नजर आई उन्होंने सरकार की तारीफ की। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंची महिला यात्री ने कहा कि शुरू में जब लड़ाई शुरू हुई तो डर लग रहा था, लेकिन उसके बाद कॉलेज, भारतीय दूतावास और भारत सरकार ने बहुत मदद की। सब कुछ बहुत अच्छा था।

उन्होंने कहा कि वापस लौटकर बहुत अच्छा लग रहा है। हम जल्द लड़ाई रुकने की उम्मीद करते हैं, जिससे वापस कॉलेज लौट सकें और पढ़ाई कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि सरकार बहुत ही ईमानदारी के साथ अच्छा काम कर रही है। हम अपनी भारत सरकार पर भी गर्व करते हैं। एक अन्य महिला यात्री ने बताया कि हम ऑफिस वर्क के लिए 15 दिन की यात्रा पर गए थे। हमें बिल्कुल भी यह महसूस नहीं हुआ कि हम एक युद्धग्रस्त देश में जाकर फंसे हैं या सुरक्षित नहीं हैं। हम सभी के लिए दुबई सरकार ने अच्छी सुरक्षा दी थी। उन्होंने यह भी बताया कि कुछ दूर से धमाकों की आवाजें आती थीं, लेकिन वहां बिल्कुल भी खतरनाक या पैनिक की स्थिति नहीं थी। एक अन्य यात्री ने बताया कि जब हम लोग एयरपोर्ट पर पहुंचे थे, तभी मिसाइल अटैक का अलर्ट आया था। सभी लोगों को नीचे बंकर में ले जाया गया। कुछ समय के बाद जब स्थिति सामान्य हो गई, तब लोगों को बाहर लाया गया। हमें बाद में पता चला कि उन मिसाइलों को मार गिराया गया है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री एक और यात्री ने कहा कि उसने फ्लाइट बुक की थी, लेकिन उसमें देरी हो रही थी। स्पाइसजेट की वजह से मैं यहां टाइम पर पहुंच गया। उन्होंने फ्लाइट्स कैंसिल नहीं कीं। मैं एक हफ्ते तक फंसा रहा। वापस आकर मुझे अच्छा लग रहा है। दुबई से पुणे एयरपोर्ट पहुंचे यात्री ने कहा कि मैं वहां छह साल से काम कर रहा हूं। हमें कुछ शोर सुनाई दे रहा था, लेकिन वहां सब ठीक है। यूएई सरकार सभी का बहुत अच्छे से ख्याल रख रही है।

तमिलनाडु चुनाव से पहले टीवीके चीफ विजय के बड़े वादे: बुजुर्ग महिलाओं को 2,500 रुपये, विवाह में सोने की अंगूठी

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के बीच अभिनेता-नेता और तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिए कई बड़े वादों की घोषणा की है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मामल्लपुरम में आयोजित समारोह में विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त, विवाह के लिए आठ ग्राम सोना और सिल्क साड़ी देने का वादा किया। उन्होंने कहा कि राज्य में जन्मे प्रत्येक बच्चे को सरकार की ओर से एक सोने की अंगूठी दी जाएगी, जो परिवार और बच्चों की भलाई का प्रतीक होगी।

महिलाओं और सुरक्षा के लिए पहल

विजय ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की घोषणा की और सार्वजनिक परिवहन में स्मार्ट पैनिक बटन लगाने की योजना भी साझा की। इसके अलावा महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेज न्याय सुनिश्चित करने के लिए ÷अंजलाई अम्मल फास्ट-ट्रैक अदालत÷ का गठन किया जाएगा। राज्यभर में 500 विशेष सुरक्षा टीमें महिलाओं की सुरक्षा के लिए काम करेंगी।

शिक्षा और आर्थिक समर्थन

उन्होंने 'कामराज शिक्षा आश्वासन स्कीम' के तहत कक्षा 1 से 12 तक के छात्रों की शिक्षा बिना रुकावट पूरी करने की गारंटी देने की घोषणा की। इसके लिए परिवारों को सालाना 15,000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी। वहीं, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से महिलाओं को 5 लाख रुपये तक ब्याज-मुक्त वित्तीय सहायता देने का भी वादा किया गया।

परिवार कल्याण और सामाजिक सुरक्षा

विजय ने बुजुर्ग महिलाओं के लिए 'अन्नापूर्णी सुपर 6' स्कीम के तहत साल में छह एलपीजी सिलेंडर मुफ्त देने, और शादी में महिलाओं की मदद के लिए ÷अन्नन सीर÷ योजना लागू करने की बात कही। इसके साथ ही मासिक धर्म स्वच्छता बढ़ाने के लिए राशन दुकानों के माध्यम से मुफ्त सेनेटरी नैपकिन वितरित किए जाएंगे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि पार्टी सत्ता में आने के बाद इन सभी कल्याण योजनाओं को तुरंत लागू करेगी। महिलाओं, बच्चों और परिवारों पर केंद्रित यह घोषणाओं का बड़ा राजनीतिक संदेश माना जा रहा है, जिससे तमिलनाडु में चुनावी तैयारियों को बढ़ावा मिलेगा।

भारत के लोग आजाद और खुद फैसले लेने वाले हैं, हम दूसरे देश का आदेश नहीं मानते

-फिल्म अभिनेता कमल हासन ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के लिए लिखा ओपन पत्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। फिल्म अभिनेता कमल हासन ने हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए एक ओपन पत्र लिखा है। पत्र में हासन ने ट्रंप को अपने देश पर ध्यान देने की नसीहत दी है। कमल हासन ने ट्रम्प की उस नसीहत पर तंज कसा है, जिसमें उन्होंने भारत को रुस से तेल खरीदने की अस्थायी छूट दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कमल हासन ने एक्स पर लिखा- सेवा में, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। माननीय राष्ट्रपति जी, हम भारत के लोग एक आजाद और अपने फैसले खुद लेने वाले देश के नागरिक हैं। अब हम किसी दूसरे देश से आदेश नहीं लेते। कृपया अपने काम से काम रखिए। देशों के बीच आपसी सम्मान ही दुनिया में शांति बनाए रखने का सही तरीका है। हम आपके देश और वहां के लोगों के लिए शांति और तरक्की की कामना करते हैं। कमल हासन- एक प्राउड भारतीय नागरिक। संस्थापक- मक्कल नीधि माइअम। बता दें मिडिल-ईस्ट में जंग के कारण स्थिति काफी गंभीर है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक कर दिया है, जहां से दुनिया की 20फीसदी तेल सप्लाई होती है। ऐसे में भारत में भी तेल के दाम बढ़ने का अनुमान था। इसी बीच अमेरिका ने भारत को 3 अप्रैल तक रूस से कच्चा तेल खरीदने की शर्तों के साथ छूट दी है। अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रम्प के ऊर्जा एजेंडे के तहत यह अस्थायी कदम उठाया गया है। कमल हासन की पोस्ट सामने आने के बाद कई यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि वह किस हैसियत से इंडिया की तरफ से बयान दे रहे हैं। कई लोग इसे ड्रामा बता रहे हैं तो कुछ का कहना है कि भारत को किसी भी देश की तरफ से कोई आदेश नहीं दिया गया है, जैसा कि कमल ने पोस्ट में कहा है।

ईरान युद्ध के बीच भारत ले सकता है फैसला, जहाजों की सुरक्षा के लिए नौसेना की तैनाती पर विचार

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनीतिक तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में उपजे सुरक्षा संकट के बीच भारत सरकार ने खाड़ी क्षेत्र में फंसे अपने व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा के लिए बड़ा कदम उठाने के संकेत दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, पर्शियन गल्फ में फंसे जहाजों को सुरक्षित निकालने के लिए भारतीय नौसेना की तैनाती पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि इस संबंध में अगले 48 घंटों के भीतर अंतिम निर्णय लिया जा सकता है। यदि योजना को हरी झंडी मिलती है, तो भारतीय नौसेना के युद्धपोत इन जहाजों को एस्कॉर्ट कर सुरक्षित गलियारे से बाहर निकालेंगे।

अब राज्यपाल गुरमीत सिंह का हेलीकॉप्टर हुआ खराब, श्रीनगर में इमरजेंसी लैंडिंग

-एक दिन पहले ही केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी आई थी समस्या

श्रीनगर (एजेंसी)। उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह के हेलीकॉप्टर की रविवार को श्रीनगर के पास इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। जानकारी के अनुसार हेलीकॉप्टर में तकनीकी दिक्कत या खराब मौसम की वजह से यह फैसला लिया गया। हालांकि राज्यपाल समेत सभी लोग पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बताया गया कि गुरमीत सिंह गैंसरण में विधानसभा सत्र में शामिल होने के लिए हेलीकॉप्टर से जा रहे थे। इसी दौरान श्रीनगर के पास हेलीकॉप्टर में समस्या आने की सूचना मिली, जिसके बाद पायलट ने सावधानी बरतते हुए आपात लैंडिंग कराई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस अलर्ट हो गए और राज्यपाल को हेलिपैड से सीधे पुलिस गेस्ट हाउस ले जाया गया। फिलहाल लैंडिंग के सही कारणों की जांच की जा रही है।

इस घटना से एक दिन पहले केशव

प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में भी तकनीकी खराबी आ गई थी। वे कौशांबी जा रहे थे, तभी हेलीकॉप्टर में अचानक समस्या आ गई और उसकी लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। बताया गया कि उड़ान के दौरान पायलट के डैशबोर्ड का डिस्प्ले बंद हो गया था और हेलीकॉप्टर में धुआं भरने लगा था। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर को एयरपोर्ट की ओर मोड़ा और सुरक्षित लैंडिंग कराई। हेलीकॉप्टर में केशव मौर्य, उनके सहयोगी, सुरक्षाकर्मी और पायलट सवार थे और सभी सुरक्षित हैं।

बंगाल चुनाव से पहले ममता का बड़ा ऐलान, युवाओं को हर महीने मिलेगा 1500 रुपये बेरोजगारी भत्ता

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच ममता बनर्जी ने बेरोजगार युवाओं के लिए बड़ा ऐलान किया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर मुख्यमंत्री ने राज्य के युवाओं को हर महीने 1500 रुपये भत्ता देने की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य युवाओं को आर्थिक सहायता देकर उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद करना है। ममता बनर्जी ने यह घोषणा मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के विरोध में आयोजित धरना-प्रदर्शन स्थल से ही की। ममता बनर्जी ने बताया कि सरकार पहले इस योजना को 1 अप्रैल से लागू करने वाली थी, लेकिन अब इसे तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राज्य के युवाओं को यह एक तरह का उपहार है। इसके तहत लाभार्थियों को अब अप्रैल का इंतजार नहीं करना पड़ेगा और भुगतान की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

कौन होंगे योजना के पात्र

मुख्यमंत्री ने योजना की पात्रता को लेकर भी जानकारी दी। इसके तहत 21 से 40 वर्ष की आयु के युवक और युवतियां आवेदन कर सकेंगे। लाभ पाने के लिए कम से कम माध्यमिक परीक्षा (कक्षा 10वीं) पास होना अनिवार्य होगा। उन्होंने यह भी कहा कि जो छात्र अभी पढ़ाई कर रहे हैं और छात्रवृत्ति के अलावा किसी अन्य सरकारी योजना का लाभ नहीं ले रहे हैं, उन्हें भी इस योजना के तहत भत्ता मिल सकेगा।

रोजगार के आंकड़े भी रखे सामने

विपक्ष के आरोपों के बीच ममता बनर्जी ने अपने शासनकाल में रोजगार के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि पश्चिम बंगाल में बेरोजगारी दर में करीब 40 प्रतिशत की कमी आई है। मुख्यमंत्री के अनुसार राज्य में लगभग 40 लाख लोगों को कौशल प्रशिक्षण दिया गया है, जिनमें से करीब 10 लाख लोगों को रोजगार मिल चुका है। उन्होंने बताया कि उत्कर्ष बांग्ला के तहत प्रशिक्षित युवाओं का डेटा उद्योगपतियों की वेबसाइटों से जोड़ा गया है, जिससे उन्हें रोजगार मिलने में आसानी हुई है।

किसानों और प्रवासी मजदूरों के लिए भी राहत

ममता बनर्जी ने भूमिहीन किसानों के लिए भी 4000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पहले यह लाभ केवल सीमित जमीन वाले किसानों को मिलता था, लेकिन अब इसका दायरा बढ़ा दिया गया है। इसके अलावा प्रवासी श्रमिकों को राज्य के भीतर ही रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का भी आश्वासन दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में लघु और मध्यम उद्योगों के क्षेत्र में करीब 1.5 करोड़ लोग कार्यरत हैं और इस क्षेत्र को और मजबूत किया जाएगा।

होली के बाद मौसम ने बिखेरे तीन रंग, कहीं रिकॉर्ड तोड़ गर्मी, कहीं बारिश और बर्फबारी का अलर्ट

-यूपी के ज्यादातर जिलों में तेज धूप खिलेगी, कुछ जगहों पर छा सकते हैं हल्के बादल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगों से भरा होली पर्व का उत्सव अब समाप्त हो गया है। इसके साथ ही मौसम ने अपने रंग बिखेरना शुरु कर दिया है। देश में इस वक्त तीन तरह की मौसमी रंग दिखाई दे रहे है। एक वो इलाका है जहां रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है तो दूसरा वो क्षेत्र है जहां बारिश हो रही है और तीसरे इलाके में बर्फबारी की संभावना है। महाराष्ट्र और राजस्थान जैसे राज्य भीषण गर्मी और लू (हीटवेव) की चपेट में हैं, वहीं उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और पूर्वी भारत में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के ताजा आंकड़े बताते हैं कि गर्मी ने इस साल समय से पहले ही अपने तीखे तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं।

महाराष्ट्र का विदर्भ क्षेत्र इस समय देश का सबसे गर्म इलाका बना हुआ है। अकोला में अधिकतम तापमान 40.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है, जो सामान्य से करीब 4.8 डिग्री अधिक है। अमरावती, वर्धा और वाशिम जैसे शहरों में भी पारा 40 डिग्री के करीब पहुंच चुका है। मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि मार्च की

शुरुआत में ही तापमान का इस स्तर पर पहुंचना आने वाले महीनों के लिए एक गंभीर संकेत है। राजस्थान के बाड़मेर में भी पारा 38 डिग्री के पार जा चुका है, जिससे मरुधरा में अभी से तपिश महसूस होने लगी है।

दूसरी ओर, उत्तर भारत के पहाड़ी राज्यों में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है। इसके प्रभाव से जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। इस बदलाव से मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली-एनसीआर, पंजाब और हरियाणा में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है, हालांकि दोपहर की तेज धूप लोगों को परेशान कर रही है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश और बिहार में भी गर्मी का असर बढ़ने लगा है। यूपी के बुंदेलखंड क्षेत्र में पारा 35 डिग्री के पार जा चुका है, वहीं बिहार और झारखंड में 9 से 11 मार्च के बीच मौसम बदलने के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं और गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। दक्षिण भारत में भी प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं, जिससे केरल और तमिलनाडु के तटीय इलाकों में बारिश की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और एंटी-साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण सूरज की किरणें सीधे धरती तक पहुंच रही हैं, जिससे तापमान में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो रही है। यदि आने वाले दिनों में पारा सामान्य से 4.5 डिग्री अधिक रहता है, तो कई राज्यों में आधिकारिक तौर पर हीटवेव की घोषणा की जा सकती है।

सामना ने अमेरिका की भूमिका और भारत के नेतृत्व पर उठाए सवाल कहा- कॉकरोच मरते नहीं...

मुंबई (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष के बीच शिवसेना (यूबीटी) ने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारत सरकार की भूमिका पर तीखी टिप्पणी की है। पार्टी के मुखपत्र में प्रकाशित कॉकरोच मरते नहीं शीर्षक वाले लेख के माध्यम से राज्यसभा सांसद संजय राउत ने वैश्विक राजनीति, अमेरिका की रणनीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर कड़े सवाल खड़े किए हैं। लेख में दावा किया गया है कि इजरायल और अमेरिका द्वारा ईरान पर किए जा रहे हमले न केवल वैश्विक शांति के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

संजय राउत ने अपने लेख में तर्क दिया है कि युद्ध अक्सर राजनीतिक उद्देश्यों को साधने का एक जरिया मात्र होता है। उन्होंने इस संघर्ष की तुलना 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे से करते हुए कहा कि जिस तरह माओ त्से तुंग ने आजादी के नाम पर तिब्बत पर नियंत्रण किया, उसी तरह आज अमेरिका और इजरायल तानाशाही से मुक्ति के नाम

पर ईरान में अपने आर्थिक और राजनीतिक हितों को साध रहे हैं। लेख में विशेष रूप से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों को इस युद्ध का जनक बताया गया है। सबसे कड़ा प्रहार भारत की विदेश नीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किया गया है। शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि इस वैश्विक संकट के दौरान भारत की कूटनीतिक उपस्थिति अत्यंत कमजोर और मौन रही है। लेख में तंज कसते हुए कहा गया कि जिस नेतृत्व को विश्व स्तर पर मजबूत बताया जाता है, वह इस संघर्ष को रोकने में विफल रहा है। फरवरी 2026 में प्रधानमंत्री की इजरायल यात्रा का उल्लेख करते हुए लेख में कहा गया कि उस यात्रा के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया, लेकिन भारत की ओर से शांति की कोई ठोस पहल दिखाई नहीं दी। लेख का निष्कर्ष यह है कि शक्तिशाली देश अपने स्वार्थ के लिए युद्ध का सहारा ले रहे हैं, लेकिन जिन्हें कमजोर समझा गया, वे उम्मीद से कहीं अधिक कड़ी चुनौती पेश कर रहे हैं। लेख के अनुसार, पश्चिमी देशों का यह अनुमान गलत साबित हुआ कि ईरान को आसानी से घुटनों पर लाया जा सकता है। संजय राउत ने लिखा कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की शहादत और कई सैन्य अधिकारियों के मारे जाने के बावजूद ईरान ने हार नहीं मानी है। इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर हुए मिसाइल हमलों और खाड़ी देशों में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ईरान ने झुकने से साफ इनकार कर दिया है। लेख में गाजा पट्टी में हो रही नागरिकों और बच्चों की मौतों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे मानवता के लिए एक बड़ा संकट करार दिया गया है।

जंग के बीच भारत ने तेज किया नागरिकों का रेस्क्यू, 52 हजार स्वदेश लौटे, 100 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संकट और युद्ध की बदलती परिस्थितियों के बीच भारत सरकार ने अपनी प्राथमिकता स्पष्ट कर दी है। विदेश मंत्रालय ने क्षेत्र में मौजूद सभी भारतीय नागरिकों से अपील की है कि वे स्थानीय अधिकारियों द्वारा जारी दिशानिर्देशों और भारतीय मिशनों की सलाह का कड़ाई से पालन करें। भारत सरकार सहायता की जरूरत वाले हर नागरिक तक पहुंचने के लिए संबंधित देशों की सरकारों के साथ निरंतर समन्वय कर रही है। शनिवार देर रात जारी एक आधिकारिक बयान में विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह क्षेत्र की उभरती स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और विदेशों में फंसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा व कल्याण सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मंत्रालय ने जानकारी दी कि क्षेत्र के हवाई क्षेत्र के आंशिक रूप से खुलने के बाद अब तक 52,000 से अधिक भारतीय सुरक्षित स्वदेश लौट आए हैं।

पश्चिम एशिया में सुरक्षा की स्थिति फिलहाल अत्यंत अनिश्चित बनी हुई है। अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरानी ठिकानों पर की जा रही बमबारी और तेहरान की ओर से अमेरिकी व इजराइली ठिकानों पर किए जा रहे जवाबी हमलों ने पूरे क्षेत्र को युद्ध के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। भारतीयों की सहायता के लिए वहां स्थित भारतीय दूतावासों ने 24 घंटे चालू रहने वाली हेल्पलाइन नंबर भी स्थापित किए हैं। इस भीषण संघर्ष का सीधा असर अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात पर पड़ा है। शनिवार को दिल्ली और मुंबई के हवाई अड्डों पर कम से कम 100 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। अधिकारियों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, मुंबई हवाई अड्डे से 35 प्रस्थान और 36 आगमन उड़ानें रद्द रहीं, जबकि दिल्ली हवाई अड्डे से 22 प्रस्थान और 17 आगमन उड़ानों को निरस्त करना पड़ा। दिल्ली हवाई अड्डे के संचालक डीआईएएल ने सोशल मीडिया के माध्यम से यात्रियों को सूचित किया है कि पश्चिम एशिया की स्थिति के कारण पश्चिम की ओर जाने वाली उड़ानों में देरी या समय-सारणी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। ज्ञात हो कि अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच 28 फरवरी से शुरू हुए इस संघर्ष ने वैश्विक नागरिक उड्डयन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सुरक्षा कारणों से पश्चिम एशिया के कई हवाई क्षेत्रों को बंद कर दिया गया है, जिसके चलते एयरलाइन कंपनियां या तो बहुत सीमित संख्या में उड़ानें संचालित कर रही हैं या लंबे वैकल्पिक रास्तों का उपयोग कर रही हैं। भारत सरकार की प्राथमिकता अब युद्धग्रस्त क्षेत्रों में फंसे बाकी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में आने वाले व्यवधानों को कम करने की है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)